खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 14 अक्टूबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-282

वामपंथियों के गढ़ में फल-फूल और पसर रहा ड्रग्स का धंधा

नशे की अंधेरी सुरंग में फंस चुका 'सुशिक्षित' केरल

उड़ता पंजाब नहीं डूबता केरल कहिए...

शुभ-लाभ सरोकार

वामपंथियों के गढ़ केरल में ड्रग्स का धंधा फल-फूल और पसर रहा है। सबसे सुशिक्षित कहा जाने वाला केरल आज नशे की अंधेरी सुरंग में बुरी तरह फंस चुका है। ड्रग्स के लिए पंजाब बदनाम है, जबकि केरल उससे कहीं अधिक ड्रग्स के दलदल में धंसा है। केरल में हर एक लाख लोगों पर मादक पदार्थों से जुड़े 78 केस सामने आते हैं। यह दर पूरे देश में सबसे अधिक है। 2025 के शुरुआती दो महीनों में ही केरल में ड्रग्स से जुड़ी 30 हत्याएं हुईं।

जब भी केरल का नाम सुनाई देता है तो दिमाग में सबसे पहले शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्र आते हैं क्योंकि वामपंथी ढिंढोरचियों ने इन दोनों को हमेशा आदर्श की तरह पेश किया है। लेकिन क्या असलियत में केरल आदर्श राज्य है? इसका सीधा और सटीक जवाब है नहीं। असलियत यह है कि पूरा केरल ड्रग्स के भयावह संकट से जूझ रहा है। शहरों से लेकर गांवों तक राज्य का कोई कोना इस समस्या से अछूता नहीं है। ड्रग्स के कारण सैकड़ों जिंदगियां तबाह हो चुकी हैं और अनगिनत परिवार टूट गए हैं। यह सिलसिला जारी है।

अब तक पंजाब को भारत का ड्रग्स का गढ़ माना जाता था लेकिन ताजा रिपोर्ट केरल की भयावह तस्वीर पेश करती है। सिर्फ साल 2024 में ही राज्य में 27,700 मादक पदार्थों से जुड़े मामले दर्ज किए गए, जो पंजाब से तीन गुना ज्यादा हैं। पंजाब में इसी अवधि में सिर्फ 9,000 के करीब केस दर्ज हुए। आबादी के लिहाज से देखें तो केरल में हर एक लाख लोगों पर मादक पदार्थों से जुड़े 78 केस सामने आए हैं और यह दर पूरे देश में सबसे अधिक है। राज्य के सभी 14 जिले इस संकट से प्रभावित हैं। 2025 के शुरुआती दो महीनों में ही केरल में 30 हत्याएं हुईं, जिनमें से अधिकतर ड्रग्स से जुड़ी हैं। राज्यसभा में 12 मार्च 2025 को पेश किए गए आंकड़े बताते हैं कि पिछले तीन साल से नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटांसेज़ एक्ट (एनडीपीएस) एक्ट के तहत सबसे अधिक मामले केरल में ही दर्ज हो रहे हैं। साल 2022 में 26,918 केस, 2023 में 30,715 केस और 2024 में 27,701 केस दर्ज हुए। इसकी तुलना में पंजाब में यही आंकड़े 12,423, 11,564 और 9,025 रहे। महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में भी मामले इतने नहीं हैं। यह साफ इशारा करता है कि नशे से जुड़े अपराधों के मामले में केरल अब पंजाब से कहीं आगे निकल चुका है। खूबसूरत राज्य केरल आज ड्रग्स के जाल में जकड़ चुका है। पुलिस और अन्य एजेंसियां भले इस समस्या पर काबू पाने की कोशिश में जुटी हैं लेकिन आगे का रास्ता अंधकारमय और बेहद चुनौतीपूर्ण दिख रहा है। सन 1971 में अमेरिका के हाई स्कूल में पढ़ने वाले 5 दोस्तों ने 4 बजकर 20 मिनट का समय अपने गांजा सेशन के कोड के तौर पर तय किया था। आधी सदी से भी ज्यादा वक्त गुजरने के बाद यही 420 कल्चर अब दुनिया भर के युवाओं में फैल चुका है और केरल की नई पीढ़ी भी इससे अछूती नहीं रही। ▶10 पर

पंजाब से कहीं अधिक बदतर है केरल का ड्रग-रिकॉर्ड

738 दिन बाद हमास के चंगुल से छूटे इजराइली बंधक

इजराइल और विश्व के लिए अद्भुत सफलता : ट्रंप

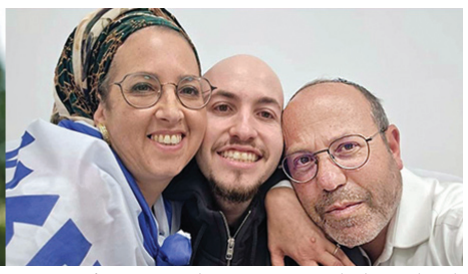

यरूशलम, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

आज पूरा इजराइल जश्न मना रहा है, दिवाली जैसा त्यौहार मना रहा है। 738 दिनों के बाद हमास के त्रासद चंगुल से 20 इजराइली बंधक रिहा हो चुके हैं। इन बंधकों को दो बैच में रिहा किया गया। पहले बैच में 7 बंधक थे और दूसरे बैच में 13 बंधक। पहले बैच के बंधकों की रिहाई के बाद इजराइल के विदेश मंत्रालय ने कुछ देर बाद रिहा बंधकों की तस्वीर शेयर की। तस्वीरों में रिहाई के बाद उन्हें सैनिकों से मिलते हुए देखा जा सकता है। वो गले से लिपटते दिख रहे हैं, उनकी आंखों में अपनों के पास लौटने का सुकून दिख रहा है। अपने प्रियजनों से मिलने से पहले इनकी चिकित्सा जांच हुई है। हमास को 26 मृत बंधकों के शवों को भी सौंपना है। यह काम कबतक होगा, इसकी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है।

सात अक्टूबर 2023 को हमास के आतंकवादियों ने लगभग 1,200 इजराइलियों को मार दिया था और 251 को बंधक बना लिया था। आज 20 जीवित बंधकों को रिहा किया गया। ▶10 पर

मिस्र शिखर सम्मेलन में हिस्सा नहीं लेंगे नेतन्याहू

पी. चिदंबरम के बाद मणिशंकर अय्यर का कांग्रेस पर वार

देश तोड़ना चाहती है डीएमके कांग्रेस उसके साथ खड़ी

कसौली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस पार्टी की गलत नीतियों, फैसलों और अपरिपक्व नेतृत्व पर कांग्रेस पार्टी के ही वरिष्ठ नेताओं का प्रहार जारी है। वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने बीते दिन कहा कि अमृतसर के स्वर्ण मंदिर पर 1984 में किया गया ऑपरेश ब्लू-स्टार कांग्रेस पार्टी सरकार का गलत फैसला था और इस गलती का खामियाजा तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को अपनी जान देकर चुकाना पड़ा। चिदंबरम के बयान के अगले ही दिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने कांग्रेस की नीतियों पर हमला बोला और कहा कि कांग्रेस पार्टी तमिलनाडु में डीएमके के साथ खड़ी है, जबकि डीएमके देश को तोड़ने के कुचक्र में लगी है। अय्यर ने कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर भी सीधे उंगली उठाई। अय्यर ने डीएमके को पुराना सनातन विरोधी भी बताया। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा कि डीएमके की अगुवाई में द्रविड़ ताकतें अलग देश की मांग कर रही है। कांग्रेस पार्टी डीएमके का साथ दे रही है। अय्यर के इस बयान से कांग्रेस की देश को बांटने वाली सोच एक बार फिर उजागर हुई है। कसौली में खुशवंत सिंह साहित्य महोत्सव 2025 के तहत भारत के भविष्य के लिए राजीव गांधी की विरासत के पुनर्मूल्यांकन विषय पर बोलते हुए मणिशंकर अय्यर ने कहा, कोई भी तमिलनाडु को ठीक से नहीं समझता। असल में यह भारत के किसी भी अन्य राज्य जैसा राज्य नहीं है, यही वजह है कि पी चिदंबरम या मैं द्रविड़ ताकतों की मदद के बिना चुनाव नहीं जीत सकते हैं। ये द्रविड़ ताकतें एक सदी से एक अलग भारत चाहती रही हैं। डीएमके इसे लगातार तीव्र करने की कोशिश करती रही है। उल्लेखनीय है कि द्रविड़ ताकतों का जिक्र अक्सर दक्षिण भारत की राजनीति में होता है। खासतौर पर यह तमिलनाडु की मुख्य राजनीतिक विचारधारा है, जो द्रविड़ लोगों के अधिकारों की रक्षा करना चाहती है। ▶10 पर

डीएमके का सनातन विरोधी रुख नया नहीं है

अफगानिस्तान के स्टैंड से बौखलाया पाकिस्तान

जम्मू-कश्मीर भारत का हिस्सा : मुत्तकी

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत और अफगानिस्तान के रिश्तों में बड़ा बदलाव देखने को मिला जब तालिबान सरकार ने खुले तौर पर भारत की संप्रभुता का समर्थन किया और जम्मू-कश्मीर को भारत का हिस्सा माना। नई दिल्ली में अफगान विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी और भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की मुलाकात के बाद जारी संयुक्त बयान में दोनों देशों ने एक-दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने की बात कही।

इस बयान में पहलगाम आतंकी हमले को भारत के जम्मू और कश्मीर में हुआ बताया गया था, जिसे पाकिस्तान ने तुरंत विरोध का मुद्दा बना लिया। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के राजदूत को तलब करके औपचारिक विरोध दर्ज कराया। पाकिस्तान ने कहा कि यह बयान संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों के खिलाफ है और कश्मीर की कानूनी स्थिति को नजरअंदाज करता है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने तालिबान पर आरोप लगाया कि वह कश्मीरी लोगों से मुंह मोड़ रहे हैं और मुस्लिम उम्माह के साथ अन्याय कर रहे हैं। जरदारी ने कहा, पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर पर किसी भी विवादित या भ्रामक रुख को कभी स्वीकार नहीं करेगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मौजूदा अंतरिम अफगान प्रशासन ने भारत के अवैध ▶10 पर

अभिनेता विजय की करूर रैली में भगदड़ का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने दिए सीबीआई जांच के आदेश

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने अभिनेता-राजनेता विजय थलापति की करूर रैली में हुई जानलेवा भगदड़ की सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं। विजय की पार्टी तमिलागा वेट्टरी कड़गम (टीवीके) ने सुप्रीम कोर्ट में स्वतंत्र जांच के लिए याचिका दाखिल की थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर अपना फैसला सुनाया और मामले की सीबीआई जांच के आदेश दिए। टीवीके ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की थी कि भगदड़ की जांच एक पूर्व सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश की निगरानी में हो, क्योंकि पार्टी का कहना है कि सिर्फ तमिलनाडु पुलिस की तरफ से बनाई गई विशेष जांच दल (एसआईटी) से जनता का भरोसा नहीं बनेगा। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि भगदड़ पूर्व नियोजित साजिश का हिस्सा हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच पूर्व जज अजय रस्तोगी की निगरानी में होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व न्यायाधीश अजय रस्तोगी को करूर भगदड़ मामले में सीबीआई जांच की निगरानी करने वाली समिति का प्रमुख नियुक्त किया है। ▶10 पर

बिहार चुनाव से पहले लालू परिवार को बड़ा झटका

आईआरसीटीसी भ्रष्टाचार केस में आरोप तय

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राउज एवेन्यू कोर्ट ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बेटे तेजस्वी यादव के खिलाफ भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) घोटाले से संबंधित एक मामले में भ्रष्टाचार, आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी के आरोप तय किए हैं।

विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) विशाल गोगने ने इस मामले में सोमवार को यह आदेश पारित किया। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आरोप लगाया है कि लालू यादव, जो 2004 से 2009 तक रेल मंत्री रहे, ने अपनी स्थिति का दुरुपयोग करते हुए निजी कंपनी सुजाता होटल्स को रांची और पुरी में दो आईआरसीटीसी होटलों के पट्टे के लिए अनुचित तरीके से ठेके दिए। इतना ही नहीं, इसके बदले में उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बेटे तेजस्वी यादव से जुड़ी एक कंपनी को बाजार मूल्य से काफी कम कीमत पर करोड़ों की जमीन हस्तांतरित की गई। कोर्ट ने लालू यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार और आपराधिक साजिश के आरोप तय किए, ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की राहुल गांधी की याचिका

वोट चोरी की शिकायत है तो आयोग जाओ

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)

सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। यह याचिका अधिवक्ता रोहित पांडेय ने दाखिल की थी, जिसमें उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में बेंगलुरु सेंट्रल निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची में कथित हेरफेर के आरोपों की जांच की मांग की थी। राहुल गांधी ने इन आरोपों को जोर-शोर से उठाया था, खासकर बेंगलुरु सेंट्रल के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची में गड़बड़ी का दावा करते हुए। हालांकि बाद में चुनाव आयोग ने सभी दावों को खारिज कर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाला बागची की दो सदस्यीय पीठ ने याचिका पर सुनवाई से इन्कार करते हुए याचिकाकर्ता को भारत निर्वाचन आयोग के पास जाने की सलाह दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ऐसे मामलों में जांच का अधिकार केवल चुनाव आयोग के पास है। ▶10 पर

सीटों के बंटवारे में भी पिछड़ गया विपक्षी गठबंधन

पीएम के हस्तक्षेप से एनडीए का बंटवारा फाइनल

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

काफी मशक्कत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हस्तक्षेप के बाद बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए में सीटों का बंटवारा हो पाया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ने पर सहमत हुए। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और भाजपा के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान द्वारा पुष्टि किए गए इस समझौते के तहत चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 29 सीटें दी गई हैं, जबकि जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेकुलर) और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) छह-छह सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

1996 में गठबंधन के बाद यह पहली बार है जब भाजपा और जदयू विधानसभा चुनाव में बराबर सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। 2020 में जदयू ने 122 सीटों पर और भाजपा ने 121 सीटों पर चुनाव लड़ा था। जदयू ने अपने हिस्से में से हम को सात सीटें दी थीं और भाजपा ने मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) को अपने हिस्से में से 11 सीटें दी थीं। इस बार एलजेपी (रामविलास) और हम ने अधिक हिस्सेदारी के लिए पूरा दबाव बनाया था। चिराग पासवान की पार्टी ने शुरुआत में 40 और फिर 35 सीटों के लिए जोर लगाया, वहीं मांझी ने 15 सीटों की मांग की। एनडीए ने शुरू में एलजेपी (रामविलास) को 20-25 सीटों तक सीमित रखने की मांग की थी, लेकिन बाद में बढ़ानी पड़ी। अंतिम निर्णय दिल्ली में भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद लिया गया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली और बिहार के वरिष्ठ भाजपा नेता शामिल हुए।

चिराग की पार्टी की मांग बातचीत में एक बड़ा अड़चन थी। 2024 के लोकसभा चुनावों में पार्टी के मजबूत प्रदर्शन ने जहां उसने अपनी लड़ी हुई सभी पांच सीटों पर जीत हासिल की और कुल वोट शेयर का 6 प्रतिशत से ज़्यादा हासिल किया, उसने सौदेबाजी की ताकत दी। हालांकि भाजपा का कहना है कि पार्टी ने ये सीटें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के कारण जीतीं, न कि अपनी राजनीतिक ताकत के कारण। अपने विभाजन से एक साल पहले 2020 में लोजपा ने बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से 135 पर चुनाव लड़ा था, जिसकी एनडीए को भारी कीमत चुकानी पड़ी थी। ▶10 पर

चिराग पासवान का कद बढ़ा रहा भाजपा नेतृत्व

दुनिया के दूसरे देशों में पहुंचा जहरीला कफ सिरप डब्ल्यूएचओ की बढ़ी चिंता

जेनेवा,13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

देश के कई राज्यों में जहरीले कफ सिरप के कारण करीब दो दर्जन बच्चों की जान चली गई। इन मौतों के चलते कोल्ड्रिफ नामक इस सिरप को लेकर डब्ल्यूएचओ की चिंता बढ़ी है। आशंका इस बात की है कि ये सिरप किसी अन्य देशों में सप्लाई हुआ या नहीं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने चेतावनी दी कि अनियंत्रित चैनलों के जरिए इन प्रोडक्ट्स को दूसरे देशों में निर्यात करने का जोखिम हो सकता है। डब्ल्यूएचओ की ओर से 1 अक्टूबर को भेजे गए पत्र का केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने जवाब दिया है।

इसमें पुष्टि की गई कि 3 सिरप दवाओं में घातक रसायन डाइएथिलीन ग्लाइकॉल पाया गया, लेकिन इनमें से कोई भी प्रोडक्ट भारत से निर्यात नहीं किया गया। डब्ल्यूएचओ के प्रवक्ता ने कहा, फिलहाल यह पुष्टि करने का कोई विश्वसनीय तंत्र नहीं है कि प्रोडक्ट्स को अवैध या अनियंत्रित चैनलों से निर्यात किया गया, क्योंकि ऐसे निर्यात आमतौर पर कोई निशान नहीं छोड़ते। यही बात इस जोखिम को चिंताजनक बनाता है। इस बीच, कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडु राव ने कहा कि राज्य ने सितंबर में अपनी रैंडम जांच शुरू की थी और लगभग 300-400 सैंपल्स लिए गए थे। उन्होंने कहा, इनमें से कोई भी नमूना एनएसक्यू (गैर-मानक गुणवत्ता) नहीं पाया गया। संदिग्ध सिरप को राज्य में प्रतिबंधित कर दिया गया है। डीईजी और एथिलीन ग्लाइकॉल विषाक्त पदार्थ हैं, जिनका इस्तेमाल औद्योगिक सॉल्वेंट और एंटीफ्रीज एजेंट के रूप में होता है। ये छोटी मात्रा में भी बच्चों के लिए घातक हो सकते हैं।

खतरनाक प्रोडक्ट्स की पहचान कोल्ड्रिफ, रेस्पिफ्रेश टीआर और रीलाइफ के तौर पर हुई है। डब्ल्यूएचओ के प्रवक्ता ने बताया, फिलहाल इस बात का कोई सबूत नहीं है कि इन उत्पादों को अनियंत्रित चैनलों से निर्यात किया गया, लेकिन इस जोखिम को खारिज नहीं किया जा सकता। राष्ट्रीय नियामक प्राधिकरणों को अनियंत्रित बाजारों में टारगेटेड मार्केट निगरानी करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

न्यूज ब्रीफ

सरकार ने दी परिवार वालों को जानकारी- हमास के बंधक नेपाली नागरिक विपिन जोशी अब जीवित नहीं

काठमांडू। पिछले तीन साल से हमास के कब्जे में रहे नेपाली नागरिक विपीन जोशी के जीवित नहीं रहने की आधिकारिक जानकारी नेपाल सरकार और जोशी के परिवार वालों को दे दी गई है। इजरायल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने सुबह ही तेल अवीव स्थित नेपाली राजदूतावास और विपिन के परिवार वालों को एक साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उनके जीवित नहीं रहने की आधिकारिक जानकारी दी है। इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारियों और नेपाली राजदूत धन प्रसाद पंडित की उपस्थिति में आईडीएफ ने विपिन की मां और बहन तथा नेपाल के धनगढ़ी में रह रहे उसके भाई को विपिन जोशी के हमास के कब्जे में जीवित नहीं रहने की जानकारी दी। तेल अवीव में नेपाली राजदूत ने इस बात की जानकारी नेपाल के विदेश मंत्रियों के अधिकारियों को भी दी है। दरअसल, हमास की तरफ से युद्ध विराम के बाद छोड़े जा रहे 20 बंधकों की सूची में भी विपिन जोशी का नाम शामिल नहीं है। हालांकि, बीते दिनों इजराइल के मीडिया में जोशी के जीवित होने का दावा किया था। कल्चरल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत विपिन जोशी अन्य दर्जनभर छात्रों के साथ सितंबर, 2023 में इजराइल पहुंचे थे। इसके बाद 7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इजराइल पर हमले के दौरान विपिन जोशी को बंधक बना लिया था। उस दौरान 10 नेपाली छात्रों की हत्या कर दी गई थी। तीन साल के बाद अब विपिन जोशी के जीवित नहीं रहने की आधिकारिक जानकारी दी गई है।

पहली बार बनी माँ हट्टा-कट्टा बच्चा देखकर हुई हैरान, अब वीडियो हो रहा वायरल

वॉशिंगटन। टेनेसी स्थित नैशविल में रहने वाली एक महिला ने हाल ही में ऐसे बच्चे को जन्म दिया है, जिसे देखते वो हैरान हो गई। ट्राईस्टार सेंटेनियल वुमेन्स हॉस्पिटल में शेल्बी मार्टिन ने काफी हट्टे-कट्टे बच्चे को जन्म दिया। जिसने पूरे दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। शेल्बी मार्टिन नाम की यह महिला पहली बार मां बनी हैं। उन्होंने ट्राईस्टार सेंटेनियल वुमेन्स हॉस्पिटल में एक हट्टे-कट्टे बच्चे को जन्म दिया। इस बच्चे का नाम कैसियन रखा गया है, जिसका वजन 12 पाउंड 14 आउंस (लगभग 5.8 किलोग्राम) था। डॉक्टरों और नर्सों के अनुसार, कैसियन का जन्म अस्पताल के इतिहास में पिछले तीन वर्षों में सबसे भारी बच्चे के रूप में दर्ज हुआ है। यह डिलीवरी सी-सेक्शन के जरिये की गई और सफल रही। राहत की बात यह है कि मां और बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। शेल्बी मार्टिन की कहानी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। वह पहले से ही टिकटॉक पर अपने गर्भावस्था के अनुभव साझा करती रही थीं, जिनमें उनके असाधारण रूप से बड़े बेबी बंप को देखकर लोग हैरान रह जाते थे। उनके एक वीडियो में उन्होंने मज़ाकिया अंदाज में कहा था, 'जब लोग कहते हैं कि उनका बच्चा बड़ा हैज मुझसे बड़ा कोई नहीं जानता। यह वीडियो 44 लाख से अधिक लाइक्स और हजारों कमेंट्स हासिल कर चुका है। कई यूज़र्स ने मजाक में पूछा कि क्या वह 'एक टॉडलर (छोटे बच्चे)' को जन्म देने वाली हैं, जबकि अन्य ने उन्हें हौसला और शुभकामनाएं दीं। हालांकि शेल्बी ने अपने वीडियो में गर्भावस्था के शारीरिक दर्द, भावनात्मक चुनौतियों और मां बनने की खुशी के बारे में भी ईमानदारी से बात की।

टैरिफ से बढ़ेगी चीन और अमेरिका में तनातनी, वैश्विक सप्लाई पर पड़ेगा असर

बीजिंग। अमेरिका द्वारा चीन पर अतिरिक्त 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद बीजिंग ने रविवार को वॉशिंगटन पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया है। इस तनातनी के बीच जानकारों का अनुमान है कि दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ेगा। इससे वैश्वक सप्लाई पर विपरीत असर पड़ेगा, जिससे कई देश प्रभावित होंगे। अमेरिका और चीन के बीच यह नई तनातनी उस समय बढ़ी है जब दोनों देशों के शीर्ष नेता डोनाल्ड ट्रंप और शी जिनपिंग आगामी एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग सम्मेलन में मिलने वाले थे। विश्लेषकों का कहना है कि चीन की यह प्रतिक्रिया संकेत देती है कि बीजिंग भी संभावित प्रतिशोधात्मक कदम पर विचार कर सकता है, जिससे वैश्विक सप्लाई चेन और बाजारों पर असर पड़ सकता है। चीन की ओर से आई इस प्रतिक्रिया में कहा गया कि अमेरिका एक ओर वैश्विक व्यापार में मुक्तता की बात करता है, जबकि दूसरी ओर खुद संरक्षणवादी नीतियों को लागू करता है। उन्होंने कहा, अमेरिका अपने हितों के अनुरूप अंतरराष्ट्रीय नियमों की व्याख्या करता है और जब अन्य देश वही सिद्धांत अपनाते हैं तो उन्हें दोषी ठहराता है।चीन के वाणिज्य मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने बिना नाम बताए कहा, अमेरिकी बयान तथाकथित दोहरे मानदंडों का एक उदाहरण है।

दुर्लभ धातुओं को लेकर चीन का प्रतिबंध पाकिस्तान से अलग? अमेरिका से तनाव के बीच ड्रैगन ने साफ किया रुख

बीजिंग,13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दुर्लभ धातुओं को लेकर चीन और अमेरिका के बीच तनाव जारी है। ऐसे में एक बार फिर सख्ती दिखाते हुए चीन ने ये सपष्ट कर दिया कि उसने दुर्लभ धातुओं और उनकी तकनीकों के निर्यात पर सख्त प्रतिबंध लगाए हैं, लेकिन इसका पाकिस्तान के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इन धातुओं के नमूने देने से कोई संबंध नहीं है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि चीन और पाकिस्तान की दोस्ती मजबूत है और पाकिस्तान के अमेरिका के साथ संबंध बढ़ाने के बावजूद यह दोस्ती बरकरार रहेगी।

बता दें कि चीन ने हाल ही में दुर्लभ पृथ्वी की खनिजों पर अपने नियंत्रण को बढ़ाया है, क्योंकि वह मानता है कि कुछ विदेशी कंपनियां इन धातुओं का सैन्य इस्तेमाल कर रही हैं। चीन विश्व की करीब 70% दुर्लभ धातुओं की खनन क्षमता रखता है और 90% की प्रोसेसिंग करता है, इसलिए यह इन धातुओं का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है।

धातुओं को लेकर इससे पहले अफवाहें चलीं कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख असिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को दिए गए धातु के नमूने दुर्लभ धातुएं हैं। हालांकि अब इस मामले में चीन ने स्पष्ट किया कि ये नमूने जेम के रत्न हैं, दुर्लभ धातुएं नहीं। लिन ने कहा कि चीन और पाकिस्तान की दोस्ती हर मौसम की रणनीतिक साझेदारी है, जो समय की कसौटी पर खरी उतरी है। चीन के प्रतिबंध कानूनी कार्रवाई हैं, जो विश्व शांति, क्षेत्रीय स्थिरता और गैर-प्रसार जैसे अंतरराष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करने के लिए हैं।

गौरतलब है कि यह बयान चीन ने उस वक्त दिया है जब अमेरिका ने चीन के इस कदम पर कड़ा रुख अपनाया है और व्यापारिक टकराव बढ़ने की आशंका जताई है। दूसरी ओर पाकिस्तान और अमेरिका के बीच खनन सहयोग की बातचीत हो रही है और पाकिस्तान ने आश्वासन दिया है कि उसका अमेरिका के साथ व्यापार चीन के हितों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा।

हमले की दूसरी बरसी: प्रेमिका को गोली मारने की घटना नहीं भुला पाए प्रेमी ने दी जान

तेलअवीव,13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

7 अक्टूबर, 2023 को हमास के फिलिस्तीनी लड़ाकों ने गाजा से इजरायल में घुसपैठ की। इन लोगों ने नोवा ओपन-एयर म्यूजिक फेस्टिवल और आसपास के इलाकों पर हमला बोला, जिसमें 378 लोग मारे गए। अक्टूबर 2023 में नोवा म्यूजिक फेस्टिवल में हमास के नरसंहार से बचने के 2 साल बाद उस इजरायली व्यक्ति ने सुसाइड कर लिया, जिसकी प्रेमिका को उसकी आंखों के सामने मार दिया गया था। 30 वर्षीय रोई शालेव का शव दूसरी बरसी के कुछ दिनों बाद उसकी जली हुई कार में मिला। अपनी मृत्यु से कुछ घंटे पहले उसने ऑनलाइन एक मैसेज पोस्ट किया था, जिसमें कहा गया कि वह अब और नहीं जी सकते।

बीते 10 अक्टूबर को हमास हमले की दूसरी बरसी के तीन दिन बाद रोई शालेव ने सोशल मीडिया पर एक संदेश पोस्ट किया, जिसे लेकर उसके दोस्त और परिवार वाले चिंतित हो गए। उन्होंने लिखा, कृपया मुझसे नाराज न हों। कोई भी मुझे कभी नहीं समझेगा और यह ठीक है क्योंकि आप समझ नहीं सकते। मैं बस इस दुख को खत्म करना चाहता हूं। मैं जीवित हूं, लेकिन अंदर सब कुछ मर चुका है। इसके कुछ घंटों बाद उन्हें तेल अवीव में उनकी जलती हुई कार के अंदर मृत पाया गया। उसे आखिरी बार उसी दिन कैन में फ्यूल खरीदते हुए देखा गया था। रोई शालेव की मां उसकी प्रेमिका मपल एडम की बहुत करीब थीं। उन्होंने भी हमास हमले के कुछ दिनों बाद अपनी कार में आग लगाकर आत्महत्या कर ली थी। नरसंहार के दिन शालेव, एडम और उनके सबसे अच्छे दोस्त हिली सोलोमन ने फेस्टिवल पर हमले के दौरान कार के नीचे छिपने की कोशिश की थी। शालेव ने एडम के ऊपर लेटकर उनकी रक्षा करने की कोशिश की और दोनों ने घंटों तक मृत होने का नाटक किया। हालांकि, दोनों को गोली मार दी गई और एडम की मौके पर ही मृत्यु हो गई। मपल एडम की बहन मायान ने अपनी बहन और शालेव की तस्वीर पोस्ट की है। उन्होंने इसके कैप्शन में लिखा, रोई की हत्या तो 7 अक्टूबर को ही हो गई थी मगर कल उन्होंने अलविदा कहा। मेरे पास शब्द नहीं हैं और उन्हें खोजने में समय लगेगा। उम्मीद है कि दोनों अब गले मिल रहे हैं और मुस्कुरा रहे हैं। उनके दिल फिर से एक-दूसरे से जुड़ गए हैं।

परंपरा: दक्षिण कोरिया में जूतों या मछली से पीटते हैं दूल्हा को

सियोल। दुनिया में शादी कुछ परंपराएं ऐसी हैं जो बेहद खतरनाक और अजीब मानी जाती हैं। ऐसी ही एक परंपरा दक्षिण कोरिया की है। इस रस्म में शादी के बाद जब दूल्हा और दुल्हन अपने नए घर पहुंचते हैं, तो दूल्हे के पैरों को रस्सी से बांध दिया जाता है। उसके दोस्त और रिश्तेदार उसे जूतों या मछली से पीटते हैं। यहां की परंपरा को बोक-जोरी या जेओक-चेओल कहा जाता है, जिसका अर्थ है पैर की कोड़ाबंदी। माना जाता है कि इस प्रक्रिया से दूल्हे की सहनशक्ति और शादीशुदा जीवन में मजबूती परखी जाती है। पुराने समय में दुल्हन को दूल्हे को बचाने के लिए पैसा देना पड़ता था। इस रस्म में कभी-कभी दूल्हे को गंभीर चोटें भी लग जाती थीं। हालांकि, अब इसे ज्यादातर हंसी-खुशी और मनोरंजन की रस्म के रूप में निभाया जाता है। सिर्फ दक्षिण कोरिया ही नहीं, दुनिया के अन्य हिस्सों में भी अजीब शादी की परंपराएं मौजूद हैं। स्कॉटलैंड में ब्लैकनिंग रस्म होती है। इसमें दूल्हा और दुल्हन को शादी से पहले सार्वजनिक रूप से सड़क पर ले जाकर कीचड़, सड़े अंडे, आटा, सिरप और पंख फेंके जाते हैं।

फिलीपींस में एक बार फिर आया भूकंप, रिक्टर स्केल पर 5.7 रही तीव्रता

मनीला,13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

फिलीपींस में अभी 10 अक्टूबर को 7.6 तीव्रता से भूकंप आया था। इससे उबरने की कोशिश कर रहा है, जिसने मिंदानाओ क्षेत्र में भारी दहशत और सुनामी अलर्ट पैदा कर दिया था। उस भूकंप की गहराई लगभग 62 किलोमीटर थी, जिसके बाद इंडोनेशिया ने अपने उत्तरी सुलावेसी और पापुआ क्षेत्रों में सुनामी चेतावनी जारी की थी। इस दहशत से बाहर निकलता कि रविवार रात को एक बार फिर धरती हिली। लेयते द्वीप के तट के पास रिक्टर पैमाने पर 5.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण के अनुसार, यह झटका स्थानीय समयानुसार शाम करीब 5:05 बजे आया। भूकंप का केंद्र टाम्बोंगन से करीब 2 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण-पूर्व में और 10 किलोमीटर की गहराई पर था।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, लेयते और सेंट्रल विसायस क्षेत्र में झटके महसूस किए गए, हालांकि अब तक किसी तरह के नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं है। प्रशासन ने बाद के झटकों की संभावना को देखते हुए स्थानीय आपदा प्रबंधन टीमों को सतर्क कर दिया है। इमारतों और पुलों की जांच के लिए टीमें भेजी गई हैं। उससे पहले, फिलीपींस ने पिछले महीने की सबसे घातक भूंकपीय आपदा झेली थी, जब सेबू द्वीप के पास 6.9 तीव्रता के भूकंप ने कम से कम 72 लोगों की जान ले ली थी और सैकड़ों इमारतों को नुकसान पहुंचाया था। जानकारों के अनुसार, फिलीपींस की यह स्थिति भूगर्भीय संरचना के कारण है। यह देश प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर में स्थित है, वह क्षेत्र जहां कई टेक्टोनिक प्लेट्स आपस में टकराती हैं। इन प्लेट्स की हलचल के कारण फिलीपींस दुनिया के सबसे अधिक भूकंप प्रभावित देशों में से एक है। फिलहाल, स्थानीय प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और अफवाहों से बचने की अपील की है, जबकि फिलवॉल्क्स और यूएसजीएस स्थिति की निगरानी में जुटे हुए हैं।

ट्रंप ने पुतिन को दी खुली चेतावनी कहा- युद्ध नहीं रोका तो यूक्रेन को देंगे खतरनाक हथियार

वाशिंगटन,13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

रूस और यूक्रेन की जंग को लंबा समय हो गया है। यहां सैकड़ों लोगों की मौतें हुई हैं और इंफ्रास्ट्रक्चर को भारी नुकसान हुआ है। शांति के प्रयासों के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस को एक बार फिर कड़ी चेतावनी दे डाली है। उन्होंने धमकी वाले अंदाज में स्पष्ट रूप से यह कह दिया है कि अगर रूस जल्द ही युद्ध समाप्त नहीं करता तो वह यूक्रेन पर सबसे खतरनाक हथियार दे सकते है। बता दें कि रूस ने अपने हमले से यूक्रेन में भारी तबाही मचाई है। रूसी हमलों से यूक्रेन के कई पावर ग्रिड ध्वस्त हो गए हैं। जिससे बड़े शहरों में बिजली गुल हो गई है। इस आक्रामक कार्रवाई के बाद से ही ट्रंप बौखलाहट में हैं।

इजराइल के लिए उड़ान भरते समय पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि मैं कह सकता हूं, देखिए अगर यह युद्ध नहीं सुलझता तो मैं यूक्रेन को लंबी दूरी वाली टॉमहॉक मिसाइल भेजूंगा। टॉमहॉक एक अविश्वसनीय हथियार है, जो काफी आक्रामक है। और सच कहूं तो रूस इसका सामना नहीं करना चाहेगा। ट्रंप का यह बयान यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से फोन पर बातचीत के बाद आया है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने उस बातचीत के दौरान टॉमहॉक भेजने की संभावना का जिक्र किया था। उधर, रूस ने भी अमेरिका द्वारा यूक्रेन को टॉमहॉक क्रूज मिसाइलें दिए जाने की संभावना पर भी बेहद चिंता व्यक्त की है। पुतिन ने खुद पहले कहा था कि अमेरिका द्वारा यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलें दिए जाने से मॉस्को और वाशिंगटन के संबंधों को गंभीर नुकसान होगा।वहीं, जेलेंस्की ने ट्रंप के साथ अपनी हालिया बातचीत को बेहद उपयोगी बताया। इसके साथ ही कहा कि दोनों ने यूक्रेन की वायु रक्षा और लंबी दूरी की क्षमताओं को मजबूत करने के साथ-साथ ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित विवरणों पर भी चर्चा की। इधर एक साक्षात्कार में जब जेलेंस्की से पूछा गया कि क्या ट्रंप ने टॉमहॉक मिसाइलों को मंजूरी दे दी है, तो उन्होंने कहा कि हम इस पर काम कर रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा कि मैं ट्रंप के हां कहने का इंतजार कर रहा हूं।

ट्रंप का सेमी-एनुअल फिजिकल टेस्ट..................जाने क्यों चर्चा में हैं ये जांच

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, राजनीति के साथ-साथ अपनी सेहत को लेकर भी हमेशा सुर्खियों में बने रहे हैं। हाल ही में उनका सेमी-एनुअल फिजिकल यानी साल में दो बार होने वाला मेडिकल चेकअप फिर चर्चा का केंद्र बन गया है। डॉक्टर ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप का दिल उनकी उम्र से 14 साल अधिक जवान हैं। सवाल यह है कि क्या यह कोई खास टेस्ट है या एक साधारण रुटीन जांच असलियत यह है कि सेमी-एनुअल फिजिकल कोई एक टेस्ट नहीं, बल्कि पूरा स्वास्थ्य मूल्यांकन होता है, जो यह सुनिश्चित करता है कि कोई शख्स मानसिक और शारीरिक रूप से सक्षम है या नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति या शीर्ष पद पर बैठे नेताओं की मेडिकल पारदर्शिता हमेशा से एक परंपरा रही है। जनता को भरोसा दिलाने के लिए व्हाइट हाउस डॉक्टर उनके वजन, दिल की धड़कन, ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल, यहां तक कि याददाश्त और निर्णय लेने की क्षमता तक की जांच करते हैं। ट्रंप, जो अब 79 के हैं, ऐसी रिपोर्ट्स जारी कर यह संदेश देना चाहते हैं - मैं पूरी तरह फिट हूं। सेमी-एनुअल फिजिकल को लेकर इंटरनेट पर कई तरह की अटकलें हैं, कुछ लोग गुप्त न्यूरोलॉजिकल टेस्ट मानते हैं, कुछ इस जांच को बीमारी छिपाने का तरीका समझते हैं।

कनाडा के साथ संबंधों को पटरी पर लाने के लिए सकारात्मक सोच से काम कर रहा है भारत: जयशंकर

नई दिल्ली 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने कहा है कि भारत और कनाड़ा के बीच द्विपक्षीय संबंधों में लगातार प्रगति हो रही है और भारत संबंधों को फिर से पटरी पर लाने के लिए सकारात्मक सोच से आगे बढ रहा है। भारत और कनाड़ा के विदेश मंत्रियों ने सोमवार को यहां विस्तार से बैठक की और व्यापार, निवेश, कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, असैन्य परमाणु सहयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, महत्वपूर्ण खनिजों और ऊर्जा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत की तीन दिन की यात्रा पर आई कनाड़ा की विदेश मंत्री अनीता आनंद और विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने द्विपक्षीय संबंधों पर विस्तार से बातचीत की। उन्होंने कहा कि भारत का दृष्टिकोण सकारात्मक सोच के साथ आगे बढना है।

डा. जयशंकर ने वार्ता के दौरान अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा कि पिछले कुछ महीनों में भारत-कनाडा द्विपक्षीय संबंधों में लगातार प्रगति हुई है। उन्होंने कहा, हम अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक तंत्रों को फिर से स्थापित और सक्रिय करने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री कनाड़ा के प्रधानमंत्री कार्नी के साथ कनानसकीस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुलाकात का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी की बात को दोहराया और कहा कि भारत का दृष्टिकोण सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना है। विदेश मंत्री ने कहा कि आज सुबह प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात के दौरान भी आपको भारत के दृष्टिकोण और उसे साकार करने की सकारात्मक सोच का पता चला होगा।

उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने व्यापार, निवेश, कृषि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, असैन्य परमाणु सहयोग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, महत्वपूर्ण खनिजों और ऊर्जा सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वाकांक्षी रोडमैप तैयार किया है।

डा.जयशंकर ने कनाड़ाई विदेश मंत्री के साथ मिलकर संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की दिशा में काम करने की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि विदेश मंत्री के रूप में उन दोनों की ज़िम्मेदारी परस्पर सहयोग को मजबूत बनाने की प्रक्रिया का नेतृत्व करना और यह सुनिश्चित करना है कि यह दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की अपेक्षाओं और लोगों के हितों पर खरा उतरे। उन्होंने कहा, मैं आपके साथ मिलकर काम करते हुए ऐसा करने के लिए उत्सुक हूं।

कनाड़ा और भारत के बीच पिछले कुछ महीनों में विभिन्न स्तर पर हुई बातचीत का उल्लेख करते हुए विदेश मंत्री ने कहा , जब हम कनाडा को देखते हैं, तो हमें एक पूरक अर्थव्यवस्था, एक खुला समाज, विविधता और बहुलवाद दिखाई देता है, और हमारा मानना है कि यही एक घनिष्ठ, टिकाऊ और दीर्घकालिक सहयोगात्मक ढाँचे का आधार है।

कनाड़ा और भारत के बीच विभिन्न वैश्विक मंचों पर सक्रिय साझेदारी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा , भारत और कनाडा लंबे समय से विश्व मामलों में सक्रिय रहे हैं। हम जी-20 और राष्ट्रमंडल के सदस्य हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हमारा समन्व्य उल्लेखनीय है। हम प्रभावी बहुपक्षवाद, जलवायु कार्रवाई और सतत विकास लक्ष्य एजेंडा 2030 के प्रबल समर्थक हैं। हम बढ़ती व्यापकता और गहराई वाली मज़बूत साझेदारियों से अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को जोखिम-मुक्त करना चाहते हैं। यह यात्रा वैश्विक परिदृश्य की समीक्षा करने और विचारों के आदान-प्रदान का अवसर प्रदान करती है।

बिहार विधानसभा के दूसरे चरण के चुनाव के लिए जारी हुई अधिसूचना

नई दिल्ली 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

चुनाव आयोग ने बिहार में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण की 122 सीटों तथा सात अन्य राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेश की आठ सीटों के लिए सोमवार को अधिसूचना जारी कर दी।

इसी के साथ पंजाब के तरनतारन, राजस्थान के अंता, ओडिशा के नुआपारा, झारखंड के घाटशिला, तेलंगाना के जुबली हिल्स, मिजोरम के डम्पा और केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर विधानसभा की नगरोटा व बडगांव की रिक़्त सीटों के उपचुनावों के लिए भी अलग-अलग अधिसूचना जारी की गयी हैं।

,बिहार में विधानसभा की कुल 243 सीटों के लिए दो चरणों में छह और 11 नवंबर को चुनाव कराये जायेंगे। बिहार में दूसरे चरण के चुनाव के साथ ही पंजाब, राजस्थान, ओडिशा, झारखंड,तेलंगाना, मिजोरम तथा जम्मू- कश्मीर के विधानसभा के उपचनाव 11 नवंबर को कराये जाने हैं।

इन सभी चुनाव की मतगणना 14 नवंबर को करायी जाएगी। अधिसूचनायें जारी होने के साथ ही बिहार की दूसरे चरण के चुनाव और अन्य राज्यों के उपचुनावों के लिए प्रत्याशियों के नामांकन की प्रक्रिया भी आज से शुरु हो जाएगी।

एनएचआरसी ने गुजरात में दो श्रमिकों की मौत का स्वत: संज्ञान लिया

नई दिल्ली 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने गुजरात अहमदाबाद में एक विज्ञापन होर्डिंग गिरने से दो श्रमिकों की मौत और एक अन्य के गंभीर रूप से घायल होने की घटना का स्वतः संज्ञान लिया है।

एनएचआरसी ने सोमवार को बताया कि इस मामले में आयोग ने गुजरात सरकार के मुख्य सचिव और अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

उन्होंने कहा कि आयोग ने उस मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लिया है जिसमें कहा गया है कि अहमदाबाद के बोपल क्षेत्र में 27 सितंबर को एक सात मंजिला इमारत की छत से एक विज्ञापन होर्डिंग गिरने से दो श्रमिकों की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया।

आयोग ने पाया है कि मीडिया रिपोर्ट की सामग्री यदि सत्य है तो मानवाधिकार उल्लंघन का यह एक गंभीर मामला है इसलिए मुख्य सचिव और अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

उन्होंने कहा कि 29 सितंबर को प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट के अनुसार लगभग 15 मज़दूर एक आवासीय इमारत पर लगभग 80 फीट ऊपर एक होर्डिंग लगा रहे थे तभी वह गिर गई।

नीचे गिरे 10 मज़दूरों में से दो की मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया और सात अन्य को मामूली चोटें आईं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

जम्मू कश्मीर राज्यसभा चुनाव

भाजपा प्रत्याशियों ने दाखिल किया नामांकन

बडगाम व नगरोटा में विधानसभा उपचुनाव 11 नवंबर को

जम्मू, 13 अक्टूबर (ब्यूरो)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को 24 अक्टूबर को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल कर दिया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सतपाल शर्मा, डॉ. अली मुहम्मद मीर और राकेश महाजन ने श्रीनगर स्थित विधानसभा सचिवालय परिसर में अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, राज्यसभा सांसद गुलाम अली खटाना, विपक्ष के नेता सुनील शर्मा और पार्टी के कई विधायक मौजूद थे।

राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन भरने से पहले आज भाजपा और नेकां नेताओं के बीच छिड़े वाकयुद्ध के कारण राजनीतिक माहौल गर्मा गया। दोनों दलों के नेताओं ने एक दूसरे को कठपुतली करार दिया था। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता सुनील शर्मा ने कांग्रेस पर कड़ा प्रहार करते हुए उस पर पूरी तरह से नेशनल कांफ्रेंस के अधीन होने और केंद्र शासित प्रदेश में किसी भी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान का अभाव होने का आरोप लगाया। भाजपा पर पलटवार करते हुए, उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने कहा कि जम्मू कश्मीर में भाजपा नेताओं ने खुद को नई दिल्ली की कठपुतली बना लिया है और ऐसा लगता है कि महबूबा मुफ़्ती भी उनके सुर में सुर मिला रही हैं।

एनसीपी के नेता एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि आगामी राज्यसभा चुनाव स्पष्ट रूप से यह उजागर कर देगा कि कौन से राजनीतिक दल और विधायक भाजपा के साथ हैं और कौन वास्तव में विपक्ष में हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने राज्यसभा चुनाव में भाजपा पर आरोप लगाया कि उसके पास बहुमत नहीं है, फिर भी वह एजेंसियों, धनबल और दबाव के जरिए सीटें जीतने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा के पास केवल 28 विधायक हैं, ऐसे में अगर वह 3 सीटें जीतती है तो यह खरीद-फरोख्त का साफ संकेत होगा।

दूसरी तरफ, राष्ट्रीय चुनाव आयोग ने जम्मू कश्मीर की दो रिक्त विधानसभा सीटों, बडगाम और नगरोटा के लिए उपचुनावों की तारीख की घोषणा कर दी है। दोनों सीटों के लिए मतदान 11 नवंबर, 2025 को होगा। चुनाव आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, मतदान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा। पूरी चुनाव प्रक्रिया 16 नवंबर से पहले पूरी हो जाएगी। बडगाम निर्वाचन क्षेत्र मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के इस्तीफे के बाद खाली हुआ था, जबकि नगरोटा सीट वरिष्ठ नेता देवेंद्र सिंह राणा के निधन के बाद खाली हुई थी। घोषित कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर है, जिसके बाद 22 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी। उम्मीदवार 24 अक्टूबर तक अपना नामांकन वापस ले सकते हैं।

बौद्ध भिक्षु 19वें कुशोक बकुला रिनपोछे के लद्दाख को है सरकार से मरहम का इंतजार : कांग्रेस

नई दिल्ली 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस ने कहा है कि जिस मंगोलिया के राष्ट्रपति उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मंडल के साथ राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में है वहां के लोगों में लद्दाख के बौद्ध भिक्षु 19वें कुशोक बकुला रिनपोछे अत्यंत लोकप्रिय हैं लेकिन उनका लद्दाख इन दिनों उद्वेलित है और सरकार से मरहम की प्रतीक्षा में है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जय राम रमेश मंगोलिया के राष्ट्रपति की भारत यात्रा का जिक्र करते हुए लद्दाख का मुद्दा उठाया और कहा कि केंद्र सरकार को लद्दाख के लोगों की मांग पर विचार कर उनकी समस्या का समाधान करना चाहिए।

उन्होंने कहा, मंगोलिया के राष्ट्रपति आज एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ नई दिल्ली पहुंच चुके हैं।

भारत और मंगोलिया के बीच राजनयिक संबंध वर्ष दिसंबर 1955 में स्थापित हुए थे। भारत ने अक्टूबर 1961 में मंगोलिया को संयुक्त राष्ट्र में शामिल कराने में अहम भूमिका निभाई थी। इस रिश्ते में निर्णायक मोड़ तब आया जब प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने अक्टूबर 1989 में लद्दाख के अत्यंत लोकप्रिय एवं सम्मानित बौद्ध भिक्षु 19वें कुशोक बकुला रिनपोछे को मंगोलिया में भारत का राजदूत नियुक्त किया। उन्होंने जनवरी 1990 में पदभार संभाला और असामान्य रूप से दस वर्षों तक वहाँ भारत के राजदूत रहे।

श्री रमेश ने कहा कि 1990 में साम्यवाद के पतन के बाद मंगोलिया को उसकी बौद्ध विरासत से दोबारा जोड़ने और उसे पुनर्जीवित करने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। मंगोलिया में आज भी उन्हें एक प्रतिष्ठित व्यक्तित्व के रूप में सम्मानपूर्वक स्मरण किया जाता है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा कुशोक बकुला रिनपोछे का सम्मान किया है और यही वजह है कि 20 जून 2005 को प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने लेह हवाई अड्डे का नाम बदलकर कुशोक बकुला रिनपोछे हवाई अड्डा रखा और उन्हें आधुनिक लद्दाख के शिल्पकार के रूप में सम्मानित किया। बौद्ध धर्म का पुनर्जागरण- न केवल मंगोलिया और पूर्व सोवियत संघ में, बल्कि भारत में भी -काफ़ी हद तक उनके प्रयासों का परिणाम है।

कांग्रेस नेता ने कहा, आज 19वें कुशोक बकुला रिनपोछे का लद्दाख देश से मरहम की प्रतीक्षा कर रहा है, ख़ास तौर पर उस पार्टी के नेतृत्व से जिसने 2020 के स्थानीय हिल काउंसिल चुनावों के अपने घोषणापत्र में छठी अनुसूची के तहत संवैधानिक सुरक्षा का वादा किया था,लेकिन अब वह सत्ता में हो कर उसे पूरा करने से पीछे हट रही है।

स्कूली छात्र करेंगे विकसित और समृद्ध भारत का निर्माण : धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 2047 तक विकसित भारत का सपना 'विकसित भारत बिल्डथॉन' (वीबीबी) जैसे परिवर्तनकारी प्रयासों के माध्यम से साकार होगा और हमारे प्रतिभाशाली स्कूली छात्र एक विकसित एवं समृद्ध भारत का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

श्री प्रधान ने आज यहां विकसित भारत बिल्डथॉन (वीबीबी) 2025 का उद्घाटन करते हुये अपने संबोधन में इस विशाल स्कूल नवाचार पहल में उत्साहपूर्वक भागीदारी के लिए देश भर के तीन लाख से अधिक स्कूलों और प्रतिभागी छात्रों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

कट्टरपंथियों ने हिंदू युवक को गला रेत कर मार डाला

नफीस, अब्दुल, असद समेत 8 गिरफ्तार

अलीगढ़, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के जवां थाना क्षेत्र में 18 साल के युवक करन सिंह पुत्र मेघ सिंह की कुछ मुस्लिम युवकों ने बेरहमी से चाकू मार कर हत्या कर दी। यह हत्या तब हुई जब करन ने एक बीमार मुस्लिम महिला की मदद की थी, जो उन्हें नागवार गुजरी।

करन नोएडा में मजदूरी करता था और छुट्टी लेकर घर आया था। तेजपुर में एक बीमार मुस्लिम महिला को नर्सिंग होम से दवा दिलाने से कट्टरपंथियों को मिर्ची लग गई। उन्होंने करन को अगवा कर लिया और एक खंडहर में ले जाकर उसका गला रेत डाला। घटना की सूचना पुलिस को रात 12 बजे मिली। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और इलाके में तनाव को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। मृतक के परिवार और स्थानीय लोगों ने थाने का घेराव कर हंगामा किया।

पुलिस ने कुछ ही घंटों में हत्या में शामिल नफीस खान, शमशाद खान, असद खान, इदरीस समेत आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ जारी है और कानूनी कार्रवाई के बाद उन्हें जेल भेजा जाएगा।

मोदी ने मजबूत हो रही अर्थव्यवस्था के आत्मविश्वास पर पुरी का लेख किया साझा

नई दिल्ली 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का एक लेख साझा किया है जिसमें व्यापकता, कौशल और आत्मनिर्भरता के माध्यम से विकास के प्रति भारत के विशिष्ट दृष्टिकोण का उल्लेख किया गया है।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर उनका लेख साझा करते हुए लिखा, ' श्री पुरी ने इस लेख में इस बात पर प्रकाश डाला है कि जहां विकसित देश सीमित हो रहे हैं वहीं भारत व्यापकता, कौशल और आत्मनिर्भरता के माध्यम से एक अलग रास्ता अपना रहा है।

उन्होंने कहा कि सुधार, डिजिटल नवाचार और युवा कार्यबल भारत को विश्व के विकास इंजन के रूप में उभरने में सहायता कर रहे हैं।'

श्री पुरी ने एक अंग्रेजी दैनिक में लिखा 'जैसे पूरे भारत में दीपक जलाए जाते हैं, रामायण का एक कालातीत दृश्य हमारे वर्तमान को बयां करता है।

हनुमान अपनी ताकत के बारे में अनिश्चित होकर समुद्र के किनारे खड़े हैं, जब तक जाम्बवंत उन्हें याद नहीं दिलाते कि उनके पास क्या है। इसके बाद जो छलांग लगती है वह कोई चमत्कार नहीं है बल्कि आत्म-विश्वास का प्रदर्शन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय अर्थव्यवस्था को इसी के लिए तैयार कर रहे हैं - एक ऐसी अर्थव्यवस्था जो वैश्विक उथल-पुथल से उबरने के लिए अपने आंतरिक शक्ति जुटा रही है। जैसे-जैसे दुनिया नये वीजा बाधाओं और टैरिफ के कारण सिमट रही है, वहीं श्री मोदी के नेतृत्व में भारत अपने आत्मविश्वास को व्यापक रूप देकर प्रतिकूल परिस्थितियों में आगे बढ रहा है।

मां के किरदार की पहली पसंद थीं निरूपा रॉय

300 से ज्यादा फिल्मों में किया अभिनय

बॉलीवुड की दुनिया में कुछ चेहरे ऐसे होते हैं जो अपनी अदाकारी से दिलों में अमिट छाप छोड़ जाते हैं। ऐसी ही एक मशहूर अभिनेत्री थीं निरूपा रॉय, जिन्हें हम सब 'बॉलीवुड की मां' के नाम से जानते हैं। उनकी मां वाली भूमिका ने उन्हें घर-घर पहचान दिलाई और वे हर दर्शक के लिए 'मां' बन गईं। 1975 में रिलीज हुई फिल्म 'दीवार' में अमिताभ बच्चन की मां का रोल निभाकर उन्होंने अपनी खास पहचान बनाई। उस वक्त से लेकर अपने करियर के अंत तक, निरूपा रॉय ने मां के किरदार को ही अपनाया और बॉलीवुड में अपनी एक अलग जगह बनाई। निरूपा रॉय का जन्म 4 जनवरी 1931 को गुजरात के वलसाड में हुआ था। उनका असली नाम कांता चौहान था। महज 14 साल की उम्र में उनकी शादी कर दी गई। शादी के बाद वे अपने पति कमल रॉय के साथ मुंबई आ गईं। कमल रॉय का सपना था कि वे फिल्मों में एक्टर बनें, लेकिन उनके प्रयासों में उन्हें सफलता नहीं मिली। एक दिन कमल रॉय ने अपनी पत्नी के लिए भी फिल्मी करियर में संभावनाओं के बारे में सोचा और दोनों ने एक गुजराती फिल्म 'रणकदेवी' के लिए ऑडिशन दिया। जहां कमल को रिजेक्ट कर दिया गया, लेकिन निरूपा को लीड रोल ऑफर हुआ। इसी के साथ उनका फिल्मी सफर शुरू हुआ।

शुरुआती दौर में निरूपा ने ज्यादातर धार्मिक और ऐतिहासिक फिल्मों में काम किया। वह 'हर हर महादेव', 'रानी रूपमती', और 'नागपंचमी' जैसी फिल्मों में देवी के रोल में नजर आईं। इन किरदारों की वजह से दर्शक उन्हें देवी मानने लगे थे। धीरे-धीरे उन्होंने हिंदी सिनेमा में अपनी जगह बनाई और सामाजिक फिल्मों में भी काम किया। उनकी फिल्म 'दो बीघा जमीन' को फिल्म इतिहास में एक मील का पत्थर माना जाता है, जिसमें उन्होंने शानदार अभिनय किया था।

लेकिन उनकी सबसे बड़ी पहचान 'मां' के किरदार से आई। 1975 में आई फिल्म 'दीवार' में अमिताभ बच्चन के साथ मां का रोल निभाकर वे सबके दिलों में अपनी जगह बना गईं। उस वक्त से लेकर 1990 के दशक तक उन्होंने कई फिल्मों में मां के किरदार निभाए। 'अमर अकबर एंथोनी', 'खून पसीना', 'मुकद्दर का सिकंदर', 'सुहाग', 'इंकलाब', 'गिरफ्तार', 'मर्द', और 'गंगा-जमुना-सरस्वती' जैसी फिल्मों में निरूपा रॉय ने अमिताभ बच्चन की मां के रूप में यादगार भूमिका निभाई। उनकी मां वाली भूमिका इतनी प्रभावशाली थी कि उन्हें बॉलीवुड की 'क्वीन ऑफ मिसरी' भी कहा जाता था। निरूपा रॉय का फिल्मी करियर लगभग पांच दशकों तक चला, और इस दौरान उन्होंने करीब 300 फिल्मों में काम किया। शुरुआत में वह लीड एक्ट्रेस के रूप में काम करती थीं, लेकिन मां के किरदार ने उन्हें अलग पहचान और सम्मान दिलाया। उन्होंने अपने किरदारों में जो ममता, दर्द और प्यार दिखाया, वह हर दिल को छू गया। इसके लिए उन्हें 2004 में फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से भी सम्मानित किया गया। 13 अक्टूबर 2004 को निरूपा रॉय का निधन हो गया, लेकिन उनकी मां वाली भूमिका आज भी भारतीय सिनेमा में एक मिसाल के तौर पर याद की जाती है।

अध्याश्री-सुकृति बनीं 'सुपर डांसर चैप्टर 5' की विनर, मिलकर उठाई ट्रॉफी

सुपर डांसर चैप्टर 5' ने शुरू से ही दर्शकों को एंटरटेन किया और उन्हें अपने साथ जोड़े रखा। इस सीजन में भारत के कुछ सबसे टैलेंटेड डांसर थे, जिनकी सोशल मीडिया पर पहले से ही बड़े फैन फॉलोइंग हैं, इसलिए डांस मुकाबला बहुत ही रोमांचक रहा। फिनाले से पहले तक अंदाजा लगाना आसान नहीं था कि कौन सुपर डांसर की ट्रॉफी जीतकर घर लौटेगा। हफ्ते-दर-हफ्ते हर कंटेस्टेंट ने अपनी परफॉर्मेंस से भारत को मंत्रमुग्ध किया, लेकिन अंत में अध्याश्री और सुकृति ने मिलकर ट्रॉफी जीत ली।

'सुपर डांसर चैप्टर 5' के टॉप छह फाइनलिस्ट्स में अप्सरा, अध्याश्री, सुकृति, अदिति, सोमान्श और नमीष शामिल थे, जिनके युनिका डांस और स्टाइल ने लोगों को काफी इंप्रेस किया। आज उनकी सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है। जजेस की बात करें तो बॉलीवुड के लीजेंड और भारत के सबसे पसंदीदा डांसरों में से एक गोविंदा जजेस पैनल में शामिल थे। उन्हें शो के मंच पर शिल्पा शेट्टी, गीता कपूर और मार्ज़ी पेस्टोंजी का साथ मिला।

अध्याश्री ने ट्रॉफी जीतने के बाद कहा, 'सुपर डांसर ने मुझे मंच दिया जहां मैं कुछ बेहतरीन डांसरों और बड़े बॉलीवुड सेलेब्स के सामने परफॉर्म कर सकी। मैंने पूरे सफर का मजा लिया और ट्रॉफी जीतना मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि है। मैं सभी का धन्यवाद करती हूं जिन्होंने मेरा समर्थन किया, खासकर मेरी मां का, जिनके लगातार सपोर्ट ने मुझे अपना बेहतरीन देने के लिए प्रेरित किया।'

कृष्णा श्रॉफ का बोल्ड और एलीगेंट अंदाज

लैक्मे फैशन वीक में दिखीं असली कूट्योर क्वीन की झलक

लैक्मे फ़ैशन वीक में कृष्णा श्रॉफ़ ने अपने खास अंदाज़ और फ़ैशन-फ़ॉरवर्ड एलीगेंस के साथ सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। वे डिज़ाइनर जोड़ी शान्तनु और निकिल की बहुप्रतीक्षित पहली वुमेन्स कूट्योर लाइन वेलोरा के लॉन्च पर नज़र आईं। फैशन-प्रेमी फ़िटनेस आइकॉन और एंटरप्रेन्योर कृष्णा ने वेलोरा कलेक्शन की ही एक शानदार ड्रेस पहनी थी - एक झिलमिलाती मेटालिक गाउन, जो आधुनिक ड्रामा और टाइमलेस सोफिस्टिकेशन का खूबसूरत संगम थी। यह स्ट्रैपलेस गाउन काले पंखों जैसे टेक्सचर वाले बॉडिस से शुरू होकर नीचे की ओर मेटालिक, चैनमेल-जैसे कपड़े में लहरातीहुई दिखी। जो हर कदम के साथ रोशनी को अद्भुत ढंग से प्रतिबिंबित कर रही थी। ऊपरी हिस्से की कोमल, लगभग जैविक बनावट और निचले हिस्से की कवच-सी चमक के बीच का यह विरोधाभास एक शक्तिशाली और ग्लैमरस दृश्य प्रस्तुत कर रहा था - जैसे किसी आधुनिक योद्धा की झलक और बेहद आकर्षक दोनों था। कृष्णा का स्टाइलिंग सेंस इस लुक को और भी ऊँचाई पर ले गया। उनके बालों को हल्के, उभरे हुए वेव्स में सेट किया गया था, जो उनके चेहरे को खूबसूरती से फ्रेम कर रहे थे - इस पूरे लुक में पुरानी हॉलीवुड-ग्लैमर की झलक देते हुए। मेकअप बेहद सटीक था - न्यूड लिप्स, शार्प कॉन्टूरिंग और सॉफ्ट आई मेकअप, ताकि पोशाक केंद्र में रहे, फिर भी उनकी प्राकृतिक सुंदरता उभरकर दिखे।

इस लुक को पूरा किया लॉन्ग डायमंड ईयररिंग्स और चंकी बैंगल-स्टाइल ब्रेसलेट ने, जो गाउन के आर्किटेक्चरल डिज़ाइन के साथ सामंजस्य बिठाते हुए सही मात्रा में चमक जोड़ रहे थे। कुल मिलाकर यह लुक पावरफुल, परिष्कृत, बोल्ड और एलिगेंट था - वही संतुलन जो कृष्णा श्रॉफ़ के व्यक्तिगत स्टाइल को परिभाषित करता है।कूट्योर लाइन के इस लॉन्च पर कृष्णा की मौजूदगी वास्तव में "Velora' कलेक्शन की आत्मा का प्रतीक थी।

अपने ही घर में सुरक्षित महसूस नहीं कर रहीं संगीता बिजलानी

65 साल की हसीना और कभी सलमान खान संग रिश्ते को लेकर फेमस होने वाली अदाकारा संगीता बिजलानी भले ही पर्दे से दूर हैं, लेकिन अपनी ग्लैमरस अदाओं से सुर्खियों बटोरती रहती हैं। संगीता बिजलानी को भी खान परिवार के हर फंक्शन में देखा जाता है, लेकिन अब एक्ट्रेस के अपने फार्महाउस पर हुई चोरी पर खुलकर बात है। उन्होंने बताया कि वो बहुत अनसेफ महसूस कर रही हैं। अभिनेत्री संगीता बिजलानी को शनिवार को पुणे में एक पुरस्कार समारोह में देखा गया, जहां उन्होंने महिला सुरक्षा, बढ़ती चोरी की वारदात और क्या सेफ्टी फीचर्स होने चाहिए जैसे मुद्दों को लेकर अपनी राय रखी। संगीता बिजलानी ने उनके फार्महाउस पर हुई चोरी पर बात करते हुए कहा, मैंने पुणे के एसपी संदीप सिंह गिल से मुलाकात की है। मैं उनसे मिलने ख़ास तौर पर पुणे आई थी ताकि उनसे मिलकर जल्दी से जांच का अनुरोध कर सकूं, क्योंकि मेरे घर पर चोरी हुई है। एक महिला होने के नाते मैं अपने ही घर में अनसेफ महसूस कर रही हूं। वहां मैं 20 साल से रह रही हूं, वो मेरा घर है। ऐसा पहली बार हुआ है जब मैं असुरक्षित महसूस कर रही हूं।

एक्ट्रेस ने आगे कहा, ये सब सिर्फ मेरे नहीं बल्कि पावना के सभी लोगों के लिए है। वहां के सभी लोग अपने बच्चों और माता-पिता के साथ रहते हैं, ऐसे में उस जगह का सुरक्षित होना बहुत जरूरी है। सेफ्टी को लेकर संगीता बिजलानी ने कहा कि अधिकारियों को वहां सीसीटीवी कैमरे लगाने चाहिए, क्योंकि वहां का कुछ एरिया काफी डार्क है। वहां सभी लोग छुट्टियों के समय जाते हैं, पुलिस को रोजाना वहां पेट्रोलिंग करनी चाहिए और माहौल को खराब करने वाले लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी करनी चाहिए। इन्हीं बातों को लेकर मैं आज एसपी संदीप सिंह गिल से मिलने के लिए आई हूं।

उन्होंने बताया कि फार्महाउस के आसपास के एरिया में फायर ब्रिगेड का ऑफिस भी नहीं है। फार्महाउस तक पहुंचने के लिए फायर ब्रिगेड को 3 से 4 घंटे लगे थे।

बता दें कि जुलाई में एक्ट्रेस के पावना स्थिति फॉर्म हाउस पर चोरी हुई थी। चोरों ने फॉर्महाउस के मेन गेट और खिड़की को तोड़ दिया था और घर के अंदर से रेफ्रिजरेटर, टीवी सेट, बेड, और सीसीटीवी कैमरे के साथ तोड़फोड़ और कई कीमती सामान भी गायब कर दिए थे। संगीता बिजलानी छुट्टियां बिताने के लिए ही फार्महाउस जाती है, लेकिन पिता की खराब तबीयत के चलते वहां उनका जाना कम हो गया है और वो फार्महाउस का ध्यान नहीं रख पा रही हैं। एक्ट्रेस ने मामले की शिकायत पुणे के पुलिस स्टेशन में की थी, लेकिन मामले पर अभी तक कोई अपडेट नहीं आया है।

रजा मुराद ने याद किए अपने यादगार किरदार

हिंदी सिनेमा के वरिष्ठ अभिनेता रजा मुराद ने अपने शानदार अभिनय से दशकों तक दर्शकों के दिलों पर राज किया है। रविवार को उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए अपने पुराने किरदारों को याद किया। रजा मुराद ने इंस्टाग्राम पर एक मोंटाज वीडियो शेयर किया, जिसमें उनके मशहूर किरदारों की झलकियां दिखाई गईं। इस वीडियो को कैप्शन देते हुए उन्होंने लिखा, मेरे कुछ यादगार सीन और किरदारों की झलकियां, जिनमें मेरे सह कलाकारों के साथ खास पल भी शामिल हैं। रजा मुराद का यह वीडियो प्रशंसकों के लिए किसी सिनेमाई खजाने से कम नहीं है। सोशल मीडिया पर उनके पोस्ट को देखकर प्रशंसक पुरानी यादों में खो गए और कमेंट सेक्शन पर उनकी तारीफ कर रहे हैं।रजा मुराद अपनी दमदार आवाज और प्रभावशाली अभिनय के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कई बॉलीवुड फिल्मों जैसे 'पद्मावत', 'बाजीराव मस्तानी' और 'जोधा अकबर' में यादगार किरदार निभाए हैं।रजा मुराद ने अपने करियर में 'बॉबी', 'प्रेम रोग', 'राम तेरी गंगा मैली', 'हिना', 'नमक हराम', 'राम लखन', और 'एक नजर' जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। उनकी दमदार आवाज और अभिनय की बारीकियां हर किरदार को जीवंत बना देती हैं। चाहे नकारात्मक किरदार हों या सहायक भूमिकाएं, रजा मुराद ने हर रोल में अपनी छाप छोड़ी।

दीपावली से पहले खरीदारी का महा मुहूर्त

दीपावली पर महालक्ष्मी पूजन से 7 दिन पहले खरीदी का महा मुहूर्त पुष्य नक्षत्र 14 एवं 15 अक्टूबर को 24 घंटे 6 मिनिट रहेगा। खरीदी के इस महा मुहूर्त पर सिद्ध और साध्य योग रहेगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि नक्षत्रों का राजा पुष्य मंगलवार को दिवस पर्यंत एवं बुधवार को उदयातिथि में रहने से चल-अचल संपत्ति की खरीदी स्थाई फल प्रदान करेंगी। इस दौरान सोना-चांदी, भूमि-भवन, वाहन के साथ ही अन्य चल-अचल संपत्ति कल्याणकारी रहेगी। इस अवसर पर शहर के नए-पुराने बाजारों में खरीदार उमड़ेंगे। इस योग में खरीदारी और नई शुरुआत करना शुभ माना जाता है। हर साल दीपावली से करीब 7 दिन पहले पुष्य नक्षत्र आता है। इसी दिन से दीपावली की खरीदारी भी शुरू हो जाती है। नया काम या बिजनेस भी शुरू किया जाता है।

पंचांग के अनुसार 14 अक्टूबर को दोपहर 11:54 से 15 अक्टूबर को दोपहर 11:59 बजे तक पुष्य नक्षत्र का योग रहेगा। इतने शुभ योग के प्रभाव से लंबे समय तक धन लाभ, सुख और समृद्धि मिलेगी। इस संयोग में सोना-चांदी, बर्तन, कपड़े, फर्नीचर, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक सामान, व्हीकल और प्रॉपर्टी की खरीदारी कर सकते हैं। रियल एस्टेट में किया निवेश भी लंबे समय तक फायदा देने वाला रहेगा। बिजनेस के बड़े सौदों के लिए भी यह दिन फायदेमंद रहेगा। पुष्य नक्षत्रों को नक्षत्रों का राजा बताया गया है। इस नक्षत्र में सोना और चांदी की खरीदी को सबसे शुभ माना जाता है जो सुख-समृद्धि की देवी महालक्ष्मी के आगमन का प्रतीक है। साथ ही जमीन, मकान और वाहन की खरीदारी भी लाभकारी मानी गई है। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक सामग्री एवं वाहन के साथ ही घरेलू उपयोगी सामग्री की खरीदारी भी समृद्धि दायक बताई गई।

नक्षत्र का स्वामी शनि और इसके देवता बृहस्पति होते हैं। ये दोनों ग्रह अच्छी स्थिति में है। इन ग्रहों के प्रभाव से सोना-चांदी, मशीनरी और रियल एस्टेट में बड़े निवेश होने की उम्मीद है। इस शुभ योग में किए गए इन्वेस्टमेंट से आने वाले दिनों में बड़ा फायदा होने

की संभावना है। ग्रह-स्थिति के मुताबिक शेयर मार्केट में गिरावट होने की आशंका है। ऐसे समय में किया गया निवेश आने वाले दिनों में बड़ा फायदा दे सकता है। पुष्य नक्षत्र में किए गए काम दोषमुक्त होते हैं और जल्दी ही सफल हो जाते हैं। रविवार और गुरुवार को पड़ने वाला पुष्य नक्षत्र बेहद शुभदायक माना जाता है। पुष्य अन्ध नक्षत्र है। इस नक्षत्र में खोई हुई चीज जल्दी मिल भी जाती है।

नए काम और व्यापार की शुरुआत करने के लिए गुरु पुष्य नक्षत्र का सबसे शुभ माना गया है। इस दिन प्रॉपट्री, नया घर या गृह प्रवेश के लिए शुभ माना जाता है। पुष्य नक्षत्र पर गुरु, शनि और चंद्रमा का प्रभाव सबसे ज्यादा रहता है। ऐसे में इस दिन सोना-चांदी खरीदना शुभ माना जाता है। इस दिन आभूषण और पीपल के बर्तन खरीदने का महत्व होता है। गुरु पुष्य नक्षत्र में छोटे बच्चों को विद्यारंभ करवाना अच्छा माना जाता है।

नक्षत्रों का राजा है पुष्य

27 नक्षत्रों में आठवां नक्षत्र है पुष्य। इसे नक्षत्रों का राजा भी माना जाता है। यह धन, यश और वैभव का प्रतीक है, इसलिए पुष्य नक्षत्र में शुभ कामों की शुरुआत, प्रॉपर्टी, व्हीकल की खरीदारी और निवेश करने की परंपरा चली आ रही है। माना जाता है इस नक्षत्र में सोना खरीदने से घर में सुख-समृद्धि आती है। पुष्य को सबसे अच्छा नक्षत्र माना जाता है। इसे शास्त्रों में अमरेज्य भी कहा गया है। यानी वो नक्षत्र जो जीवन में स्थिरता और अमरता लाता है। इस दौरान लंबे समय तक चलने वाले स्थायी काम करने चाहिए। इस बार दीपावली से पहले 14 अक्टूबर को पुष्य नक्षत्र का संयोग बन रहा है। यह हर तरह की खरीदारी के लिए सर्वोत्तम दिन माना जाता है।

14 अक्टूबर को पुष्य नक्षत्र

पुष्य नक्षत्र हर महीने आता है लेकिन दिवाली से पहले आने वाले पुष्य नक्षत्र का विशेष महत्व बताया गया है। इस साल दिवाली से पहले पुष्य नक्षत्र 14 और 15 अक्टूबर 2025 दो दिन है। पुष्य नक्षत्र निवेश, सोना-चांदी, संपत्ति, वाहन खरीदी, बहीखाता नवीनीकरण और दिवाली की खरीदी के लिए अत्यंत लाभकारी होता है। यही वजह है कि दिवाली से पहले लोगों को पुष्य नक्षत्र का इंतजार रहता है। दीवाली के समय स्वर्ण खरीदने के लिये मुहूर्त, अर्थात शुभ समय को प्राथमिकता देते हैं। पुष्य नक्षत्र एवं धनतेरस, ये दो सर्वाधिक शुभ दिन हैं। सोना खरीदना, घर में देवी लक्ष्मी को आमन्त्रित करने के समान माना जाता है. देवी लक्ष्मी धन एवं समृद्धि प्रदान करने वाली देवी हैं। पुष्य नक्षत्र देवी लक्ष्मी का जन्म नक्षत्र है, इसीलिये पुष्य नक्षत्र को देवी लक्ष्मी को घर लाने के लिये सर्वाधिक शुभ नक्षत्र माना जाता है। ऐसे में इस दिन मां लक्ष्मी के रूप में सोना खरीदने की परंपरा है। कहत हैं इसस घर में स्थाई रूप से धन लक्ष्मी का वास हो जाता है।

हर प्रकार की खरीदी शुभ

पुष्य नक्षत्र में किए गए कार्य पुण्यदायी और फल देने वाले होते हैं। पंचांग के अनुसार, 14 अक्टूबर को दोपहर 11:54 से 15 अक्टूबर को दोपहर 11:59 बजे तक पुष्य नक्षत्र का योग रहेगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, पुष्य नक्षत्र 27 नक्षत्रों में से 8 वें स्थान में आता है। पुष्य नक्षत्र की राशि कर्क है। इसे 27 नक्षत्रों में से सबसे शुभ, पुण्य और पवित्र माना जाता है। पुष्य नक्षत्र में खरीदारी करने का प्रचलन है, इसलिए ही इसे शुभ माना जाता है। इस नक्षत्र में चल-अचल संपत्ति जैसे सोने, चांदी के आभूषण, सिक्के, महालक्ष्मी की प्रतिमा, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल्स, फर्नीचर, बाइक-कार, उद्योग के लिए जमीन, प्लॉट की खरीदी सबसे ज्यादा शुभ मानी गई है। साथ ही पुष्य नक्षत्र में निवेश के लिए भी सबसे शुभ माना जाता है।

पुष्य नक्षत्र में इनकी खरीदी स्थायी लाभ

अचल संपत्ति - मकान, प्लॉट, फ्लैट, कृषि भूमि और व्यावसायिक संपत्ति।

चल संपत्ति - आभूषणों में सोना, चांदी, हीरा, प्लेटिनम के आभूषण।

ऑटोमोबाइल (चार पहिया वाहन, दोपहिया वाहन),

इलेक्ट्रिक दोपहिया-चार पहिया वाहन।

इलेक्ट्रॉनिक सामान में फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन, लैपटॉप, माइक्रोवेव ओवन आदि।

पुष्य नक्षत्र खरीदारी मुहूर्त

14 अक्टूबर (मंगलवार): दोपहर 11:54 बजे से लेकर पूरी रात तक।

15 अक्टूबर (बुधवार): सुबह 06:22 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

दिवाली से पहले हनुमानजी की कृपा से वृषभ, कन्या समेत अन्य राशियों के जातक पाएंगे लाभ

आज यानी 14 अक्टूबर दिन मंगलवार है और आज के दिन के स्वामी ग्रह रहेंगे मंगल जबकि दिन के देवता हैं हनुमानजी। इन सबके साथ आज चंद्रमा का गोचर दिन रात कर्क राशि में हो रहा है। चंद्रमा इस राशि में आकर स्वराशि में रहेंगे जिससे आज शशियोग का शुभ संयोग बनेगा। इस पर आज के दिन चंद्रमा से द्वादश में गुरु के होने से अनफा योग बनेगा। और इसके साथ ही साथ चंद्रमा के चतुर्थ भाव में बुध और मंगल की युति होगी। आज के दिन भास्कर योग का भी संयोग बनेगा। इस पर आज पुनर्वसु उपरांत पुष्य नक्षत्र के संयोग में सिद्ध योग और मंगल पुष्य योग का भी संयोग बना है। ऐसे में आज का दिन हनुमानजी की कृपा और मंगल पुष्य योग के संयोग से वृषभ, कर्क, कन्या, वृश्चिक और मकर राशि के जातको के लिए बेहद लकी रहेगा।

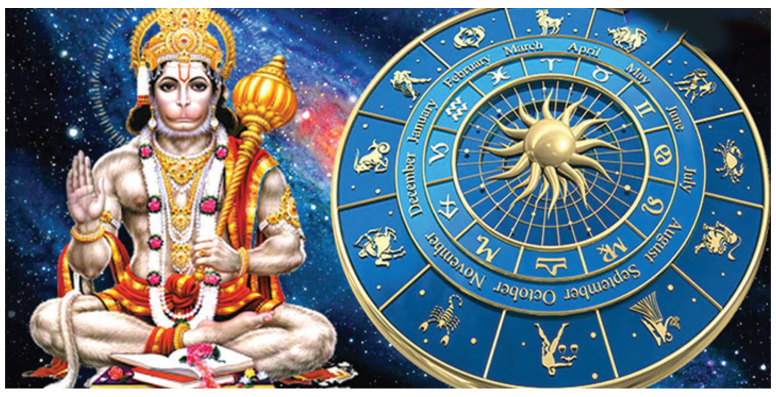

वृषभ राशि – वृषभ राशि के लिए आज सितारे बताते हैं कि आपको आज कार्यक्षेत्र में भाग्य उन्नति का मौका प्रदान करेगा। भाग्य के सितारे आपके चमक रहे हैं। आपको आज बिजनेस में उम्मीद से बढ़कर आर्थिक लाभ मिलेगा। आपके सितारे बताते हैं कि आपको आज के दिन किसी अप्रत्याशित स्रोत से आर्थिक लाभ मिलेगा। आपको आज भाग्य कहीं से उपहार भी दिलवा रहा है। नौकरी में दोस्तों और सहकर्मियों के साथ आप मनोरंजक समय बिताएंगे। किसी मित्र या पड़ोसी से मिलने का अवसर मिलेगा। आपके सितारे बता रहे हैं कि आज का दिन आपको सरकारी कामें भी भी सफल बना रहा है। जो लोग नौकरी में बदलाव के लिए प्रयास कर रहे हैं उनको कोई बड़ा मौका मिलेगा। आप आज जीवनसाथी के साथ सुखद समय बिता पाएंगे।

उपाय : वृषभ राशि के जातकों को आज के दिन श्रीराम रक्षा स्तोत्र का पाठ करना चाहिए।

कर्क राशि– आज का दिन कर्क राशि के जातकों के लिए लाभदायक रहेगा। आपको आज भाग्य आर्थिक लाभ के अवसर प्रदान करेगा। आपकी कमाई में वृद्धि होगी। आप आज बिजनेस में विस्तार योजना को लागू कर पाएंगे। आपको साझेदारो और सहयोगियों से पूरा सहयोग मिलेगा। आप आज दीर्घकालीन निवेश में धन लगाकर भी अच्छी कमाई कर पाएंगे। आपके सितारे बता रहे हैं कि आपको आज किसी मित्र या सगे संबधी की मदद से भी फायदा हो सकता है। वस्त्र और सुख साधन मिलने की आपको खुशी होगी। आपको परिवार के सदस्यों से आज पूरा सहयोग मिलेगा। वाहन सुख मिलने का भी योग बना हुआ है। किसी चली आ रही समस्या का समाधान होगा, जिससे आप राहत महसूस करेगे।

उपाय :आपको आज के दिन उपाय के तौर पर हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए।

कन्या राशि – कन्या राशि के लिए आज सितारे बताते हैं कि आका दन आज सुख और आनंद में बीतेगा। आपकी लाइफ की चली आ रही कोई चिंता परेशानी दूर होगी। आपको भाग्य आर्थिक लाभ का अवसर प्रदान करेगा और बिजनेस मे आपकी कमाई में वृद्धि होगी। आप कोई नया काम या कारोबार भी आज शुरू कर सकते हैं। आपको पिता और पैतृक धन संपत्ति से भी लाभ मिलेगा। कन्या राशि के छात्र आज शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। आपका मनोबल और आत्मविश्वास बढेगा। आपकी कोई अधूरी चाहत पूरी होगी। वैवाहिक जीवन में प्रेम और आपसी सामंजस्य बना रहेगा। किसी पूर्व परिचित की मदद से आपको लाभ मिलेगा। आपको भाग्य आज विदेशी संपर्क से भी लाभ मिल सकता है।

उपाय : कन्या राशि के जातकों को आज के दिन उपाय के तौर पर हनुमानजी को बूंदी का प्रसाद अर्पित करना चाहिए और प्रसाद बच्चों में बांट देना चाहिए।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि के लिए आज सितारे बताते हें कि आपका दिन आज खुशियों भरा रहेगा। आपको आज कार्यक्षेत्र में कोई नया अवसर मिल सकता है। आपके सितारे बताते हैं कि आपको आज के दिन कोई ऐसी खबर मिलेगी जिससे आपका मन आनंदित हो जएगा। आपको उपहार और मान सम्मान मिलने का भी योग बना हुआ है। आप आज के दिन किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर सकते हैं जिसका आपको भविष्य में लाभ मिलेगा। कोर्ट कचहरी से संबंधित मामला हो या सरकारी क्षेत्र से संबंधित आज का दिन आपके लिए इन मामलों में सकारात्मक परिणाम प्रदान करने वाला रहेगा। आपके सितारे बताते है कि आपके घर में आज कोई सुख साधनों में वृद्धि करने वाला सामान आ सकता है जिससे खुशी का माहौल रहेगा।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर तुलसी को दूध और जल मिलाकर अर्पित करना चाहिए। तुलसी माता को दीप भी दिखाएँ।

मकर राशि – मकर राशि के लिए सितारे बताते हैं कि आपका आज के दिन भाग्य आर्थिक लाभ दिलाएगा। नौकरी में आपका प्रभाव और सम्मान बढेगा। किसी पुराने परिचित से मुलाकात हो सकती है जिससे आपको कोई आनंददायक खबर मिलेगी। आप आज कोई नया काम या नई योजना की शुरुआत कर सकते हैं। बिजनेस में आपको आज भाग्य कमाई का विशेष अवसर प्रदान करेगा। जो जातक बिजली के उपकरण और वाहन से संबंधित काम करते हैं उनको कमाई का विशेष मौका मिलेगा। आपको आज पिता और पैतृक पक्ष से भी लाभ का मौका मिलेगा।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए।

दीपावली से पहले पुष्य-नक्षत्र में करें निवेश, हो जाएंगे मालामाल

पुष्य नक्षत्र सभी नक्षत्रों में सर्वाधिक शुभ एवं बलवान होने के कारण नक्षत्रराज कहलाता है। विवाह को छोड़कर सभी मांगलिक शुभ कार्यों में पुष्य नक्षत्र का महत्व है। शास्त्रों में पुष्य को सौ दोषों को दूर करने वाला, शुभ कार्य उद्देश्यों में निश्चित सफलता प्रदान करने वाला एवं बहुमूल्य वस्तुओं की खरीददारी हेतु सबसे श्रेष्ठ एवं शुभ फलदायी माना गया है।

ग्रहों की स्थिति अनुसार दीपावली से पहले पड़ने वाला यह पुष्य नक्षत्र खरीददारी के लिए धनतेरस के समान फलदायक है। सदियों से ऐसा माना जाता है कि पुष्य नक्षत्र के दिन किए गए हर शुभ कार्य का परिणाम कई गुना हो जाता है, इसी तरह इस दिन किया गया दान अक्षत हो जाता है और इस दिन खरीदी गई वस्तुएं भी अक्षत रहेगी। इस संयोग में मंत्रों से संबंधित कोई भी उपासना करने से उसका सौ गुना अधिक फल मिलता है।

मंगलवार को पुष्य नक्षत्र का ये है महत्व- पुष्य नक्षत्र इस वर्ष कार्तिक कृष्ण अष्टमी दिन मंगलवार को दोपहर 3:42 पर लगेगा, जो अगले दिन बुधवार 15 अक्टूबर 2025 को दोपहर 3:19 तक रहेगा, स्वराशि कर्क का चंद्रमा 14 तारीख मंगलवार को दिन में 9:50 से लेकर अगले दिन यानी बुधवार संपूर्ण दिन रात्रि रहकर, बृहस्पतिवार दिनांक 16 अक्टूबर 2025 को दोपहर को 3:27 तक चंद्रमा कर्क राशि में रहेगा। पुष्य नक्षत्रों का राजा माना जाता है, इस बार दीपावली से पूर्व मंगलवार को पुष्य नक्षत्र का शुभ संयोग है, मंगलवार को पुष्य नक्षत्र का संचरण होने पर इसे मंगल पुष्य के नाम से जाना जाता है।

इस दिन आप जो चीजें खरीदेंगे या निवेश करेंगे, वे आपको आगे ले जाने का कारक बनेंगी, इस दिन जमीन या मकान के साथ म्युचुअल फंड इत्यादि की खरीदारी लाभ देगी। पुष्य नक्षत्र के संचरण काल में सोने, चांदी के आभूषण खरीदना शुभ माना जाता है। भारतीय ज्योतिष के अनुसार, पुष्य नक्षत्र में किसी भी प्रकार के निवेश या खरीदारी करना शुभ होता है, विशेष रूप से आभूषणों के लिए। इस दिन खरीदे गए आभूषण धन और समृद्धि के आगमन का संकेत देते हैं, जिससे जीवन में स्थिरता और सुख-शांति बनी रहती है।

हनुमान जी की विशेष पूजा से दूर होंगे सारे कष्ट, शाम के समय जरूर करें यह काम

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि को मंगलवार को आडल योग और सिद्ध योग का संयोग पड़ रहा है, जिससे इस दिन का महत्व और भी बढ़ गया है। मंगलवार को रामभक्त हनुमानजी की पूजा अर्चना करने से सभी कष्ट व परेशानियों से मुक्ति मिलेगी और कुंडली में मंगल ग्रह की स्थिति मजबूत होती है। मंगलवार के दिन का व्रत रखकर हनुमानजी को चोला और सिंदूर अर्पित करने से साहस, बल, ज्ञान और शक्ति में वृद्धि होती है और भय, रोक, भूत-प्रेत जैसी नकारात्मक शक्तियों से छुटकारा मिलता है। द्रिक पंचांग के अनुसार, अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 44 मिनट से शुरू होकर दोपहर 12 बजकर 30 मिनट तक रहेगा और राहुकाल का समय दोपहर 3 से शुरू होकर 4 बजकर 26 मिनट तक रहेगा। अष्टमी का समय 13 अक्टूबर दोपहर 12 बजकर 24 मिनट से शुरू होकर 14 अक्टूबर सुबह 11 बजकर 9 मिनट तक रहेगा। मंगलवार को कोई विशेष त्योहार या व्रत नहीं है, लेकिन मंगल ग्रह के नियंत्रक के लिए जातक मंगलवार का व्रत रख सकते हैं। इस दिन सूर्य कन्या राशि में और चंद्रमा कर्क राशि में रहेंगे। इस दिन सिद्ध योग और साध्य योग बन रहा है। साथ ही चंद्रमा पुनर्वसु नक्षत्र से होते हुए पुष्य नक्षत्र में संचार करेंगे।

हनुमानजी की पूजा का महत्व

स्कंद पुराण में उल्लेख मिलता है कि मंगलवार के दिन बजरंगबली का जन्म हुआ था, जिस वजह से इस दिन उनकी पूजा का महत्व और भी ज्यादा बढ़ जाता है। रामभक्त हनुमान को मंगल ग्रह के नियंत्रक के रूप में पूजा जाता है। मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने और हनुमान जी की विधि-विधान से पूजा करने से जीवन के कष्ट, भय और चिंताएं दूर हो जाती हैं। साथ ही, मंगल ग्रह से संबंधित बाधाएं भी समाप्त होती हैं।

हनुमानजी की पूजा विधि

इस दिन विधि-विधान से पूजा करने के लिए ब्रह्म मुहूर्त में उठकर नित्य कर्म-स्नान आदि करने के बाद पूजा स्थल को साफ करें। फिर एक चौकी पर लाल कपड़ा बिछाएं और पूजा की सामग्री रखें और उस पर अंजनी पुत्र की प्रतिमा स्थापित करें। इसके बाद सिंदूर, चमेली का तेल, लाल फूल और प्रसाद चढ़ाएं। हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ कर बजरंगबली की आरती करें। इसके बाद आरती का आचमन कर आसन को प्रणाम करके प्रसाद ग्रहण करें। शाम को भी हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ करना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि लाल रंग मंगल ग्रह का प्रतीक है। इस दिन लाल कपड़े पहनना और लाल रंग के फल, फूल और मिठाइयां अर्पित करना शुभ माना जाता है। इस पावन दिन पर हनुमान जी की आराधना कर जीवन में सुख-समृद्धि और शांति की कामना करें।

संपादकीय

शिल्पकार वीरभद्र की मूर्ति

एक राजा ने चुना वर्षों टहलना, रिज ने उसे आंचल में बसा लिया। ऐतिहासिक रिज की मूर्ति पर राजनीतिक अवतार के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह का सफर बताता रहेगा कि 'निकले थे हम तो खिदमत में तेरी, तूने हमें अपना किरदार बना लिया।' यादगार लम्हे, श्रद्धा के पल और प्रदेश की सहमति अर्जित करके इस पुरुष ने प्रतिमा को प्रदेश का घर बना लिया। मूर्तियों पर बहस हो सकती है या प्रतिमाओं की योग्यता में पौरुष पर चर्चा हो सकती है, लेकिन वीरभद्र सिंह की हस्ती में हिमाचल का एक युग दर्ज होता है। यह युग अपने संघर्ष में विकास के मानदंड चुनते हुए हिमाचली समाज को आदर्श बना देता है, जहां हम साक्षरता के राष्ट्रीय फलक पर उच्च शिखर पर पहुंच जाते हैं। वीरभद्र सिंह दरअसल हिमाचल की संभावनाओं के चित्रकार थे, जिन्होंने विभिन्न संस्थान पैदा करते हुए शिक्षा व चिकित्सा के सफर को दक्षता के दरवाजे पर खड़ा कर दिया। एक जननायक के रूप में वीरभद्र सिंह ने न केवल राजनीति, शासन, प्रशासन व प्रगति के खाके बनाए, बल्कि क्षेत्रीय संतुलन के नए पैमाने भी तय किए। सियासत से ऊपर उनकी संवेदनशीलता और प्रदेश की क्षमता से आगे उनका शिल्प हिमाचल को राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा की अग्रणी पंक्ति तक ले गया। शिमला से प्रदेश के विभिन्न भागों में कार्यालयों का स्थानांतरण, विधानसभा परिसर को तपोवन में सजाने का मंत्र या मुख्यमंत्री के शीतकालीन प्रवास की प्रथा अपनाने जैसे प्रयोगों ने उन्हें समाज के दिल से जोड़ा। शिमला से राजधानी के अक्स को धर्मशाला में शीतकालीन राजधानी पर उतारने के उनके प्रयास से कांगड़ा की राजनीति बेहद प्रभावित रही। उनके आलोचक भी उन्हें हिमाचल के विकास का श्रेय देते हैं। दूसरी ओर राजनीति के प्रभाव व दबाव में उनकी दबंगता से मुकाबिल किश्तियां टूटती रहीं। वह टूटते कांग्रेस के घरौंदे को जीवनपर्यंत बुनते रहे और अपनी महारत से सत्ता में बुलंद रहे। बहरहाल रिज पर वीरभद्र सिंह की याद में कुछ दीप जलते रहेंगे और यह भी कि अपनी सदी की हिस्ट्री में उनका उल्लेख होता रहेगा। हिमाचल की राजनीतिक जागरूकता ने जिन नेताओं को अदब से स्वीकार किया, उनमें वाईएस परमार, वीरभद्र सिंह के अलावा शांता कुमार व प्रेम कुमार धूमल भी अपने-अपने कार्यों, नीतियों और मिजाज के कारण श्रद्धेय हो जाते हैं। ऐसे में रिज अब नेताओं की प्रमाणिकता का ठौर बन रहा है। राजधानी के कलश में पूरे प्रदेश की नदियों का पानी और नेताओं के अदब की कहानी का चित्रण दिखाई दे रहा है। प्रदेश के कुछ कालेजों, भवनों व बस अड्डों का नामकरण भी राजनेताओं से जुड़ता है। इसी सरकार में टीएमसी की एक इमारत और धर्मशाला का बस अड्डा पूर्व मंत्री जीएस बाली के नाम का स्मरण करा रहे हैं। ऐसे में हिमाचल के विभिन्न स्वतंत्रता सेनानियों और वीर सैनिकों की प्रतिमाएं भी प्रदेश की प्रतिष्ठा के साथ जुड़नी चाहिएं। रिज अगर मूर्ति यह बनने का दिल रखता है, तो जोरावर सिंह व वजीर राम सिंह पठानियां सरीखे योद्धाओं के उल्लेख भी होने चाहिएं। राष्ट्रगान की धुन बनाने वाले के. राम सिंह और पझौता आंदोलन के नायक वैद्य सूरत सिंह की याद में राज्य स्तरीय सम्मान स्थल चिन्हित होने चाहिएं। नाहन में किंकरी देवी की मूर्ति का रखरखाव न होने से पर्यावरण संरक्षण की देवी के प्रति हमारी श्रद्धा पूरी नहीं होती। हिमाचल में शिक्षाविदों, प्रशासकों, साहित्यकारों, खिलाड़ियों, चिकित्सकों, कला साधकों व अन्य क्षेत्रों में नाम कमाने वालों की यादगार सेवाओं के लिए भी कुछ तो सम्मान के तराने होने चाहिएं।

यादगार लम्हे, श्रद्धा के पल और प्रदेश की सहमति अर्जित करके इस पुरुष ने प्रतिमा को प्रदेश का घर बना लिया। मूर्तियों पर बहस हो सकती है या प्रतिमाओं की योग्यता में पौरुष पर चर्चा हो सकती है, लेकिन वीरभद्र सिंह की हस्ती में हिमाचल का एक युग दर्ज होता है। यह युग अपने संघर्ष में विकास के मानदंड चुनते हुए हिमाचली समाज को आदर्श बना देता है, जहां हम साक्षरता के राष्ट्रीय फलक पर उच्च शिखर पर पहुंच जाते हैं। वीरभद्र सिंह दरअसल हिमाचल की संभावनाओं के चित्रकार थे, जिन्होंने विभिन्न संस्थान पैदा करते हुए शिक्षा व चिकित्सा के सफर को दक्षता के दरवाजे पर खड़ा कर दिया। एक जननायक के रूप में वीरभद्र सिंह ने न केवल राजनीति, शासन, प्रशासन व प्रगति के खाके बनाए, बल्कि क्षेत्रीय संतुलन के नए पैमाने भी तय किए। सियासत से ऊपर उनकी संवेदनशीलता और प्रदेश की क्षमता से आगे उनका शिल्प हिमाचल को राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा की अग्रणी पंक्ति तक ले गया। शिमला से प्रदेश के विभिन्न भागों में कार्यालयों का स्थानांतरण, विधानसभा परिसर को तपोवन में सजाने का मंत्र या मुख्यमंत्री के शीतकालीन प्रवास की प्रथा अपनाने जैसे प्रयोगों ने उन्हें समाज के दिल से जोड़ा। शिमला से राजधानी के अक्स को धर्मशाला में शीतकालीन राजधानी पर उतारने के उनके प्रयास से कांगड़ा की राजनीति बेहद प्रभावित रही। उनके आलोचक भी उन्हें हिमाचल के विकास का श्रेय देते हैं। दूसरी ओर राजनीति के प्रभाव व दबाव में उनकी दबंगता से मुकाबिल किश्तियां टूटती रहीं। वह टूटते कांग्रेस के घरौंदे को जीवनपर्यंत बुनते रहे और अपनी महारत से सत्ता में बुलंद रहे। बहरहाल रिज पर वीरभद्र सिंह की याद में कुछ दीप जलते रहेंगे और यह भी कि अपनी सदी की हिस्ट्री में उनका उल्लेख होता रहेगा।

विश्व मानक दिवस- 14 अक्टूबर, 2025

मेरा लेख विश्वास का वैश्विक सेतु और व्यापारिक समरसता का आधार

ललित गर्ग

विश्व मानक दिवस उन हजारों विशेषज्ञों और कर्मयोगियों को सम्मान देने का भी अवसर है जो अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में बैठकर विश्व के हित में ऐसे मानक तय करते हैं और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के निर्माण और कार्यान्वयन में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं। इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और सुरक्षा के साथ-साथ जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मानकीकरण की भूमिका पर ज़ोर देना है, जो सबके लिए समान हों, निष्पक्ष हों और मानवता की सुरक्षा और प्रगति के लिए हों। यह दिवस 1946 में हुई पहली बैठक की याद में मनाया जाता है, जिसमें 25 देशों के प्रतिनिधि लंदन में एक अंतरराष्ट्रीय संगठन की स्थापना के लिए एकत्र हुए थे, जो मानकीकरण पर अपने प्रयासों को केंद्रित करेगा। हालाँकि अगले वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन का गठन किया गया था, लेकिन पहला विश्व मानक दिवस 1970 में ही मनाया गया।

विश्व मानक दिवस प्रत्येक वर्ष 14 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह दिवस उस अदृश्य व्यवस्था का उत्सव है जो हमारे जीवन, उद्योग, व्यापार और सुरक्षा की गुणवत्ता को सुनिश्चित करती है। मानकीकरण केवल कोई तकनीकी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह विश्वसनीयता, सुरक्षा, पारदर्शिता और आपसी सहयोग की ऐसी बुनियाद है जो मानव जीवन की सहजता और स्थिरता का आधार बनती है। इस दिवस का उद्देश्य यह स्मरण कराना है कि किसी भी उत्पाद, सेवा या व्यवस्था की उपयोगिता तभी टिकाऊ और भरोसेमंद हो सकती है जब उसमें निर्धारित मानक और गुणवत्ता की कसौटी कायम हो। विश्व मानक दिवस उन हजारों विशेषज्ञों और कर्मयोगियों को सम्मान देने का भी अवसर है जो अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में बैठकर विश्व के हित में ऐसे मानक तय करते हैं और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के निर्माण और कार्यान्वयन में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं। इसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और सुरक्षा के साथ-साथ जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मानकीकरण की भूमिका पर ज़ोर देना है, जो सबके लिए समान हों, निष्पक्ष हों और मानवता की सुरक्षा और प्रगति के लिए हों। यह दिवस 1946 में हुई पहली बैठक की याद में मनाया जाता है, जिसमें 25 देशों के प्रतिनिधि लंदन में एक अंतरराष्ट्रीय संगठन की स्थापना के लिए एकत्र हुए थे, जो मानकीकरण पर अपने प्रयासों को केंद्रित करेगा। हालाँकि अगले वर्ष अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन का गठन किया गया था, लेकिन पहला विश्व मानक दिवस 1970 में ही मनाया गया। विश्व मानक दिवस का उद्देश्य जनता को अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में मानकों की महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूक करना है। अर्थात्स्वास्थ्य सेवा से लेकर तकनीक तक, लगभग हर क्षेत्र के उत्पादों और सेवाओं में सुरक्षा, विश्वसनीयता और गुणवत्ता। 2025 की थीम 'सहयोग' है, जो प्रगति को संभव बनाने के लिए साझेदारी के महत्व को दर्शाती है। यह सहयोग की शक्ति और इस विश्वास का प्रमाण है कि हम अपने-अपने हिस्सों के योग से भी अधिक शक्तिशाली हैं। साथ मिलकर काम करके, हम लोगों को स्थिरता की चुनौतियों का सीधा सामना करने के लिए वास्तविक समाधानों से सशक्त बना रहे हैं। इसके अतिरिक्त, भारतीय मानक ब्यूरो ने इस वर्ष की थीम को 'सतत विकास लक्ष्यः लक्ष्य प्राप्ति में सामूहिक साझेदारी' के रूप रखा है। एक बेहतर विश्व निर्माण के लिए साझा दृष्टिकोण का विशेष महत्व है, इस दिवस को मनाने का लक्ष्य उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान देना और उपभोक्ताओं, नियामकों और उद्योग के बीच मानकीकरण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। आज जब वैश्वीकरण, तकनीकी तीव्रता, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य संकट और आपूर्ति श्रृंखला जैसी जटिल चुनौतियाँ सामने हैं, तब मानकीकरण का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। मानक ही वह भाषा हैं जिनसे विश्व

के देश एक-दूसरे को समझ पाते हैं। जब कोई वस्तु या सेवा एक निश्चित मानक के अनुरूप होती है, तो उसे किसी भी देश में स्वीकार किया जा सकता है। इससे व्यापार सहज होता है, उपभोक्ता का भरोसा बढ़ता है और देशों के बीच परस्पर निर्भरता मजबूत होती है। यही कारण है कि मानकीकरण को विश्व व्यापार की आत्मा कहा जाता है। इससे केवल आर्थिक लाभ नहीं होता, बल्कि यह जीवन की गुणवत्ता, सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन को भी सुनिश्चित करता है। विश्व मानक दिवस के इस सन्देश के विपरीत आज की राजनीति में कई बार ऐसे कदम उठाए जा रहे हैं जो विश्व व्यापार और आपसी सहयोग की भावना को कमजोर करते हैं। अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा अपनाई जा रही अतिशयोक्ति पूर्ण टैरिफ नीति इसका उदाहरण है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और प्रतिस्पर्धा के नाम पर आयातित वस्तुओं पर भारी शुल्क लगाकर एक प्रकार से व्यापार युद्ध का वातावरण बना दिया है। यह नीति केवल व्यापारिक हितों को नहीं बल्कि वैश्विक संतुलन को भी प्रभावित कर रही है। टैरिफ की यह दीवारें देशों के बीच अविश्वास बढ़ाती हैं, कीमतों में वृद्धि करती हैं और आपूर्ति श्रृंखला को असंतुलित करती हैं। आयातित वस्तुओं की लागत बढ़ने से उपभोक्ताओं को अधिक कीमत चुकानी पड़ती है, उद्योगों की उत्पादन लागत बढ़ती है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार की गति धीमी पड़ जाती है। विश्व व्यापार संगठन ने पहले ही चेताया है कि ऐसी टैरिफ नीतियाँ वैश्विक व्यापार वृद्धि को घटा रही हैं और निवेशकों में अस्थिरता पैदा कर रही हैं। टैरिफ केवल कर या शुल्क नहीं होते, वे राष्ट्रों के बीच विश्वास का संकेत भी होते हैं। जब कोई देश बार-बार अपने आर्थिक हितों की आड़ में ऊँचे शुल्क लगाता है, तो अन्य राष्ट्र प्रतिकार के रूप में अपने दरवाज़े बंद करने लगते हैं। परिणाम यह होता है कि जो विश्व पहले एक साझा बाज़ार की ओर बढ़ रहा था, वह फिर से सीमाओं और अविश्वास की जंजीरों में बँधने लगता है। ऐसे में विश्व मानक दिवस यह सन्देश देता है कि दुनिया को जोड़ने का वास्तविक माध्यम व्यापारिक शुल्क नहीं बल्कि मानकीकरण है। मानक देशों को एक साझा धरातल प्रदान करते हैं, जहाँ उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा का विश्वास इतना मजबूत होता है कि किसी अतिरिक्त शुल्क या रोक की आवश्यकता ही नहीं पड़ती। मानकीकरण दरअसल विश्वास का पुल है जो सीमाओं के आर-पार लोगों, वस्तुओं और विचारों को जोड़ता है। जब एक देश दूसरे देश के मानकों को स्वीकार करता है, तो यह आपसी सम्मान और पारदर्शिता का प्रतीक होता है। इसी प्रक्रिया से अंतरराष्ट्रीय व्यापार में सरलता आती है, सुरक्षा और गुणवत्ता की गारंटी मिलती है और उपभोक्ता हित सुरक्षित रहते हैं। मानकीकरण की यह प्रक्रिया न केवल औद्योगिक या व्यापारिक है बल्कि यह मानवीय भी है। इसके मूल में समानता, निष्पक्षता और सहयोग की भावना निहित है। यह वह दर्शन है जो कहता है कि विश्व एक परिवार है और सबकी भलाई में ही अपनी भलाई है। अतः जब कोई राष्ट्र टैरिफ या प्रतिबंधों की दीवार खड़ी करता है, तो वह इस वैश्विक परिवार के बीच विभाजन की रेखा खींचता है। मानक उन रेखाओं को मिटाते हैं और संबंधों को जोड़ते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि मानकीकरण केवल औद्योगिक मंच तक सीमित न रहे, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय नीति का भी आधार बने। विश्व के सभी देश मानकों के निर्धारण में समान भागीदारी करें ताकि कोई भी राष्ट्र या कंपनी इस प्रक्रिया पर वर्चस्व न जमा सके। छोटे और विकासशील देशों को भी अंतरराष्ट्रीय मानक संस्थाओं में समान अवसर मिले ताकि वे अपने उत्पादों और सेवाओं के माध्यम से वैश्विक व्यापार में समान रूप से शामिल हो सकें। इसके साथ ही प्रमाणन प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाना आवश्यक है ताकि छोटे उद्योग भी मानक के अनुरूप अपने उत्पादों को विश्व स्तर पर प्रस्तुत कर सकें। विश्व मानक दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि मानवता की प्रगति केवल आर्थिक शक्ति में नहीं बल्कि उस सहयोग और विश्वास में है जो मानकीकरण के माध्यम से संभव होता है। अतिशयोक्ति पूर्ण टैरिफ जैसी नीतियाँ क्षणिक राजनीतिक लाभ तो दे सकती हैं, पर वे विश्व के समन्वित विकास और आपसी विश्वास को नष्ट करती हैं। इसलिए आवश्यक है कि सभी राष्ट्र मानकीकरण की भावना को अपनाएँ और विश्व व्यापार को किसी प्रतिस्पर्धा या प्रतिशोध का माध्यम न बनाकर साझेदारी और साझा उन्नति का माध्यम बनाएँ। मानकीकरण ही वह अदृश्य तंतु एवं बुनियादी आधार है जो दुनिया को एकजुट रखता है। यह न केवल उत्पादन और व्यापार में गुणवत्ता लाता है बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में विश्वसनीयता और सुरक्षा का भाव जगाता है। विश्व मानक दिवस इस विचार का प्रतीक है कि जब तक हम समान मानकों और साझा मूल्यों से नहीं जुड़ते, तब तक विश्व की एकता अधूरी है। इसलिए इस दिवस पर यह संकल्प लिया जाना चाहिए कि हम ऐसी नीतियों से दूर रहें जो विभाजन उत्पन्न करें, और मानकीकरण की उस साझा राह पर चलें जो सबके लिए विश्वास, सुरक्षा और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करती है। संपूर्ण मानक प्रणाली सहयोग पर आधारित है।

देश दुनिया से

अफगान महिलाओं के अधिकारों का यक्ष प्रश्न

क्या आप करवा चौथ का व्रत रखती हैं'? यहां कोई गलती न रहे, यह महज एक 'गुगली' है, न कि एक सवाल, जो सालों से उत्तर भारतीय महिलाओं से पूछा जाता रहा है। सिर्फ़ इसलिए नहीं कि अगर आप रखती हैं तो आपका मजाक बनाया जाएगा (नारीवादियों द्वारा कनखियों से देखते हुए) या अगर नहीं रखती हैं तो भी हिकारत से देखा जाएगा (मध्य वर्गीय भारत के बढ़ते संस्कृतिकरण की वजह से, जिसका मानना है कि किसी भी पहेली का सिर्फ़ एक ही जवाब हो सकता है), बल्कि इसलिए कि यह सवाल अपने आप में संकुचित है। इस पर चुप्पी साधना बेहतर। बढ़िया रहेगा कि रूही तिवारी द्वारा हाल ही में लिखी गई किताब 'महिलाएं क्या चाहती हैं' पढ़ें। सुश्री तिवारी की किताब भारत में 'महिला मतदाता को समझने' के बारे में है, लेकिन सवाल का परिदृश्य बृहद है। अगर आपमें कल्पनाशीलता है, तो आप इसके दायरे को और भी व्यापक बना सकते हैं, जिसमें पड़ोसी अफ़ग़ानिस्तान भी शामिल है, जहां का तालिबान शासन अपनी ही महिलाओं के ख़िलाफ़ सबसे दमनकारी कार्रवाइयां चलाए हुए है। दरअसल, दिल्ली से खबर आई थी कि तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी, जो भारत के छह दिवसीय दौरे पर हैं और इस दौरान वे प्रेम के प्रतीक ताजमहल और देवबंद मदरसे का भी दौरा करेंगे, पर उन्होंने बीते शुक्रवार को राजधानी में अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में किसी भी भारतीय महिला पत्रकार की मौजूदगी पर रोक लगा दी। शायद मुत्ताकी को इस बात की चिंता थी कि उन्हें भारतीय महिलाओं के साथ वार्तालाप करते देख स्वदेश में क्या संदेश जाएगा। भले ही प्रेस वार्ता अफ़ग़ान दूतावास में हुई थी, जोकि तकनीकी रूप से अफ़ग़ानिस्तान की धरती है, तालिबान नेता ने अपने देश की आधी आबादी को यह संकेत देने का एक बड़ा मौका गंवा दिया कि अफ़ग़ानिस्तान के इस्लामी अमीरात को अंधकारमय युग से बाहर निकलने का एक और छोटा-सा मौका क्यों दिया जाना चाहिए। क्या पता, भारतीय महिला पत्रकार मुत्ताकी से ऐसा कुछ पूछ बैठतीं जिसका उनके पास कोई जवाब न होता : मसलन, अफ़ग़ान महिलाएं क्या चाहती हैं? और अगर उनकी हसरत अपना हक पाने भर की है, तब कंधार के मुल्ला उन्हें वह क्यों नहीं देते? लेकिन, अगर आप वाकई देखना चाहें, तो तमाम जवाब मौजूद हैं। यह लेखिका अगस्त 2022 में तालिबान द्वारा काबुल पर कब्ज़ा किए जाने की पहली वर्षगांठ के अवसर पर वहां मौजूद थी, और इंदिरा गांधी बाल चिकित्सालय के आईसीयू में यह देखने गयीं कि महिला नर्सें और डॉक्टर सबसे कठिन मामलों से कैसे निबटते हैं। आईसीयू साफ़ और सैनिटाइज़्ड था। महिला डॉक्टरों और नर्सों ने वर्दी पहनी हुई थी, लेकिन चेहरे ढके हुए नहीं। वहां वे जान बचाने को थीं, खासकर जिंदगी की लड़ाई लड़ते नवजात शिशुओं की, इसलिए नहीं कि वे महिला थीं, बल्कि इसलिए कि उनके पास ये कौशल, विशेषज्ञता व प्रतिबद्धता थी। दिल्ली में, निश्चित रूप से, भारत और अफ़ग़ान शासन, महिला पत्रकारों को दूर रखने के मामले को रफा-दफा कर इस पर विवाद न्यूनतम रखना चाहेंगे और सभी से चीज़ों को व्यापक परिदृश्य के मुताबिक देखने का आग्रह करेंगे- यानी भारत तालिबानों के रवैये को लेकर अपने एतराजों से पीछे हट चुका है और अब काबुल में अपने राजनयिक मिशन को पूर्ण दूतावास में अपग्रेड करेगा। यह न केवल पड़ोस को लेकर भारत की नीति में वाकई बड़ा कदम, बल्कि व्यावहारिकता की ओर स्वागत योग्य वापसी का संकेत भी है। दुःखद यह कि अफ़ग़ानिस्तान के मामले में अपनी गलतियों को समझने में भारत सरकार को करीब एक दशक लग गया। भारत ने अमेरिकियों, खासकर काबुल में अफ़ग़ान मूल के पूर्व अमेरिकी राजदूत ज़ल्माय खलीलज़ाद से अति प्रभावित होकर भुला दिया कि इस क्षेत्र में उसकी स्थिति कितनी मज़बूत है। होना चाहिए था कि अमेरिका भारत के इस ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य व मौजूदा विश्लेषणों पर निर्भर रहता, जबकि हुआ उलट। अफगान परिदृश्य में सत्ता वितरण में भारत को भूमिका निभानी चाहिए थी - सबसे पहले, हामिद करज़ई और अब्दुल्ला अब्दुल्ला के बीच सत्ता संघर्ष सुलटाने में मदद करके; फिर जब अशरफ़ ग़नी को अमेरिकी स्थापित कर रहे थे, तो उन्हें बताना चाहिए था कि यह गलत निर्णय है; लेकिन जब ग़नी काबुल की गद्दी पर बैठ ही गए, तो भारत को चाहिए था कि उभरते तालिबान के ख़िलाफ़ एक गठबंधन बनाने में मदद करे, सभी पक्षों में समझौता कराने को उदारवादी तालिबान से भी बात कर सकता था। इस बीच दिल्ली में चर्चा चली कि देखा भारत ने कितनी चतुराई से तालिबान को अपने पाले में कर लिया है! जबकि विडंबना है कि तालिबान तो बहुत पहले से भारत के साथ आने को तैयार था। काबुल या अफ़ग़ानिस्तान में किसी भी तालिबान परस्त या गैर-तालिबान अफ़ग़ान से बात कीजिए, चाहे वह पुरुष हो या महिला, पश्तून, ताजिक या हज़ारा, तो आपको अफ़ग़ानों में भारतीयों के प्रति अविश्वसनीय स्नेह-सम्मान महसूस होगा। करवा चौथ या ऐसे दृश्यों से इतर, बॉलीवुड के नायक और नायिकाएं आज भी वहां बहुत लोकप्रिय हैं। यह न भूलें कि तालिबान भी अफ़ग़ान हैं - हामिद करज़ई से यदि बात करें तो वे आपको हर बार इस मूल सच की याद दिलाते हैं। इसका अहम पहलू यह कि वास्तव में उन्हें अरबों के रहमो-करम पर रहना मंजूर नहीं। यह सवाल कि ओसामा बिन लादेन तोरा बोरा की पहाड़ियां छोड़ एबटाबाद में, पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान से चंद कदम दूर, रहने क्यों आया, इसके अपने जवाब हैं। सच तो यह कि भारतीय विदेश मंत्रालय मौजूदा स्थिति पर पहुंचने को कई जटिल मोड़ों से गुज़रा - यानी भारत व अफगानिस्तान के बीच सदियों पुराना ख़ास रिश्ता है। यहां, दूसरा सच है : भारत अपने ही पास-पड़ोस से दूर हो गया और दूसरे देशों को बढ़त पाने का मौका दिया। चीन, रूस, अमेरिका और पाकिस्तान, भारतीय उपमहाद्वीप में ये सब अहम खिलाड़ी हैं –काराकोरम पर्वत शृंखलाओं से लेकर हिंद महासागर तट पर कॉक्स बाज़ार तक फैले, इन सभी देशों से बने इलाके में - जहां उनकी भूमिका का स्वागत है वहीं दूसरी ओर भारत को इस क्षेत्र में अपने प्रमुख स्थान पर लौटना होगा। आमिर ख़ान मुत्ताक़ी की मेज़बानी कर पहला कदम उठाया जा चुका है। दूसरा होना चाहिए, हेरात, जलालाबाद, कंधार और मजार-ए-शरीफ स्थित भारत के वाणिज्य दूतावास फिर खोलना - जिन्हें किसी न किसी बहाने बंद कर दिया था, पहले ज़्यादातर अमेरिकी दबाव में और बाद में, 2021 में तालिबान के कब्ज़े के डर से। कदाचित्, विदेश मंत्रालय को अपनी कुछ बेहतरीन महिला राजनयिकों को इन वाणिज्य दूतावासों में तैनात करना चाहिए, ठीक वैसे जैसा 2001 में किया गया था जब अफ़ग़ानिस्तान-पाकिस्तान मामलों को देखने वाली तेजतर्रार राजनयिक विजय ठाकुर सिंह को 9/11 के हमलों के बाद, अमेरिका द्वारा तालिबान को बमबारी कर घुटनों पर लाने के बाद के काल में, काबुल भेजा गया था– उनके साथ गौतम मुखोपाध्याय, रुद्रेंद्र टंडन के अलावा बतौर भारतीय राजदूत विवेक काटजू थे; काटजू इन दिनों द ट्रिब्यून के स्तंभकार भी हैं, वे दिसंबर 1999 में उस टीम का हिस्सा भी थे, जिसने आईसी-814 के यात्रियों की सुरक्षित घर वापसी के लिए कंधार की हवाई पट्टी पर हफ़्ताभर तालिबान के साथ मोल-तोल किया था। कौन कहता है कि भारत तालिबान को नहीं जानता? काबुल में एक भारतीय राजदूत की नियुक्ति कोई मुश्किल काम नहीं है।

आप का नजरिया

नोबेल से अहम 'शांतिदूत'

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलना 'एंटी क्लाइमेक्स' रहा। उन्हें यह सर्वोच्च सम्मान मिलना ही नहीं था, क्योंकि उनका नामांकन ही नहीं था। राष्ट्रपति ट्रंप निराश न हों और गुस्से में 'व्हाइट हाउस' से तल्ख प्रतिक्रियाएं बंद होनी चाहिए। नोबेल पुरस्कार के बीते 125 सालों में, सिर्फ 143 पुरुषों और महिलाओं को छोड़ कर, असंख्य दावेदार यह पुरस्कार हासिल करने में नाकाम रहे हैं। वे पराजित नहीं हुए और न ही बैठ गए, बल्कि अपने मिशन में पागलों की तरह जुट गए। अंततः कुछ नोबेल पुरस्कार पाने में सफल रहे। बेशक नोबेल पुरस्कार सर्वोच्च और दुर्लभ सम्मान है, तो अमरीकी राष्ट्रपति होना भी 'दुर्लभतम' है। अमरीकी समाज में लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की आजादी और विरोध-प्रदर्शन करने का संवैधानिक अधिकार भी 'सर्वोच्च स्तर' का है। राष्ट्रपति के खिलाफ भी आंदोलित भीड़ सडक़ों पर सामान्य तौर पर देखी जा सकती है। लिहाजा राष्ट्रपति ट्रंप तालियां बजाएं और खुश रहें और युद्ध समाप्त करवा शांति स्थापित कराने, असंख्य जिंदगियां बचाने और प्रताड़ित, पीड़ित, विस्थापित लोगों के पुनर्वास के अत्यंत मानवीय मिशन में जुट जाएं। बेशक भारत-पाकिस्तान युद्धविराम में उनकी कोई भूमिका नहीं थी, लेकिन वह नोबेल शांति पुरस्कार पाने के उतावलेपन के मद्देनजर लगातार झूठा और खोखला दावा करते रहे। बहरहाल रूस-यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में राष्ट्रपति ट्रंप ने गंभीर शांति-प्रयास किए हैं, यह रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी मानते हैं। पुतिन का यह भी मानना है कि नोबेल पुरस्कार अब अपनी प्रतिष्ठा खो चुके हैं। ट्रंप कंबोडिया, थाईलैंड, अर्मीनिया आदि देशों के युद्धों पर भी नकली दावे करते रहे हैं। ईरान-इजरायल युद्ध के दौरान, यदि, अमरीका अपनी भारी और विनाशकारी बमबारी न करता, तो न जाने उस युद्ध के नतीजे क्या होते? ईरान-इजरायल की व्यापक तबाही और बर्बादी हो सकती थी! प्रख्यात उपन्यासकार जॉर्ज ओरवेल ने अपने उपन्यास '1984' में एक विरोधाभासी नारा लिखा था- युद्ध ही शांति है। स्वतंत्रता गुलामी है। युद्ध की स्थिति में नागरिक शांति और सुरक्षा का अनुभव करते हैं। ऑरवेल यह भी कहना चाहते थे कि दरअसल शांति ही युद्ध है। दक्षिण अमरीकी देश वेनेजुएला में विपक्ष की नेता और तानाशाही ताकतों के खिलाफ लोकतंत्र के लिए लडऩे वाली मारिया मचाडो को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए चुना गया है। ऑरवेल के कथन को उनके संदर्भ में भी देखा जाना चाहिए। बहरहाल इस साल नोबेल शांति के लिए 338 नामांकन स्वीकारे गए। राष्ट्रपति ट्रंप! यह याद रखें कि यदि आपने किसी भी युद्ध को समाप्त कराने की कोशिश भी की है, तो यकीनन वह निस्वार्थ सेवा है। इस पर सोचते हुए आप अपने शांति-प्रयासों पर गर्व महसूस कर सकते हैं। नोबेल कमेटी भी 2026 में सोचने को बाध्य होगी कि वाकई शांति के लिए गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं। यदि फिलिस्तीन की गाजा पट्टी में वाकई युद्धविराम लागू हुआ है। पीड़ित, उजड़े हुए लोग अपने घरों को लौट रहे हैं। फिलिस्तीनी और इजरायली लोगों के चेहरों पर खुशी और राहत साफ दिख रही हैं, तो उसका बुनियादी श्रेय राष्ट्रपति ट्रंप को दिया जाना चाहिए। उन्होंने ही कूटनीति और दबाव से अरब देशों को मनाया, शांति समझौते के लिए तैयार किया और इजरायल, हमास को भी अपने सूत्र मानने को विवश किया। गाजा में करीब 2 लाख टन बारूद विस्फोटित किया जा चुका है। हिरोशिमा पर जो परमाणु बम गिराया गया था, वैसे 13 परमाणु बमों से विनाश किया जा चुका है। प्रत्येक 10 में से 1 आदमी की या तो मौत हो चुकी है अथवा वह घायल है। 64,000 से अधिक मौतें हुई हैं। औसतन 10 में से 9 लोग बेघर हैं। संयुक्त राष्ट्र के डाटा के मुताबिक, 1,02,067 इमारतें तबाह हो चुकी हैं। 10 में से 9 घर मिट्टी-मलबा हो चुके हैं। खेतों की औसतन 10 में से 8 एकड़ जमीन बंजर हो चुकी है। करीब 5.4 करोड़ टन मलबा हटाने में कमोबेश 10 साल लग सकते हैं। करीब 90 फीसदी साफ पानी और ड्रेनेज बर्बाद हो चुके हैं। औसतन 6 लीटर पानी प्रतिदिन प्रति व्यक्ति के लिए शेष है। 38 में से 25 बड़े अस्पताल मलबा हो चुके हैं। यदि ऐसे इलाके में शांति बहाल कराई जाती है, राहत सामग्री लगातार मिलती है, हमास और इजरायल अपने वायदों को निभाते हैं, तो शांति पुरस्कार ऐसे विराट काम के सामने बौना है। बहरहाल इस बार ट्रंप के बजाय किसी और को शांति का नोबेल देने का तात्पर्य यह भी है कि इस मामले में स्वतंत्र चयन की सोच रहती है।

राष्ट्रपति ट्रंप निराश न हों और गुस्से में 'व्हाइट हाउस' से तल्ख प्रतिक्रियाएं बंद होनी चाहिए। नोबेल पुरस्कार के बीते 125 सालों में, सिर्फ 143 पुरुषों और महिलाओं को छोड़ कर, असंख्य दावेदार यह पुरस्कार हासिल करने में नाकाम रहे हैं। वे पराजित नहीं हुए और न ही बैठ गए, बल्कि अपने मिशन में पागलों की तरह जुट गए। अंतत: कुछ नोबेल पुरस्कार पाने में सफल रहे। बेशक नोबेल पुरस्कार सर्वोच्च और दुर्लभ सम्मान है, तो अमरीकी राष्ट्रपति होना भी 'दुर्लभतम' है। अमरीकी समाज में लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की आजादी और विरोध-प्रदर्शन करने का संवैधानिक अधिकार भी 'सर्वोच्च स्तर' का है। राष्ट्रपति के खिलाफ भी आंदोलित भीड़ सडक़ों पर सामान्य तौर पर देखी जा सकती है। लिहाजा राष्ट्रपति ट्रंप तालियां बजाएं और खुश रहें और युद्ध समाप्त करवा शांति स्थापित कराने, असंख्य जिंदगियां बचाने और प्रताड़ित, पीड़ित, विस्थापित लोगों के पुनर्वास के अत्यंत मानवीय मिशन में जुट जाएं।

कुछ अलग

फटे लिफाफे की पीड़ा

वहां बहुत सारे फटे हुए लिफाफे उस दिन एक-दूसरे के आंसू पौंछ रहे थे। वे सभी अब बेकार और व्यर्थ थे, क्योंकि इनके भीतर से उपहार के पैसे बाहर निकल गए थे। पैसों से भरे लिफाफों की देह भाषा बड़ी नाजुक होती है। जिसने दिया वह इसकी कितनी भी रक्षा कर ले, लेकिन जिसे मिलता है, उसके हाथ में जाते ही कमबख्त टुकड़े-टुकड़े हो जाता है। लिफाफे भी खूब आंख मिचौनी करते हैं। एक-दूसरे से छुप कर खुद की बात करते हैं। लिफाफे आपस में घुलते-मिलते नहीं। अपनी-अपनी अकड़ में रहते हैं। न्याय और निर्णय का भी अब कोई न कोई लिफाफा बंद होने लगा है। फटे हुए लिफाफों को यह समझ नहीं आ रहा था कि उनके बीच सबसे सभ्य, सुशील और धैर्यवान कौन है। वे बहस करने लगे। दफ्तर में चलने वाले लिफाफे ने कहा, 'मैं ही हूं सर्वगुण संपन्न। न देने वाले और न ही मुझे स्वीकार करने वाले के बीच कभी मत भिन्नता हुई। मैं अलिखित समझौतों का वारिस हूं, फिर भी सारे कार्य मेरे कारण ही होते हैं।' दफ्तरी लिफाफा दादागिरी दिखा रहा था। उसने बाकायदा लिफाफों के बीच अपनी सत्ता बना रखी थी। उसके सामने शगुन के लिफाफे खामोश थे। देखने में अति सुंदर और अदब से भरे हुए। उनमें से अधिकांश साबुत थे, लेकिन शांत थे। एक नेता का जन्मदिन मनाकर लौटा शगुन का लिफाफा खुद को नहीं रोक पाया, 'भाई यह मत भूलो कि केवल दफ्तरी लिफाफा ही भारी होता है। हम भी अब नेताओं, सरकारी अफसरों और नौकरशाहों के जन्मदिन, बच्चों की शादियों या शादी की सालगिरहों पर वजन में भारी होने लगे हैं।' शगुन के अन्य फटे जैसे लिफाफे उसे रोक रहे थे। वे तमाम लिफाफों में भाईचारा चाहते थे।

दृष्टि कोण

मुक्त व्यापार समझौतों की नई अहमियत

इस समय भारत के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से निर्यात और निवेश बढने का अभूतपूर्व परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। यह बात महत्वपूर्ण है कि भारत के द्वारा मोदी सरकार के कार्यकाल के दौरान मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ऑस्ट्रेलिया के साथ किए गए एफटीए की प्रगति से संबंधित जो नए आंकड़े प्रकाशित हुए हैं, उनके मुताबिक जहां इन देशों के साथ व्यापार तेजी से बढ़ा है, वहीं इन देशों में निर्यात भी बढ़े हैं। हाल ही में 8-9 अक्टूबर को भारत दौरे पर आए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ विगत 24 जुलाई को भारत और ब्रिटेन (यूके) के बीच एफटीए के विभिन्न पहलुओं पर महत्वपूर्ण रणनीतिक विचार मंथन किया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीएर स्टार्मर ने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच एफटीए से मिलने वाले अवसर बेजोड़ होंगे। भारत के साथ एफटीए आर्थिक वृद्धि का लांचपैड है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। गौरतलब है कि भारत में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एफटीए को मंजूरी दे दी है, अब ब्रिटेन के द्वारा संसद की मंजूरी ली जाएगी। इसी तरह भारत और ओमान के बीच एफटीए को लेकर बातचीत पूरी हो चुकी है और जल्द ही दोनों के बीच एफटीए पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। इतना ही नहीं, वर्ष 2025 के अंत तक यूरोपीय यूनियन के साथ एफटीए लागू होने की पूरी संभावना है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि इस समय भारत तेजी से नए एफटीए की ओर कदम बढ़ाने की रणनीति के साथ आगे बढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि एक अक्टूबर से भारत और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के बीच एफटीए लागू हो गया है। इस व्यापार समझौते पर 10 मार्च 2024 को हस्ताक्षर किए थे, लेकिन प्रक्रिया संबंधी औपचारिकताओं के कारण यह समझौता अब लागू हुआ है। वस्तुतः मुक्त व्यापार समझौता दो या दो

से अधिक देशों के बीच एक ऐसी व्यवस्था है जहां वे साझेदार देशों से व्यापार की जाने वाली वस्तुओं पर सीमा शुल्क को खत्म कर देते हैं या कम करने पर सहमत होते हैं। भारत और एफ्टा देशों के बीच लागू हुआ यह व्यापार समझौता यूरोप के एक महत्त्वपूर्ण आर्थिक ब्लॉक के साथ भारत के विदेश व्यापार को नई दिशाएं देगा। इस समझौते के तहत भारत ने एफ्टा देशों की 80-85 प्रतिशत वस्तुओं पर शुल्क शून्य किया है। इसके बदले में भारत को 99 प्रतिशत वस्तुओं पर शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच मिलेगी। जहां कृषि, डेयरी, सोया व कोयला सेक्टर को इस व्यापार समझौते से दूर रखा गया है, वहीं प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम से जुड़े सेक्टर के लिए भी भारतीय बाजार को नहीं खोला गया है। यह भी महत्वपूर्ण है कि ग्रीन व विंड एनर्जी, फार्मा, फूड प्रोसेसिंग, केमिकल्स के साथ उच्च गुणवत्ता वाली मशीनरी के क्षेत्र में एफ्टा देश भारत में निवेश करेंगे जिससे इन सेक्टर में हमारा आयात भी कम होगा और भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने में मदद मिलेगी। निःसंदेह भारत के हिसाब से इस व्यापार समझौते का सबसे बड़ा लाभ एफ्टा देशों से मिली निवेश प्रतिबद्धता है। अब यह समझौता लागू होने के बाद आगामी 10 वर्षों के भीतर एफ्टा देशों से भारत में 50 अरब डॉलर का निवेश और अगले 5 वर्षों में अतिरिक्त 50 अरब डॉलर निवेश की उम्मीद है। इससे 15 वर्षों में भारत में 10 लाख प्रत्यक्ष नौकरियों के सृजन की आस है। बहरहाल भारत ने ऐसा पहला समझौता किया है, जिसमें बाजार तक पहुंच निवेश से जुड़ी हुई है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। आपके जीवन–साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है। आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको दूसरों से आगे रखने में मदद करेगा। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं। जब आपका जीवनसाथी जब सारे मनमुटाव भुलाकर प्यार के साथ आपके पास फिर आएगा, तो जीवन और भी सुन्दर लगेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। आज कार्यालय में आपको कुछ अच्छा समाचार सुनने को मिल सकता है। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपके माता–पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज का दिन बहुत ख़ूबसूरत रहेगा। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। यह आपके पूरे वैवाहिक जीवन के सबसे ज़्यादा स्नेहपूर्ण दिनों में से एक हो सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। पारिवारिक तनावों को अपना ध्यान भंग न करने दें। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आज आप दिये गये काम को तय वक्त से पहले ही पूरा कर सकते हैं। आज अपने प्रेमी के साथ वक्त बिता पाएंगे और उनके सामने अपने जज्बातों को रख पाएंगे। अपने जीवनसाथी की नुक़्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। मानसिक स्पष्टता आपको व्यवसाय में प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। आप सारी पुरानी दुविधाएँ ख़त्म करने में भी सफल रहेंगे। चीज़ों और लोगों को तेज़ी–से परखने की क्षमता आपको दूसरों से आगे बनाए रखेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी आज आप अपने लिए समय निकालपाने में सक्षम होंगे। आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक ख़ूबसूरत बदलाव से गुज़रेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आने की वजह से यह प्लान कामयाब नहीं हो पाएगा जिसकी वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। घर के छोटे सदस्यों के साथ गप्पें लगाकर आज आप अपने खाली समय का अच्छा इस्तेमाल कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अचानक आए ख़र्चे आर्थिक बोझ बढ़ा सकते हैं। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपका रचनात्मक काम आस–पास के लोगों को अचरज में डाल देगा और आपको काफ़ी सराहना मिलेगी। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे। जीवनसाथी से आपको अपने दिल की सारी बातें करने का भरपूर समय मिलेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे–छोटे तोहफ़े लोगों को दें। कारोबारी जितना हो अपने कारोबार से जुड़ी बातों को किसी से शेयर न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप बड़ी मुश्किल में पड़ सकते हैं। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खुबियों पर गौर फर्माएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। व्यक्तिगत मामलों को सुलझाते समय उदारता दिखाएँ, लेकिन अपनी ज़ुबान पर क़ाबू रखें ताकि उन्हें चोट न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। पदोन्नति की काफ़ी संभावना है। आप अपनी ख़ुशी दुगनी करने के लिए सहकर्मियों से बांट सकते हैं। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। मुश्किल हालात से उबरने में आपके जीवनसाथी की तरफ़ से ज़्यादा सहयोग नहीं हासिल होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास अपनी सेहत को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। दिन के दूसरे हिस्से में आप आराम करना और अपने परिवार के साथ समय बिताना पसंद करेंगे। जो भी बोलें, सोच–समझकर बोलें। क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दरार पैदा कर सकते हैं। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। आज कार्यालय में आपको कुछ अच्छा समाचार सुनने को मिल सकता है। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। सम्भव है कि आपके जीवनसाथी की वजह से आपकी प्रतिष्ठा को थोड़ी ठेस पहुँचे।

आज का पंचांग

दिनांक : 13 अक्टूबर 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक ,कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी दोपहर 12:26 तक
नक्षत्र : आर्द्रा दोपहर 12:27 तक
योग : परिघ प्रातः 08:09 तक
करण : बव दोपहर 12:26 तक
चन्द्रराशि : मिथुन
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 05:55 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 06:01 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 05:54 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 05:47 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– अहोई अष्टमी व्रत , कालाष्टमी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान में तीन नए कानून समय पर न्याय देने का काम करेंगे: अमित शाह

जयपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजस्थान में नए आपराधिक कानूनों पर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि 160 साल पुराने कानून को समाप्त कर केंद्र सरकार जो तीन नए कानून लाई है, उनके माध्यम से 2027 के बाद जो भी एफआईआर होगी, उस पर तीन साल के अंदर ही सुप्रीम कोर्ट तक न्याय दिलाने की व्यवस्था इस कानून से हो जाएगी। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा, तीन नए कानून सभी को सरलता से और समय पर सुलभ न्याय देने का कार्य करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को 'ईज ऑफ लिविंग' दिया है और इन कानूनों से 'ईज ऑफ जस्टिस' भी मिलेगा। हमारी न्याय प्रणाली अब दंड के स्थान पर न्याय के सिद्धांत पर कार्य करेगी। उन्होंने अपील करते हुए कहा, आपराधिक न्याय से जुड़े लोगों को मेरा विनम्र अनुरोध है कि राजस्थान में लगाए गए तीन नए कानूनों पर आधारित प्रदर्शनी जरूर देखें।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में सजा दिलाने की दर पहले महज 42 प्रतिशत थी। तीन नए कानून लागू हुए सिर्फ एक साल ही हुआ है और यह दर बढ़कर 60 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। अमित शाह ने कहा, जब इनका पूर्ण रूप से इंप्लीमेंटेशन हो जाएगा, तब सजा दिलाने की दर 90 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। इन कानूनों में सभी प्रकार की वैज्ञानिकता की व्यवस्था की गई है।

उद्घाटन भाषण में केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, तीन नए कानूनों में 29 से अधिक स्थानों पर समय–सीमा भी निर्धारित की गई है। 90 दिनों में पीड़ित को अपडेट देना अनिवार्य है। 14 दिनों में पुलिस रिपोर्ट की प्रति पीड़ित को देनी होगी। 60 दिन और 90 दिन में चार्जशीट दाखिल करनी होगी। अमित शाह ने कहा कि आपराधिक न्याय प्रणाली में मोदी सरकार के सुधार 21वीं सदी के सबसे बड़े रिफॉर्म्स हैं। इसके लागू होने के बाद हमारी न्याय प्रणाली पूरी दुनिया में सबसे आधुनिक बन जाएगी।

डॉ. अरुण चतुर्वेदी को दुबई में मिला राजस्थान रत्न अवार्ड

जयपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी को दुबई में आयोजित भव्य समारोह में 'राजस्थान रत्न अवार्ड–2025' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें समाजसेवा, लोककल्याण तथा राजस्थान के समग्र विकास के प्रति उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। राजस्थान बिज़नेस एंड प्रोफेशनल ग्रुप (आरबीपीजी) दुबई एवं राजस्थान फाउंडेशन दुबई चैप्टर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दिवाली उत्सव 2025 कार्यक्रम के दौरान डॉ. चतुर्वेदी को यह सम्मान प्रदान किया गया।

डॉ. चतुर्वेदी के नेतृत्व में राजस्थान राज्य वित्त आयोग ने पंचायतों और नगरीय निकायों को सशक्त बनाने, वित्तीय संसाधनों के न्यायसंगत वितरण तथा स्थानीय निकायों के विकास को गति देने के लिए कई अभिनव पहल की हैं। वित्तीय विकेंद्रीकरण की दिशा में आयोग द्वारा किए जा रहे कार्यों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिल रही है। राजस्थान फाउंडेशन के अध्यक्ष अमरा राम जांगिड़ ने बताया कि इस अवसर पर दुबई में पिछले 75 वर्षों से राजस्थान मूल के लोगों की सहायता कर रहे श्री वासु श्रॉफ, तथा बीएनडब्ल्यू डेवलपर्स के मालिक एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट अंकुर अग्रवाल को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 'प्रवासी सम्मान अवार्ड–2025' से सम्मानित किया गया। आरबीपीजी अध्यक्ष हरिकिशन रांकावत ने कहा कि डॉ. अरुण चतुर्वेदी को समाज कल्याण, शिक्षा और सुशासन के क्षेत्र में उनके समर्पण के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया है।

कार्यक्रम में दुबई में भारत के कॉन्सुल जनरल सतीश शिवन, आरबीपीजी चेयरमैन लालाराम, बोर्ड डायरेक्टर डॉ. केसर कोठारी, उपाध्यक्ष डॉ. रोमित पुरोहित सहित संगठन के सभी ट्रस्टी एवं लगभग 1200 प्रवासी राजस्थानी डॉक्टर, इंजीनियर, चार्टर्ड अकाउंटेंट और उद्योगपति परिवार उपस्थित रहे।

राजस्थान अध्ययन दल ने डेनमार्क में मनीष प्रभात से की मुलाकात

जयपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। किसानों की क्षमता वृद्धि के लिए नॉलेज एनहांसमेंट प्रोग्राम के तहत पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत के नेतृत्व में पंचायती राज व ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटा राम देवासी, पशुपालन राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम सहित प्रदेश के 38 प्रगतिशील किसानों का दल तीन मंत्रियों के नेतृत्व में इन दिनों डेनमार्क दौरे पर है। डेनमार्क में यह दल वहां कृषि और पशुपालन की नई तकनीकों और नवाचारों के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहा है।

अध्ययन दल ने डेनमार्क प्रवास के दौरान भारत के राजदूत मनीष प्रभात से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर दोनों पक्षों के बीच कृषि, पशुपालन, जल प्रबंधन और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में आपसी सहयोग एवं ज्ञान–विनिमय पर विस्तृत चर्चा हुई।

अंता विधानसभा उपचुनाव के लिए अधिसूचना जारी, नामांकन प्रक्रिया शुरू

जयपुर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत निर्वाचन आयोग ने अंता विधानसभा उपचुनाव के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। इसके साथ ही अंता विधानसभा क्षेत्र में रिटर्निंग अधिकारी की ओर से सार्वजनिक सूचना जारी की गई है और उम्मीदवारों के लिए नामांकन की प्रक्रिया सोमवार 13 अक्टूबर से ही शुरू हो गई है। पहले दिन इंडियन नेशनल कांग्रेस की तरफ से प्रमोद जैन ने नामांकन पत्र दाखिल किया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि चुनाव के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 21 अक्टूबर है। नामांकन–पत्र अंता के रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय में प्रतिदिन सुबह 11 बजे से 3 बजे के बीच प्रस्तुत किए जा सकेंगे। रविवार 19 अक्टूबर एवं 20 अक्टूबर को दीपावली का सार्वजनिक अवकाश होने के कारण नामांकन दाखिल नहीं किए जा सकेंगे। नामांकन–पत्रों की संवीक्षा गुरूवार 23 अक्टूबर को होगी और नाम वापस लेने की आखिरी तारीख सोमवार 27 अक्टूबर तय की गई है। जारी अधिसूचना के अनुसार, अंता विधानसभा क्षेत्र के लिए आवश्यक होने पर मतदान 11 नवम्बर को होगा। मतदान की प्रक्रिया सुबह 7 बजे शुरू होकर शाम 6 बजे संपन्न होगी। 14 नवम्बर को मतों की गिनती की जाएगी। घोषित कार्यक्रम के अनुसार, उपचुनाव की समस्त प्रक्रिया 16 नवम्बर तक पूरी होगी।

महाजन ने बताया कि नामांकन के समय अभ्यर्थी सहित अधिकतम 5 व्यक्तियों को रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय में प्रवेश की अनुमति होगी। कार्यालय परिसर के 100 मीटर की परिधि में एक अभ्यर्थी केवल 3 वाहनों के साथ प्रवेश कर सकेंगे। अभ्यर्थी निर्धारित प्रारूप में पूर्ण भरा हुआ नामांकन–पत्र और शपथ–पत्र प्रस्तुत करेंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी महाजन ने बताया कि अंता विधान सभा उपचुनाव–2025 की निगरानी के लिए 12 स्टेटिक सर्विलांस टीम और 12 उड़न दस्ते तैनात किए हैं। क्षेत्र में चेक पोस्टों का निर्माण कर दिया गया है, जहाँ डडढ(स्थैतिक निगरानी दल) दलों द्वारा वाहनों की सतत चौकिंग की जा रही है। उड़न दस्तों द्वारा भी आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन एवं अवैध गतिविधियों की शिकायत पर तत्काल संबंधित स्थल पर जाकर कार्यवाही की जा रही है। व्यय अनुवीक्षण तंत्र द्वारा राजनैतिक दलो एवं अभ्यर्थीयों द्वारा चुनाव प्रचार एंव अन्य गतिविधियों पर किये जाने वाले समस्त व्यय पर सघन निगरानी रखी जा रही है। अब तक लगभग 35 लाख रूपए की जब्ती की जा चुकी है।

पूरन कुमार के परिजनों से मिले दीपेंद्र हुड्डा दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

चंडीगढ़, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के सीनियर आईपीएस वाई. पूरन कुमार सुसाइड केस को लेकर सियासी हलचल तेज होती जा रही है। एक–एक कर सभी राजनीतिक दलों के नेता आईपीएस वाई. पूरन कुमार के परिजनों से मिलने चंडीगढ़ पहुंच रहे हैं और मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। इस क्रम में कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा भी वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार के घर पहुंचे। उन्होंने कहा कि यह घटना दुखदाई है। देश में डरावना माहौल बना हुआ है। एक सीनियर आईपीएस अधिकारी को ऐसे हालातों में लाया जाता है कि उनको आत्महत्या जैसा कदम उठाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यह मामला सबसे गंभीर है। जिस तरह से लोगों पर आरोप लगाया जा रहा है वह सोचने वाली बात है। इसकी निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच की जाए जिससे आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए। जब परिवार जांच से संतुष्ट होगा तभी मामले की सही जांच हो पाएगी।

सरकार पर निशाना साधते हुए दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि इस मामले में बड़े अधिकारियों को आरोपी बनाया गया है। इसलिए भी इसकी जांच को कोई प्रभावित न कर पाए इसका विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। प्रदेश में वरिष्ठ आईपीएस के आत्महत्या करने पर सरकार को जवाब देना चाहिए।उन्होंने कहा कि कांग्रेस वाई पूरन कुमार के परिवार के साथ खड़ी है। कांग्रेस पार्टी सरकार से मांग करती है कि जल्द से जल्द जांच कराकर आरोपियों को गिरफ्तार करें। कांग्रेस सांसद ने कहा कि सरकार की तरफ से निष्पक्ष जांच होगी तभी लोगों का विश्वास सरकार पर बना रहेगा, अभी तक जो जांच हुई है उससे किसी को संतुष्टि नहीं मिली है।इससे पहले रविवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आईपीएस की पत्नी को चिट्ठी लिखी थी, जिसमें उन्होंने आईपीएस पूरन कुमार आत्महत्या मामले को लेकर परिवार को ढांढस बंधवाया और घटना की निंदा भी की थी।

वाई पूरन कुमार प्रकरण

कांग्रेस और बसपा ने किया सरकार के खिलाफ प्रदर्शन, राष्ट्रपति को भेजा गया ज्ञापन

चंडीगढ़/यमुनानगर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस के एडीजीपी वाई पूरन कुमार की कथित आत्महत्या के मामले ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है। प्रदेशभर में इस प्रकरण को लेकर कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई न होने से दोनों दलों ने सड़कों पर उतरकर विरोध दर्ज कराया। कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन, रेणु बाला के नेतृत्व में रैली यमुनानगर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शनिवार को जोरदार प्रदर्शन किया। साडोरा से विधायक रेणु बाला, जिला शहरी कांग्रेस प्रधान देवेंद्र सिंह और जिला ग्रामीण प्रधान नरपाल सिंह गुर्जर के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने अनाज मंडी से जिला सचिवालय तक रैली निकाली।सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर सरकार विरोधी नारे लगाए और वाई पूरन कुमार को न्याय दिलाने की मांग की।कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह मामला सिर्फ एक अधिकारी की आत्महत्या का नहीं बल्कि प्रशासनिक अत्याचार और जातिवादी मानसिकता का उदाहरण है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार दोषियों को बचाने में लगी है और निष्पक्ष जांच से बच रही है।

रेणु बाला ने कहा कि यदि सरकार ने जल्द ही इस मामले की सीबीआई जांच नहीं कराई तो कांग्रेस राज्यव्यापी आंदोलन करेगी। इसी बीच, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने भी यमुनानगर में जिला सचिवालय के सामने धरना–प्रदर्शन किया।पूर्व प्रत्याशी साडोरा के नेतृत्व में बसपा कार्यकर्ताओं ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन जिला उपायुक्त को सौंपा।

नायब सिंह सैनी शेर–ए–पंजाब महाराजा रणजीत सिंह पुरस्कार से सम्मानित

चंडीगढ़, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को आज ग्लोबल पंजाबी एसोसिएशन की ओर से प्रतिष्ठित शेर–ए–पंजाब महाराजा रणजीत सिंह पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें उनके प्रेरणादायी नेतृत्व, सामाजिक सौहार्द के प्रति प्रतिबद्धता और हरियाणा के सिख समुदाय के कल्याण के लिए किए गए सतत प्रयासों की सराहना स्वरूप प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री ने चंडीगढ़ के सेक्टर 18 स्थित टैगोर थियेटर में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने श्री गुरु तेग बहादुर जी को नमन करते हुए कहा कि आज का यह अवसर मेरे लिए अत्यंत प्रेरणादायी और हृदयस्पर्शी है। जब हम हिंद की चादर नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर जी के जीवन पर आधारित पुस्तक के विमोचन के साक्षी बने हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने ग्लोबल पंजाबी एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक डॉ. इकबाल सिंह लालपुरा द्वारा लिखित हिंदी पुस्तक तिलक जंजू का राखा का विमोचन किया। यह पुस्तक सिखों के नौवें गुरु, श्री गुरु तेग बहादुर जी के जीवन, यात्राओं और अद्वितीय सर्वोच्च बलिदान का गहन शोधपूर्ण वृत्तांत है।

नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत के इतिहास में श्री गुरु तेग बहादुर जी, एक ऐसा नाम हैं, जिन्होंने मानवता की रक्षा और धर्म की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण तक न्योछावर कर दिए। जिस समय भारत में औरंगजेब का शासन था और हालात इतने नाजुक थे कि गुरु गद्दी पर बैठना शहंशाह से शत्रुता मोल लेना था। ऐसे संकट के समय में श्री गुरु तेग बहादुर जी ने निर्भीकता का परिचय देते हुए गुरु पद पर सेवा करना स्वीकार किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब औरंगजेब अपने ज़ोर–जुल्म के बल पर हिंदुओं को मुसलमान बनाने पर तुला था। उसने हिंदुओं के मंदिर ध्वस्त कर देने के आदेश जारी किए और नए मंदिरों के निर्माण पर पाबंदी लगा दी। जब कश्मीरी पंडितों को इस अन्याय का सामना करना पड़ा तो वे अपने धर्म की रक्षा के लिए श्री गुरु तेग बहादुर जी की शरण में आए। उनकी व्यथा सुनकर गुरु जी ने कहा कि यदि कोई महापुरुष अपना बलिदान दे तभी आपका धर्म बच सकता है। यह सुनकर 9 वर्ष के बालक गोबिंद राय (श्री गुरु गोबिंद सिंह जी) ने कहा कि 'पिता जी, आपसे बड़ा महापुरुष और कौन हो सकता है। आप अपना ही बलिदान क्यों नहीं देते।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी ने अपने पुत्र की बात सुनकर पंडितों से कहा कि जाओ औरंगजेब से कह दो कि, 'यदि गुरु तेग बहादुर इस्लाम स्वीकार कर लें तो हम सब स्वतः ही इस्लाम स्वीकार कर लेंगे'। हिंदू धर्म की रक्षा के लिए 11 नवम्बर, 1675 को श्री गुरु तेग बहादुर जी ने अपना शीश कुर्बान कर दिया। उन्होंने शीश दे दिया पर धर्म नहीं छोड़ा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब औरंगजेब ने दिल्ली के चांदनी चौक में श्री गुरु तेग बहादुर जी का शीश कलम करवा दिया था तो भाई जैता ने उनके शीश को श्री आनन्दपुर साहिब ले जाने का संकल्प लिया। जब मुगल सेना भाई जैता का पीछा कर रही थी तो उन्हें जिला सोनीपत के बढ़खालसा गांव में कुशाल नाम का एक गुरु शिष्य मिला। उसने भाई जैता को कहा कि मेरी शक्ल गुरु जी से मिलती है। इसलिए आप मेरा शीश उतारकर मुगल सेना को सौंप दें। इस तरह कुशाल ने अपना शीश कलम करवा दिया और भाई जैता गुरु जी का शीश श्री आनन्दपुर साहिब ले जाने में सफल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर 'आजादी का अमृत महोत्सव' में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 400वें प्रकाश वर्ष को देशभर में मनाया गया।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

चित्रकूट में ईसाई धर्मांतरण रैकेट का भंडाफोड़

बजरंग दल की सूचना पर 2 गिरफ्तार, एक फरार

चित्रकूट (यूपी), 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले में पुलिस ने रायपुरा थाना क्षेत्र के घुनुवा गांव में एक ईसाई धर्मांतरण रैकेट को नाकाम किया। यह कार्रवाई तब हुई जब विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने इलाके में हो रहे जबरन धर्मांतरण की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने दो पुरुषों को गिरफ्तार किया, जबकि एक आरोपी फरार हो गया। मौके से ईसाई धार्मिक साहित्य भी जब्त किया गया। बजरंग दल के जिला सह-समन्वयक शिवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि इलाके में करीब 40 प्रतिशत गरीब हिंदू पहले ही ईसाई मजहब में परिवर्तित हो चुके हैं। बजरंग दल की तरफ से पुलिस को जानकारी मिली कि घुनुवा गांव में भारत वर्मा के घर पर धर्मांतरण को लेकर बैठकें हो रही हैं। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने रायपुरा पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तुरंत घर पर छापा मारा और दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। कई लोग मौके से भाग निकले। शुरुआत में पुलिस ने पूछताछ के लिए सात लोगों को हिरासत

में लिया। शुरुआती पूछताछ के बाद चार ग्रामीणों को छोड़ दिया गया। तीन लोगों पर स्थानीय लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए पैसे देने का आरोप लगा। मौके से पुलिस ने कई नोटबुक और ईसाई मजहब से संबंधित धार्मिक सामग्रियां जब्त कीं।

छापे के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने शिकायत दर्ज कराई, जिसमें उन्होंने घुनुवा गांव के भारत वर्मा और रामविशाल तथा मौ थाना क्षेत्र के हटवा गांव के महेश पर आरोप लगाया कि वे करीब एक साल से उन्हें जबरन ईसाई मजहब अपनाने के लिए मजबूर कर रहे थे। आरोपितों ने पैसे देने के साथ-साथ हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां भी कीं। आरोपित गरीब हिंदू परिवारों को प्रभावित करने के लिए प्रार्थना बैठकें और बाइबल की कहानियां सुनाने के कार्यक्रम आयोजित कर रहे थे।

बजरंग दल के शिवेंद्र सिंह और अश्विनी तिवारी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत में बताया गया कि भारत वर्मा, रामविशाल और महेश की मदद से एक साल से अधिक समय से प्रार्थना बैठकें आयोजित कर रहा था। इन लोगों ने गरीब हिंदू परिवारों को पैसे देकर ईसाई मजहब में परिवर्तित किया। बैठकों के दौरान वे हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते और ईसा मसीह की तारीफ करते थे। पता चला कि चित्रकूट में कई ईसाई और इस्लामिक समूह धर्मांतरण रैकेट में शामिल हैं। स्थानीय गरीब हिंदू आबादी का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा पहले ही ईसाई धर्म में परिवर्तित हो चुका है। हम उनके लिए घर वापसी का प्रयास कर रहे हैं,

रायपुरा थाना के थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर विनोद शुक्ला ने पुष्टि की कि दो आरोपियो भारत वर्मा और रामविशाल सविता को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। तीसरा आरोपी महेश फरार हो गया है और उसे पकड़ने के लिए तलाश शुरू कर दी गई है। जब्त किए गए मजहबी साहित्य की जांच की जा रही है और ग्रामीणों के बयान दर्ज किए गए हैं। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि जांच में आरोपों की पुष्टि होने के बाद उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस मामले ने स्थानीय लोगों में चिंता पैदा कर दी है और दक्षिणपंथी समूह जिले में गैरकानूनी धर्मांतरण गतिविधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

मुस्लिम लड़की से शादी की तो हिंदू युवक पर किया जानलेवा हमला

मुजफ्फरनगर, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में जसोई गांव में एक युवक सूरज पर उसकी मुस्लिम बीवी के परिजनों ने लाठी-डंडों से जानलेवा हमला किया। यह हमला तब हुआ जब सूरज ठाकुर दुकान के काम से अपने भाई के साथ बाहर गया था। हमले में सूरज और उसके भाई गंभीर रूप से घायल हुए, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया और सूरज को मेरठ रेफर किया गया है। पुलिस ने बताया कि सूरज ठाकुर और अर्शी ने 1.5 साल पहले कोर्ट मैरिज की थी और उनकी एक बेटी भी है। युवती के परिजनों ने शादी को नागवार मानते हुए बदला लेने की योजना बनाई। हमले का पूरा घटनाक्रम पास की दुकान के सीसीटीवी में कैद हो गया है। यह सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रहा है। सूरज के परिवार ने हमलावर नसीम अलवी, वकार, नईम, कयूम, कैफ और अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया।

मौलाना ने हिंदू युवक का धर्मांतरण कर मुस्लिम युवती से कराया निकाह

प्रयागराज, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रयागराज में झूंसी थाना क्षेत्र में एक धर्मांतरण का मामला सामने आया है। आरोपी मौलाना हिदायतुल्लाह ने हिंदू युवक राम बिहारी का धर्म परिवर्तन कराकर उसका नाम ताज मोहम्मद रखा और मुस्लिम युवती सलमा से उसका निकाह करा दिया।

हिदायतुल्लाह भी मूल रूप से हिंदू था जिसने करीब 40 साल पहले इस्लाम धर्म अपना लिया और प्रयागराज आकर मौलाना बन गया। यहां वो मुस्लिम बच्चों को उर्दू पढ़ाने के साथ-साथ हिंदू युवकों को बहला-फुसलाकर धर्मांतरित कर मुस्लिम लड़कियों के साथ उनका निकाह करवाता था। मामला तब सामने आया जब झूंसी के एक अधिवक्ता ने पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने राम बिहारी का नाम बदलकर निकाह कराने की बात कबूल की। तलाशी में उसके पास से फर्जी निकाह सर्टिफिकेट, मुहरें और दस्तावेज बरामद हुए।

बरेली हिंसा प्रकरण: पेट्रोल बम से दहशत फैलाने वाला आरिफ गिरफ्तार

बरेली, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बरेली हिंसा के मामले में पुलिस ने फरार आरिफ को गिरफ्तार कर लिया। आरिफ ने ही 26 सितंबर को शाहमत गंज में हिंसा के दौरान पुलिस टीम पर पेट्रोल बम से हमला किया था। बरेली पुलिस ने कहा कि इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खान के उकसाने पर हुई हिंसा में आरिफ ने अहम भूमिका निभाई। उसके खिलाफ कई गंभीर आरोप दर्ज किए गए हैं। पूछताछ में आरिफ ने स्थानीय नगर पार्षद और तौकीर रजा के करीबी अनीस सकलैनी का सहयोगी होने की बात स्वीकार की। आरिफ ने कबूल किया कि अनीस ने उसे स्थानीय युवकों को विरोध प्रदर्शन में लाने का निर्देश दिया था, जहां उन्होंने भड़काऊ नारे लगाए थे। बारादरी थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएच-चओ) धनंजय पांडेय के अनुसार समूह ने हथियार लेकर इस्लामिया ग्राउंड की ओर मार्च करने की कोशिश की, लेकिन शाहमतगंज में पुलिस ने उन्हें रोक लिया। उन्होंने कहा कि आरिफ ने अन्य लोगों के साथ कथित तौर पर पुलिस अवरोधक तोड़ दिए और अधिकारियों से दुर्व्यवहार किया।

मीट कारोबारियों पर इनकम टैक्स का छापा

संभल, बरेली और हापुड़ में मीट माफियाओं के यहां ली गई तलाशी

लखनऊ, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश में मीट कारोबारियों पर इनकम टैक्स और जीएसटी की टीमों ने बड़ी कार्रवाई की है। सोमवार की सुबह संभल, बरेली और हापुड़ में एक साथ छापेमारी की गई। यह कार्रवाई दिल्ली से आई टीम ने की, जिसमें आयकर विभाग, सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और जीएसटी के अफसर शामिल थे।

छापेमारी के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पीएसी भी तैनात की गई थी। संभल में हाजी इमरान और हाजी इरफान के ठिकानों पर छापा पड़ा, जो कि इरफान इंडियन फ्रोजन फूड कंपनी का मालिक है। दोनों भाइयों का करीब एक हजार करोड़ रुपए का कारोबार बताया जा रहा है। टीम ने उसके घर और फैक्ट्री के साथ-साथ कंपनी के चार कर्मचारियों के घरों पर भी छापेमारी की।

वहीं बरेली में मीट कारोबारी शकील कुरैशी के मार्या फ्रोजन स्लॉटर हाउस पर छापा मारा गया। संभल में जिस बिल्डिंग में इंडियन फ्रोजन फूड चलती है, वह शकील कुरैशी की ही है। इसके अलावा हापुड़ में हाजी यासीन के घर और फैक्ट्री पर छापेमारी हुई। उसकी मीट फैक्ट्री गाजियाबाद में है। इसके अलावा हापुड़ में ही कारोबारी असलम कुरैशी और वकील नितिन गर्ग के घर पर भी छापा पड़ा है। ये दोनों हाजी यासीन की कंपनी से जुड़े हुए हैं।

बसपा नेता आकाश आनंद पर बौखलाए अखिलेश

लखनऊ, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

लखनऊ में बीते दिनों हुई बसपा की सफल रैली के बाद सपा नेता अखिलेश यादव बौखला उठे हैं। बसपा नेता आकाश आनंद पर अखिलेश निशाने साध रहे हैं।

बौखलाहट में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा-बसपा में अंदरूनी साठगांठ का आरोप लगाना शुरू कर दिया। यह भी कहा कि बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद की जरूरत भाजपा को ज्यादा है। इसे इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि आकाश आनंद बसपा में मायावती के उत्तराधिकारी के तौर पर लिए जाते हैं। वे मायावती के भतीजे हैं। बसपा प्रमुख मायावती ने 9 अक्टूबर को अपनी रैली में सपा के पीडीए अभियान पर खुलकर निशाना साधा था।

सपा और बसपा ने वर्ष 2019 का लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ा था और उसके बाद से अखिलेश यादव, मायावती या उनके परिवार के राजनीतिक सदस्यों पर सीधा हमला करने से बचते रहे हैं। इसलिए जब अखिलेश ने आकाश आनंद को लेकर अपने एक्स एकाउंट पर टिप्पणी की तो इसके राजनीतिक निहितार्थ तलाशे जाने लगे। इस बयान से साफ है कि सपा अध्यक्ष अब बहुजन समाज पार्टी पर सीधे राजनीतिक हमले के मूड में हैं। राजनीति के जानकार कहते हैं कि सपा अच्छी तरह समझती है कि वर्ष 2027 के चुनाव में सत्ता तक पहुंचने के लिए दलित मतदाताओं का साथ जरूरी है। कभी दलित वोट बैंक पर बसपा का दबदबा रहा है, लेकिन पिछले कुछ चुनावों में भाजपा ने इसमें अच्छी खासी सेंध लगाई। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा भी दलितों का वोट पाने में सफल रही।

इसलिए अखिलेश ने पार्टी नेताओं को दलितों के बीच सक्रियता बढ़ाने का न सिर्फ संदेश दिया है, बल्कि जहां कहीं भी दलितों के साथ अत्याचार हो रहा है, उसे प्रमुखता से उठाने का फैसला भी किया है। रायबरेली में वाल्मीकि युवक की हत्या इसका ताजा उदाहरण है। हालांकि, आकाश आनंद पर अखिलेश की टिप्पणी का भाजपा के किसी प्रमुख नेता की ओर से कोई जवाब नहीं आया है।

निजीकरण के खिलाफ बिजलीकर्मियों ने किया आर-पार की लड़ाई का ऐलान

लखनऊ, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

यूपी में बिजली के निजीकरण के प्रयास के खिलाफ बिजलीकर्मियों ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया है। राज्य विद्युत परिषद अभियंता संघ ने लखनऊ में रविवार को मंथन शिविर का आयोजन किया। इसमें संकल्प लिया गया कि निजीकरण प्रस्ताव किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसके खारिज होने तक लड़ाई जारी रहेगी। साथ ही दीपावली पर उपभोक्ताओं को भरपूर बिजली मुहैया कराने का संकल्प लिया गया। इसके लिए 16 अक्टूबर को सभी जिलों में संघ की आमसभा का निर्णय लिया गया।

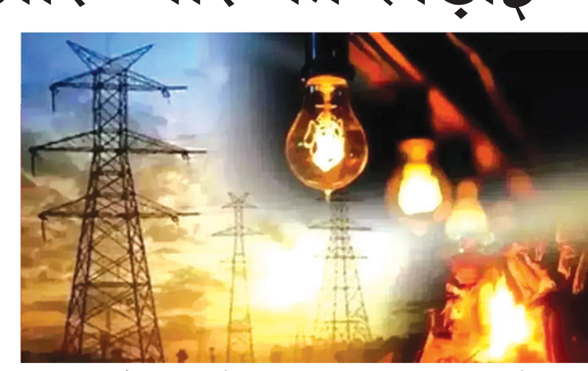

शिविर में अभियंताओं ने अब तक चले आंदोलन पर चर्चा की और पावर कारपोरेशन की कार्यप्रणाली की निंदा की। कहा, कारपोरेशन प्रबंधन उपभोक्ताओं के हितों की अनदेखी कर रहा है। कभी स्मार्ट मीटर तो कभी निजीकरण के नाम पर शोषण किया जा रहा है। इसका भी हर स्तर पर विरोध होगा। निजीकरण के विरोध में आंदोलन और तेज करने का निर्णय लिया गया। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के चेयरमैन शैलेंद्र दुबे ने पावर कारपोरेशन की ओर से पूर्वांचल व दक्षिणांचल निगमों के निजीकरण के बाद कर्मचारियों दिए जा रहे तीनों विकल्पों पर चर्चा की। इसके बाद सर्वसम्मति से तीनों विकल्पों को खारिज कर दिया गया। संघ के महासचिव जितेंद्र सिंह गुर्जर, आलोक श्रीवास्तव, जगदीश पटेल आदि ने लखनऊ की व्यवस्था फ्रेंचाइजी के जरिए चलाने की निंदा की।

प्रदेश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर विरोध के सुर तेज होते जा रहे हैं। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद सहित अन्य संगठनों ने इसका हर स्तर पर विरोध करने का ऐलान किया है। क्योंकि विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 47(5) में उपभोक्ताओं को दिए गए प्रीपेड और पोस्टपेड के विकल्प चुनने के अधिकार में किसी तरह के बदलाव का प्रस्ताव नहीं दिया गया है। इसके बाद भी बिजली कंपनियां संशोधन विधेयक का हवाला देकर उपभोक्ताओं के अधिकार का हनन कर रही हैं।

प्रदेश में अब तक लगभग 43.44 लाख स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए गए हैं। करीब 20.69 लाख उपभोक्ताओं के मीटर को बिना उनकी अनुमति लिए ही प्रीपेड में बदल दिया गया है। विभिन्न निगमों की ओर से उपभोक्ताओं को यह दलील दी जा रही है कि संशोधित विधेयक में प्रीपेड स्मार्ट मीटर अनिवार्य करने का प्रस्ताव दिया गया है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा का कहना है कि विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 47(5) में उपभोक्ताओं को प्रीपेड या पोस्टपेड मीटर का विकल्प चुनने का अधिकार है।

दो दिन पहले जारी संशोधन विधेयक 2025 के प्रस्ताव में इस अधिकार में बदलाव का कोई प्रस्ताव नहीं दिया गया है।

अलीगढ़ में करवा चौथ की रात को हुई अजीबोगरीब घटना

12 दुल्हनें ले उड़ीं 30 लाख से ज्यादा के जेवरात और नकदी

अलीगढ़, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

करीब दर्जनभर 12 युवकों की दुल्हन बनीं युवतियां करवा चौथ का पूजन करने के बाद जेवरात और नगदी लेकर गायब हो गईं। अभी तक चार परिवारों ने मुकदमे लिखवा दिए हैं जबकि बाकी आठ भी पुलिस के संपर्क में हैं।

पुलिस का कहना है कि दुल्हनें 30 लाख से अधिक का माल उड़ा ले गईं हैं। पुलिस की टीमें दुल्हनों के घर रवाना हुई हैं। कुछ दुल्हनें बिहार की हैं और कुछ पूर्वी उत्तर प्रदेश की। करवा चौथ के दिन सभी दुल्हनों ने ससुरालियों द्वारा भेंट किए गए जेवरात पहने। महंगी-महंगी साड़ियां भी सबों को दी की गई थीं। इन सभी ने करवा चौथ का व्रत भी रखा था। रात को चांद देखकर व्रत का परायण किया। घरों में पकवान बनाए गए।

इगलास के तीन और अलीगढ़ शहर के एक परिवार द्वारा जो रिपोर्ट दर्ज कराई गई है उसमें कहा गया है कि खाना खाने के बाद परिवार के सभी लोग गहरी नींद में सो गए। उनकी आंख सुबह को ही खुली। उस समय घर पर न तो दुल्हन ही थी और न उसे दिए गए जेवरात।

सासनी गेट के निहाल शर्मा ने दर्ज कराए मुकदमे में कहा है कि उनके बेटे प्रतीक से शादी करने वाली युवती घर से 4 लाख रुपए का कैश और छह लाख रुपए से अधिक के जेवरात ले गई है। वहीं इगलास के मुहल्ला कैलाश नगर के वीर सिंह ने बताया कि उनके बेटे प्रेमवीर से शादी करने वाली दुल्हन दो लाख के जेवरात लेकर गायब हो गई। भौंरा गौरवा के प्रवीन उर्फ कालू और रनवीर उर्फ नैहना ने दर्ज कराए मुकदमे में दो- दो लाख के जेवरात ले जाने की बात कही है। अभी मुकदमे चार परिवारों की तरफ से दर्ज कराए गए हैं। वहीं पुलिस जांच में अन्य आठ परिवारों से भी दो-दो लाख रुपए के जेवरात ले जाने का अनुमान लगाया जा रहा है।

सीओ (प्रथम) मयंक पाठक ने कहा कि शनिवार को दर्ज हुए पहले मुकदमे में नामजद इगलास निवासी मुकेश की पत्नी से पूछताछ की जा रही है। यह महिला बिहार की है। इससे पूछताछ कर भागीं लुटेरी दुल्हनों के पते, मोबाइल नंबर, भागने के ठिकानों आदि के बारे में पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। उसी आधार पर आज एक टीम बिहार भेजी जाएगी। बिचौलिये की भी तलाश की जा रही है।

होमगार्ड बनने के नियमों में हुआ बदलाव

शासकीय और अर्द्ध शासकीय कर्मी आवेदन नहीं करेंगे

लखनऊ, 13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

यूपी में होमगार्ड बनने के नियमों में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। अब सार्वजनिक, शासकीय व अर्ध शासकीय सेवाओं में नियमित रूप से कार्यरत व्यक्ति आवेदन नहीं कर सकेंगे। नए नियम के तहत अब प्रदेश में होने वाली 44 हजार पदों पर होमगार्ड स्वयंसेवकों की भर्ती में सार्वजनिक, शासकीय व अर्ध शासकीय सेवाओं में नियमित रूप से कार्यरत व्यक्ति आवेदन नहीं कर सकेंगे। पहले ऐसे कर्मी होमगार्ड बनने के लिए पात्र होते थे। होमगार्ड विभाग ने इसमें बदलाव करने का प्रस्ताव शासन को भेजा है। इसे मंजूरी मिलने के बाद सार्वजनिक, शासकीय एवं अर्द्धशासकीय सेवाओं में कार्यरत कर्मी होमगार्ड भर्ती के लिए बनने वाले एनरोलमेंट बोर्ड में आवेदन के लिए पात्र नहीं होंगे।

होमगार्ड भर्ती के लिए एनरोलमेंट की प्रक्रिया भी तय कर दी गई है। इसके आवेदन जिलेवार ऑनलाइन लिए जाएंगे। एनरोलमेंट वास्तविक रिक्तियों के सापेक्ष होगा जिससे लाखों युवाओं को आवेदन करने का मौका मिलेगा। होमगार्ड विभाग द्वारा तैयार की नई नियमावली में केंद्रीय स्तर पर एनरोलमेंट बोर्ड के गठन कर आवेदन लेने की व्यवस्था की गई है जिसमें 18 वर्ष से 30 वर्ष की आयु वाले ही आवेदन कर सकेंगे। सिर्फ पात्र व्यक्तियों को ही आयु सीमा में छूट दी जाएगी। यदि रिक्तियों की संख्या 11 हजार से अधिक है तो बोर्ड द्वारा वास्तविक रिक्तियों के सापेक्ष आवेदन लिया जाएगा।

आवेदक जिस जिले का निवासी है उसका जिले की रिक्ति के सापेक्ष आवेदन लिया जाएगा। किसी न्यायालय में आपराधिक मुकदमा विचाराधीन होने पर भी वह आवेदन नहीं कर सकेगा। केंद्र सरकार या किसी राज्य सरकार या किसी स्थानीय प्राधिकारी द्वारा अथवा इन दोनों के स्वामित्व एवं नियंत्रणाधीन किसी निगम या निकाय द्वारा बर्खास्त व्यक्ति भी आवेदन नहीं कर सकेगा।

दरअसल, होमगार्ड संगठन की स्थापना के बाद यह प्रतिष्ठित सेवाओं में शुमार थी। डॉक्टर, प्रोफेसर, पत्रकार समेत तमाम अन्य सेवाओं में कार्यरत लोग वर्दी पहनकर जनता की सेवा करने के उद्देश्य से अल्पकालिक समय के लिए भर्ती होते थे। पहले होमगार्ड स्वयंसेवकों की भर्ती 50 वर्ष की आयु तक हो जाती थी जिससे इस सुविधा का लाभ तमाम लोग उठाते थे। बाद में इसमें भ्रष्टाचार की शिकायतें आने पर इस पर अंकुश लगाना शुरू कर दिया गया। अब नई नियमावली में इस व्यवस्था को पूरी तरह समाप्त करने की तैयारी है।

सूर्यकुमार और उनकी पत्नी ने महाकालेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना की

उज्जैन,13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव अपनी पत्नी देविशा शेट्टी के साथ रविवार को उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना के लिए पहुंचे। सूर्यकुमार और देविशा यहां दिव्य संध्या आरती में भी शामिल हुए। सूर्यकुमार और देविशा ने बाबा महाकाल के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

इन्होंने संध्या आरती के दौरान मंदिर के नंदी हाल में भी कुछ समय बिताया और भगवान शिव की अराधना की। वहीं इससे पहले महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सूर्य कुमार का विधिवत स्वागत किया गया। मंदिर की परंपरा के अनुसार, उन्हें भगवान महाकाल का प्रसाद और स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस दौरान, मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और प्रशंसक भी उपस्थित थे जो उनकी एक झलक पाने का प्रयास कर रहे थे। सूर्यकुमार की कप्तानी में भारतीय टीम ने हाल ही में यूएई में हुए एशिया कप को जीता है। सूर्यकुमार कप्तान के तौर पर तो काफी सफल रहे हैं पर उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। पिछले कुछ समय से उनके बल्ले से रन नहीं आ रहे। ऐसे में अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले वह अपनी लय हासिल करने का प्रयास करेंगे।

विराट और रोहित 2027 एकदिवसीय विश्वकप खेलकर टीम को जीत दिलायें : रोहन जेटली

नई दिल्ली। दिल्ली क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली जेटली चाहते हैं कि विराट और रोहित शर्मा आगामी विश्व कप में साथ खेलें और देश को एक और आईसीसी ट्रॉफी जिताएं। विराट और रोहित अब केवल एकदिवसीय क्रिकेट ही खेलते हैं हालांकि बढ़ती उम्र को देखते हुए इन दोनो को विश्वकप के लिए टीम में जगह मिले ये अभी तय नहीं है। विश्व कप से पहले उन्हें कम ही एकदिवसीय खेलने को मिलेंगे। ऐसे में इन्हें अभ्यास के लिए घरेलू क्रिकेटर खेलने की सलाह दी गयी है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भी दोनों को विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते हुए देखना चाहती है। जेटली ने कहा कि ये विराट कोहली पर निर्भर करता है कि वह विजय हजारे ट्रॉफी खेलते हैं या नहीं। जेटली के अनुसार दिल्ली विराट का घर है और उन्हें यहां खेलने के लिए किसी से पूछने की आश्वयकता नहीं है। विराट दिल्ली की ओर से क्रिकेट खेलते रहे हैं। जेटली ने कहा, 'विराट दिल्ली के लिए विजय हजारे ट्रॉफी खेलेंगे या नहीं, वो समय के साथ पता चलेगा क्योंकि अभी विजय हजारे के लिए शिविर लगेंगे।

न्यूज ब्रीफ

किपलिमो की शिकागो मैराथन जीत पर युगांडा में जश्न

कंपाला। युगांडा के जैकब किपलिमो की ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे देश में खुशी की लहर दौड़ गई है। किपलिमो ने रविवार को शिकागो मैराथन 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार किसी युगांडाई खिलाड़ी के रूप में वर्ल्ड मैराथन मेजर का खिताब अपने नाम किया। किपलिमो ने 2 घंटे 02 मिनट 23 सेकंड का समय लेकर रेस पूरी की। उन्होंने केन्या के एमोस किपरूटो (2:03:54) और एलेक्स मसाई (2:04:37) को पीछे छोड़ते हुए यह ऐतिहासिक जीत दर्ज की। युगांडा की शिक्षा एवं खेल मंत्री जेनेट काताहा मुसवेनी ने 'एक्स' (पूर्व ट्विटर) पर बधाई संदेश में लिखा, बधाई हो जैकब, शिकागो में हमारे देश का झंडा ऊंचा लहराने के लिए! तुम्हारी जीत पूरे युगांडा के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत है। राज्य खेल मंत्री पीटर ओगवांग ने भी किपलिमो की उपलब्धि की सराहना की। उन्होंने कहा, किपलिमो ने एक बार फिर युगांडा का नाम रोशन किया है। हम उनके इस गौरवशाली पल का जश्न मना रहे हैं। किपलिमो, जो मौजूदा विश्व क्रॉस कंट्री चैंपियन हैं, ने इस साल की शुरुआत में लंदन मैराथन में अपना डेब्यू किया था और दूसरा स्थान हासिल किया था। शिकागो मैराथन दुनिया की छह प्रतिष्ठित वर्ल्ड मैराथन मेजर्स में से एक है। बाकी मैराथन बोस्टन, लंदन, बर्लिन, न्यूयॉर्क और टोक्यो में होती हैं।

घाना ने कोमोरोस को हराकर पांचवीं बार फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया

अकारा। घाना ने रविवार को अपने अंतिम क्वालिफायर मुकाबले में कोमोरोस को 1-0 से हराकर 2026 फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया। मैच में सिर्फ एक अंक की जरूरत होने के बावजूद घाना ने आक्रामक शुरुआत की। कोमोरोस, जिसने क्वालिफायर में घाना को एकमात्र हार दी थी, ने कड़ा मुकाबला पेश किया और तीसरे मिनट में ही गोल करने का मौका बनाया। हालांकि पहला हाफ गोलरहित रहा। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही टोटेनहम हॉटस्पर के मिडफील्डर मोहम्मद कुडुस ने 47वें मिनट में गोल दागकर लगभग 35 हजार दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस जीत के साथ घाना ने ग्रुप द्व में 25 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया। मदागास्कर 19 अंकों के साथ दूसरे और माली 18 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। वहीं कोमोरोस, सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक और चाड क्रमश: 15, 8 और 1 अंक के साथ पीछे रहे। घाना इससे पहले 2006, 2010, 2014 और 2022 में फीफा विश्व कप खेल चुका है। टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2010 में रहा था, जब वह क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी।

रमीज ने बाबर पर कसा तंज, सोशल मीडिया पर हुआ वायरल

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट हमेशा से ही विवादों में रहा है। इसी में अब एक और विवाद जुड़ गया है। पूर्व कप्तान रमीज राजा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में कमेंट्री के दौरान ही अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम के आउट होने पर तंज कस दिया। रमीज ने कहा कि ये आउट हैं पर ड्रामा जरुर करेगा। इस दौरान वह कमेंट्री बॉक्स में लगे माइक को बंद करना भूल गए। इससे ये बातें सभी ने सुन ली और और सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गयीं। यह मामला 49वें ओवर का था। उस समय बाबर 1 रन पर खेल रहे थे। तभी वह कैच आउट दिये गये। जैसे ही बाबर ने डीआरएस रिव्यू के लिए इशारा किया। रमीज ने कहा ये आउट हैं पर ड्रामा जरुर करेगा। वहीं रिप्ले में बाबर को आउट नहीं दिया गया। इस मैच में पाक ने सलामी बल्लेबाज इमाम-उल-हक और कप्तान शान मसूद के 161 रनों की सहायता से अच्छी शुरुआत की। इमाम 93 रन पर जबकि मसूद 76 रन पर पेवेलियन लौट गये। इसके बाद मध्य क्रम ढ़ह गया और पाक टीम ने 200 रनों के अंदर ही पांच विकेट गंवा दिये। बाबर इसके बाद खेलते रहे लेकिन 48 गेंदों पर केवल 23 रन बनाकर आउट हो गये। इसके बाद मोहम्मद रिजवान और सलमान आगा ने पारी को संभला। इन दोनो के बीच 114 रन की नाबाद साझेदारी हुई।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच चौथे दिन का खेल खत्म, क्लीन स्वीप के नजदीक टीम इंडिया

नई दिल्ली,13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत को दिल्ली टेस्ट जीतने के लिए 121 रनों का टारगेट मिला। मैच का नतीजा पांचवें दिन निकलेगा हालांकि, टीम इंडिया क्लीन स्वीप के करीब है। सोमवार को स्टंप तक भारत ने दूसरी पारी में 18 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 63 रन जोड़े। केएल राहुल (25) और साई सुदर्शन (30) नाबाद हैं। वहीं युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने 8 रन बनाकर अपना विकेट गंवा दिया।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जा रहा है। जहां भारत को दिल्ली टेस्ट जीतने के लिए 121 रनों का टारगेट मिला। मैच का नतीजा पांचवें दिन निकलेगा हालांकि, टीम इंडिया क्लीन स्वीप के करीब है। सोमवार को स्टंप तक भारत ने दूसरी पारी में 18 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 63 रन जोड़े। केएल राहुल (25) और साई सुदर्शन (30) नाबाद हैं। वहीं युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने 8 रन बनाकर अपना विकेट गंवा दिया।

फिलहाल, फॉलोऑन के बाद वेस्टइंडीज की दूसरी पारी 390 रनों पर सिमटी। जस्टिन ग्रीव्स और जेन सील्स ने भारत को आखिरी विकेट के लिए तरसाया। दोनों ने दसवें विकेट के लिए 79 रनों की साझेदारी पूरी की।

ग्रीव्स 85 गेंदों में 50 रन बनाकर नाबाद रहे। सील्स ने 67 गेंदों में 32 रनों का योगदान दिया। जसप्रीत बुमराह ने सील्स को 119वें ओवर की पांचवीं गेंद पर आउट कर वेस्टइंडीज को ढेर किया। इस दौरान बुमराह और कुलदीप ने 3-3 विकेट लिए जबकि सिराज ने दो और वॉशिंगटन सुंदर और रवींद्र जडेजा को एक-एक सफलता मिली।

वहीं वेस्टइंडीज के लिए जॉन कैंपबेल ने शतक जड़ा और शाई होप ने भी अपना शतक पूरा किया। जिसके दम पर मेहमान टीम दूसरी पारी में 300 के पार पहुंचने में कामयाब रही। कैम्पबेल ने अपने टेस्ट करियर का पहला तो होप ने 8 साल बाद टेस्ट क्रिकेट में शतक जड़ा। भारत ने इस मैच में पहली इनिंग में 518 रन की पारी खेलकर घोषित की जिसके जवाब में मेहमान टीम ने पहली पारी में 248 रन बनाए।

रणजी ट्रॉफी के पहले दो मैचों के लिए बिहार की टीम घोषित, वैभव सूर्यवंशी को मिली बड़ी जिम्मेदारी

पटना (बिहार),13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बिहार क्रिकेट संघ (बीसीए) ने रविवार को रणजी ट्रॉफी 2025-26 सीजन के पहले दो मैचों के लिए वरिष्ठ टीम की घोषणा कर दी। चयन समिति की बैठक के बाद 14 सदस्यीय टीम को अंतिम रूप दिया गया। टीम की कमान साकिबुल गनी को सौंपी गई है, जबकि वैभव सूर्यवंशी उपकप्तान की भूमिका निभाएंगे।

बिहार क्रिकेट संघ के अध्यक्ष हर्षवर्धन ने कहा, यह टीम अनुभव और युवा जोश का शानदार मिश्रण है। हमें विश्वास है कि यह टीम रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करेगी। वैभव ने हाल के दिनों में बेहतरीन प्रदर्शन किया है और यह बिहार में क्रिकेट प्रतिभा की गहराई को दर्शाता है। हमें भरोसा है कि यह टीम इस सीजन में मजबूत दावेदारी पेश करेगी।

इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे अंडर-19 वनडे में वैभव सूर्यवंशी ने मात्र 52 गेंदों में तूफानी शतक जमाया था। तब ही बीसीए अध्यक्ष ने कहा था कि यह युवा बल्लेबाज भविष्य में कई रिकॉर्ड तोड़ेगा। आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) की ओर से खेलते हुए वैभव ने सात मैचों में 252 रन बनाए और वह इस सीजन के उभरते सितारों में से एक रहे। इसके अलावा, वैभव को इस वर्ष पटना में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात का भी अवसर मिला था।

बिहार की 14 सदस्यीय टीम:

पियूष कुमार सिंह, भास्कर दुबे, साकिबुल गनी (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी (उपकप्तान), अर्नव किशोर, आयुष लोहुरुका, बिपिन सौरभ, अमोद यादव, नवाज खान, साकिब हुसैन, राघवेंद्र प्रताप सिंह, सचिन कुमार सिंह, हिमांशु सिंह, खालिद आलम और सचिन कुमार।

सपोर्ट स्टाफ:

विनायक सामंत (हेड कोच), कुमार मृदुल (असिस्टेंट कोच), डॉ. हेमेंदु कुमार सिंह (फिजियोथेरेपिस्ट), गोपाल कुमार (एस एंड सी कोच)।

कोच पर लगा आजीवन प्रतिबंध, अरशद नदीम की मुश्किलें बढ़ीं

लाहौर। पाकिस्तान के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। इसका कारण है कि अरशद के कोच सलमान इकबाल पर पाकिस्तान एमेच्योर एथलेटिक्स महासंघ (पीएएएफ) ने आजीवन प्रतिबंध लगा दिया है। कोच पर ये प्रतिबंध पंजाब एथलेटिक्स संघ के संविधान का उल्लंघन करने के लिए लगाया गया है। अब सलमान किसी भी एथलेटिक्स गतिविधि में शामिल नहीं हो पायेंगे। इसके अलावा वह किसी भूमिका में भी भाग नहीं ले पायेंगे। महासंघ के अनुसार इकबाल ने अगस्त में पंजाब एथलेटिक्स संघ के चुनाव कराकर नियमों को तोड़ा है। इसी के बाद एक जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में सलमान पर इकबाल पर आजीवन प्रतिबंध लगाने को कहा था। वहीं हाल ही में पाकिस्तान खेल बोर्ड (पीएसबी) ने भी इस कोच से टोक्यो विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अरशद के खराब प्रदर्शन के लिए जवाब मांगा था। सलमान कई वर्षों से अरशद नदीम के मुख्य कोच और मेंटर रहे हैं और उन्होंने पाकिस्तान के लिए कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में एथलीट को तैयार किया है पर अब उनकी सेवाएं अरशद को नहीं मिल पायेंगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार से निराश कोच मजूमदार बोले, 20 रन और बनाये होते तो परिणाम अलग होता

विशाखापत्तनम,13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्वकप मुकाबले में हार पर निराशा जताते हुए कहा कि हमारी टीम ने अगर कुछ रन और बनाये होते तो परिणाम अलग होता। इस मैच में भारतीय टीम ने 330 रनों का विशाल स्कोर बनाया था पर वह इसका बचाव नहीं कर पायी और उसे तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा। कोच मजूमदार ने कहा कि अच्छी शुरुआत के साथ ही बेहतर तरीके से मैच को समाप्त करना आना भी जरुरी है। उन्होंने कहा कि हमें इस मैच में जिस प्रकार की शुरुआत मिली उसके अनुसार टीम को करीब 20 रन अधिक बनाने थे।

मजूमदार ने कहा, 'हमारे बल्लेबाजों ने जबरदस्त बल्लेबाजी कर 330 रनों का काफी अच्छा स्कोर किया था। इससे हमारी टीम की बल्लेबाजी की गहरायी पता चलती है।'

उन्होंने कहा, ' किसी भी मैच में जीत के लिए बेहतर फिनिशिंग की जरुरत होती है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में हम जीतते-जीतते अंतिम पांच ओवरों में अच्छी गेंदबाजी नहीं कर पाने से हार गये थे। इस मैच में भी यही हुआ। अगर टीम अंतिम ओवरों में करीब 20 रन और बनाती तो उसे इस मैच में जीत मिल जाती। टीम हालांकि मैचों को फिनिश करने की तरकीब सीख रही है।'

टीम को एक अतिरिक्त विशेषज्ञ गेंदबाज की कमी महसूस होने की बात भी कोच ने मानी है। उन्होंने कहा, 'हम आत्ममंथन करेंगे और देखेंगे कि क्या एक और गेंदबाज की जरूरत है। टीम प्रबंधन इस पर विचार करके अगले मैच से पहले सही फैसला लेगा.'

वहीं उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम की तारीफ करते हुए कहा कि उसने विशाल लक्ष्य का जिस प्रकार से पीछा किया उससे वह जीत की अधिकारी बनती है। एक ओवर पहले ही 331 रन का लक्ष्य हासिल करना कठिन है।

बाढ़ पीड़ितों के लिए आगे आया संत समाज, 'सनातन क्रिकेट लीग' में धर्म, सेवा और खेल का होगा संगम

नई दिल्ली,13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर भारत में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए अब सामाजिक और धार्मिक संस्थाएं भी आगे आ रही हैं। इसी कड़ी में सनातन न्यास फाउंडेशन द्वारा एक विशेष आयोजन 'सनातन क्रिकेट लीग (एससीएल)' का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 18 अक्टूबर 2025 को सुबह 9:30 बजे, नई दिल्ली के करनैल सिंह स्टेडियम, पहाड़गंज में होगा। इस आयोजन से जुटाई गई धनराशि बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए समर्पित की जाएगी।

इस वर्ष हिमाचल प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड में सामान्य से कई गुना अधिक बारिश के कारण हजारों परिवार प्रभावित हुए हैं। कई परिवारों के घर, रोज़मर्रा की ज़रूरत की वस्तुएं और आजीविका के साधन नष्ट हो गए हैं। सैकड़ों लोग आज भी राहत शिविरों में रहकर पुनर्वास की कोशिश कर रहे हैं। इस स्थिति में हर वर्ग का सहयोग अहम है। इसी उद्देश्य से यह विशेष लीग आयोजित की जा रही है।

इस आयोजन में देशभर से आठ टीमें टी-20 फॉर्मेट में हिस्सा लेंगी। मुकाबलों का सीधा प्रसारण सोशल मीडिया और यूट्यूब चैनलों पर किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़ सकें। दर्शक और आमंत्रित अतिथि भी मौके पर आर्थिक सहयोग देकर बाढ़ पीड़ितों की मदद में योगदान दे सकेंगे।

इस आयोजन की विशेषता यह है कि इसमें देश के चार प्रतिष्ठित संतजन भी अपनी उपस्थिति और सहभागिता से इस जनसेवा अभियान को सशक्त बनाएंगे। इन संतों में देवकी नंदन ठाकुर महाराज, संस्थापक, प्रियाकान्तजू मंदिर, वृंदावन, धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री महाराज, बागेश्वर पीठाधीश्वर, इन्द्रेश उपाध्याय महाराज, सरस कथा प्रवक्ता और चिन्मयानंद बापू महाराज, रामकथा प्रवक्ता शामिल होंगे। सनातन न्यास फाउंडेशन ने बताया कि आयोजन में प्रवेश पूरी तरह नि:शुल्क रहेगा। आयोजन समिति का लक्ष्य है कि इस मंच के माध्यम से अधिक से अधिक सहयोग जुटाकर बाढ़ प्रभावित परिवारों को राहत और पुनर्वास में ठोस सहायता दी जा सके।

देवताले और गिब्सन के अच्छे प्रदर्शन से राजपुताना ने तीरंदाजी प्रीमियर लीग खिताब जीता

नई दिल्ली। ओजस देवताले और एला गिब्सन के अच्छे प्रदर्शन से राजपुताना रॉयल्स ने तीरंदाजी प्रीमियर लीग के पहले सत्र का खिताबी जीता है। रॉयल्स ने पृथ्वीराज योद्धा के बीच खेले गये शूट-ऑफ में खिताब पर कब्जा किया। टाईब्रेकर शूट-ऑफ में मुकाबला बराबरी पर रहा, रॉयल्स की ओर से ने का प्रदर्शन अच्छा रहा। वहीं पृथ्वीराज को कोई भी खिलाड़ी पीले बिंदु तक नहीं पहुंच पाया। रॉयल्स की ओर से रिकर्वर्स मेटे गाजोज और अंकिता भक्त ने गिब्सन और देवताले के साथ मिलकर अच्छा प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम को ट्रॉफी जिताई। योद्धाओं को पहले सेट में 78-77 से जीत मिली। वहीं दूसरे सेट में रॉयल्स ने 78-75 के अंतर से वापसी की और स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। तीसरे सेट में योद्धाज के तीरंदाजों ने सभी आठ तीरों पर 10 अंक बनाकर इतिहास 80-77 के स्कोर के साथ जीत दर्ज की। रॉयल्स ने 78-77 से सेट जीतकर स्कोर 4-4 कर दिया, जिसमें विजेता का फैसला शूटऑफ से हुआ। बाकी काम गिब्सन और देवताले ने शूटऑफ के लक्ष्य को दो बार भेदकर पूरा किया।

दिवाली से पहले ड्राई फ्रूट्स की मांग में उछाल

मुम्बई,13 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दिवाली नजदीक आते ही देशभर में ड्राई फ्रूट्स की मांग में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। बाजार पूरी तरह सज चुका है और घरों की खरीदारी के साथ-साथ कॉर्पोरेट गिफ्टिंग और शादियों के लिए भी मेवों की डिमांड बढ़ गई है।

गिफ्टिंग और शादियों से बढ़ी खपत, टैरिफ और वैश्विक अस्थिरता से दाम चढ़े

इस समय अगस्त से दिसंबर तक का समय ड्राई फ्रूट्स की सबसे अधिक बिक्री का होता है। इंडस्ट्री विशेषज्ञों के अनुसार सांस्कृतिक परंपराएं और त्योहारों में गिफ्टिंग का चलन ड्राई फ्रूट्स की मांग को तेजी से बढ़ाता है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के एसोसिएट डायरेक्टर पारस जसराई का कहना है कि त्योहारी सीजन में मांग अचानक बढ़ जाती है, जिससे घरेलू बाजार पर दबाव बनता है और आयात तेज होता है।

हालांकि, अमेरिका की टैरिफ नीतियों और वैश्विक व्यापार अस्थिरता ने बादाम, पिस्ता और अखरोट जैसे मेवों की कीमतों को प्रभावित किया है। काजू का आयात त्योहारी महीनों में 173.9 मिलियन डॉलर (1445 करोड़) रहा, जबकि सालाना औसत 134.8 मिलियन डॉलर (1120 करोड़) था। काजू में अगस्त-दिसंबर 2024 के दौरान औसत महंगाई 9.4 फीसदी रही।

ऑस्ट्रेलिया, यूएई, ओमान और सऊदी अरब जैसे देशों से ड्राई फ्रूट्स के आयात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उदाहरण के लिए, ऑस्ट्रेलिया से बादाम का आयात अप्रैल-जुलाई में 93 फीसदी तक बढ़ गया। विशेषज्ञों का मानना है कि मांग के दबाव में कीमतें और अधिक बढ़ सकती हैं, खासकर जब सप्लाई चेन को एडजस्ट होने में समय लगता है। ऐसे में आने वाले सालों में घरेलू उत्पादन बढ़ाना और आयात स्रोतों में विविधता लाना जरूरी होगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

उड़ता पंजाब...

यहां के युवाओं के बीच यह 420 कल्चर अब एक तरह के बगावत के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है।केरल के युवाओं के सोशल मीडिया अकाउंट्स पर 420 शब्द वाले हैशटैग और स्लैंग खुलेआम देखे जा सकते हैं। इंस्टाग्राम, स्नैपचैट और फेसबुक पर 420 से जुड़ी मीम्स और वीडियो यह दर्शाते हैं कि किस तरह नशे की संस्कृति को अब जीवन के अनुकूल बना दिया गया है और यह युवाओं के बीच लोकप्रिय होता जा रहा है। गांजा को अक्सर एक हल्का नशा मान लिया जाता है। लेकिन जमीनी हकीकत देखने पर समझ आता है कि यह नशे की लत को बढ़ाता ही जाता है। कई किशोर नशेड़ियों ने अधिकारियों को दिए बयानों में बताया कि उनका नशे की लत का सफर स्कूल के दिनों में दोस्तों के साथ गांजा पीने से शुरू हुआ और फिर धीरे-धीरे यह मेथाइलीन-डायोक्साई-मेथमफेटामाईन (एमडीएम), कोकीन और मेथ जैसे खतरनाक ड्रग्स तक पहुंच गया।प्रशासन का कहना है कि यह 420 कल्चर बच्चों का बचपन और भविष्य दोनों छीन रहा है। माता-पिता जहां अपने बच्चों को स्कूल और कॉलेज में सुरक्षित समझते हैं, वहीं अब यही कैंपस नशे के फैलाव के सबसे बड़े अड्डे बन चुके हैं। इडुक्की जिले में तो एक हैरान करने वाला मामला सामने आया, जब एक स्कूल टूर पर गए कुछ छात्रों ने एक्साइज विभाग के दफ्तर में जाकर गांजा वाली बीड़ी जलाने के लिए माचिस मांगी।कई सर्वे बताते हैं कि स्कूल के बच्चों में नशे के प्रयोग का स्तर चौंकाने वाला है। एक सरकारी अध्ययन में पाया गया कि केरल के 10वीं कक्षा के 37 प्रतिशत और 8वीं कक्षा के करीब 23 प्रतिशत छात्रों ने कभी न कभी कोई अवैध नशा या इनहेलेंट आजमाया है। इनमें सबसे अधिक प्रचलित गांजा ही है। स्थानीय मीडिया ने इस संकट को उड़ता केरल नाम दिया है, ठीक उसी तरह जैसे उड़ता पंजाब फिल्म ने पंजाब के नशे की हकीकत उजागर की थी। अधिकतर मामलों में केरल के युवाओं की नशे की शुरुआत गांजा से होती है लेकिन अब यह आसानी से उपलब्ध भी है। राज्य की पुलिस और एक्साइज विभाग के मुताबिक, आज केरल के बाजार में हाइड्रोपोनिक गांजा नाम की एक बेहद शक्तिशाली किस्म फैली हुई है जिसमें टीएचसी (टीएचसी) का स्तर 40 प्रतिशत से भी अधिक होता है।

यह गांजा खेतों में नहीं बल्कि लैब में तैयार किया जाता है और अधिकतर दक्षिण-पश्चिम एशिया से तस्करी करके लाया जाता है। 2022 में ऐसे गांजे की तस्करी लगभग ना के बराबर थी, लेकिन 2024-25 में ही अधिकारियों ने 89 किलो से अधिक गांजा एयरपोर्ट्स पर पकड़ा। 2025 के शुरुआती 7 महीनों में यह जब्ती 129.7 किलो तक पहुंच गई है। यह थाई-ग्रोन यानी थाईलैंड में उगाया गया गांजा बेहद ताकतवर होता है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत एक किलो पर एक करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है। दिलचस्प बात यह है कि जब भारत में गांजे की एंट्री पर निगरानी बढ़ी तो तस्करों ने अपना रास्ता बदलकर मध्य-पूर्व के जरिए इसे भारत लाना शुरू कर दिया। 420 कल्चर भले ही गांजे को कूल की निशानी की तरह पेश करता हो लेकिन सच्चाई यह है कि इसने केरल के युवाओं को नशे के गहरे दलदल में धकेल दिया है।केरल में नशे की समस्या कोई रातों-रात नहीं आई। इसके पीछे कई गहरे और आपस में जुड़े कारण हैं, जिन्होंने इस राज्य को नशे की लत के प्रति बेहद संवेदनशील बना दिया है।

भौगोलिक स्थिति यहां वरदान भी है और अभिशाप भी। केरल का 590 किलोमीटर लंबा समुद्र तट अरब सागर से जुड़ा है। यह जहां अंतरराष्ट्रीय व्यापार को आसान बनाता है, वहीं दूसरी ओर मादक पदार्थों की तस्करी के लिए एक खुला दरवाजा भी बन गया है। पिछले कुछ वर्षों में तस्करों ने केरल के तटवर्ती अंतरराष्ट्रीय जहाज मार्गों का खुलकर फायदा उठाया है। इसके अलावा, राज्य की नजदीकी बड़े ट्रांजिट हब्स जैसे बेंगलुरु और चेन्नई से होने के कारण यहां जमीन के रास्ते बनी नशे की सप्लाई चेन और भी मजबूत हो गई है।कुछ उदाहरण देखें तो बेंगलुरु से एमडीएम (जिसे एक्स्टेसी या पार्टी ड्रग भी कहा जाता है) और मेथामफेटामाइन जैसे घातक ड्रग्स केरल पहुंचते हैं। वहीं, गांजा आंध्र प्रदेश और ओडिशा के पहाड़ी इलाकों से तमिलनाडु के रास्ते आता है। यह समस्या इतनी गहराई तक फैली है कि पुलिस ने पूरे राज्य में करीब 1,300 ब्लैक स्पॉट्स चिन्हित किए हैं यानी ऐसे इलाके जहां से नशे की खरीद-फरोख्त होती है, इसमें शहर और गांव दोनों इलाके शामिल हैं। इंटरनेट का इस्तेमाल भी केरल में इस संकट को और गहराता है। नशा तस्कर अब एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप्स और डार्क वेब के जरिए कारोबार करते हैं और भुगतान क्रिप्टोकरेंसी में लेते हैं। इससे पुलिस के लिए इन नेटवर्क्स को ट्रैक करना और भी मुश्किल हो गया है।केरल में अब नशे की होम डिलीवरी उसी तरह हो रही है जैसे पिज्जा ऑर्डर किया जाता है। बाइक पर घूमने वाले डिलीवरी एजेंट्स ग्राहकों के दरवाजे तक नशा पहुंचा रहे हैं। कई पेडलर (तस्कर) सुपरबाइक्स पर नकली नंबर प्लेट लगाकर घूमते हैं और शक से बचने के लिए खुद को युवा जोड़ों के रूप में पेश करते हैं। इस ई-कॉमर्स स्टाइल नशे के धंधे ने पुलिस की नींद उड़ा दी है क्योंकि उन्हें लगातार अपनी जांच और ट्रैकिंग तकनीक को अपडेट करना पड़ रहा है ताकि इन स्मार्ट तस्करों से निपटा जा सके।सप्लाई चेन के अलावा, केरल के सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं ने भी नशे के लिए उपजाऊ जमीन तैयार की है। फिल्मों और सोशल मीडिया पर गैंगस्टर कल्चर और तथाकथित माचो कूलनेस को ग्लैमरस तरीके से दिखाया जाता है। इससे कई युवा अपराधी जीवनशैली की नकल करने लगे हैं। नशे के गिरोह इस मनोविज्ञान को भांप चुके हैं और स्थानीय गुंडे और संगठित गिरोह अब छात्रों को अपने चेले की तरह फंसाते हैं, उन्हें छोटा पेडलर बना देते हैं। इस तरह, नेटवर्क फैलता जाता है और बड़े तस्कर खुद को सुरक्षित रखते हैं।एक्साइज विभाग के अधिकारियों का कहना है कि तस्कर जानबूझकर स्कूल और कॉलेज के छात्रों को ही डीलर बनाते हैं, क्योंकि नाबालिगों पर पुलिस का शक कम जाता है। कोच्चि के एक पॉलीटेक्निक कॉलेज में हाल ही में पुलिस ने छापा मारा तो पाया कि कई छात्र कैंपस में गांजा बेच रहे थे। पहली बार पकड़े गए छात्रों पर मुकदमा नहीं चला लेकिन इस घटना ने यह साफ कर दिया कि नशे का नेटवर्क अब स्कूल-कॉलेजों तक पहुंच चुका है। केरल में बेरोजगारी भी इस समस्या को बढ़ाने वाला बड़ा कारण है। राज्य में हर साल हजारों ग्रेजुएट निकलते हैं लेकिन उनके सपनों के मुकाबले अवसर बहुत कम हैं। कई युवा बिना नौकरी के खाली बैठे रहते हैं और इसी खालीपन को नशा भर देता है। धीरे-धीरे कई लोग खुद नशा बेचने लगते हैं ताकि कुछ कमाई कर सकें।इसके अलावा, केरल से बड़ी संख्या में लोग विदेशों खासकर खाड़ी देशों में काम करने जाते हैं। उनके बच्चे यहां अकेले रह जाते हैं। मां-बाप की गैरमौजूदगी में बच्चों को वही भावनात्मक सहारा और मार्गदर्शन नहीं मिल पाता। ऐसे किशोर अक्सर भावनात्मक खालीपन या विद्रोह के चलते नशे की तरफ मुड़ जाते हैं। नशे की यह समस्या केवल केरल में रहने वालों तक सीमित नहीं है बल्कि उन लोगों में भी फैल रही है जो विदेश से लौटकर आते हैं। उत्तर केरल के एक नशामुक्ति केंद्र में 28 वर्षीय युवक ने बताया कि अबू धाबी में काम करते वक्त उसके साथी मलयाली साथियों ने ही उसे कल्लू यानी क्रिस्टल मेथ से परिचित कराया। उसकी कहानी इस नए चलन की झलक देती है, जहां प्रवासी जीवन, विदेशी माहौल और डिजिटल पहुंच मिलकर नशे के नए अंतरराष्ट्रीय जाल बना रहे हैं।खुफिया एजेंसियों के अनुसार, भारत के कुल नशीले पदार्थों के व्यापार का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा पाकिस्तान से जुड़ी डी-कंपनी (दाऊद इब्राहिम सिंडिकेट) के नियंत्रण में है, जो परंपरागत रूप से उत्तर भारत के रास्ते ड्रग्स की सप्लाई करती थी। लेकिन अब केरल इस नेटवर्क का नया ठिकाना बन चुका है। 2024 से राज्य सरकार ने नशे के खिलाफ अपने अभियानों को तेज किया है। ऑपरेशन डी-हंट के तहत विशेष दस्तों ने अचानक छापेमारी अभियान चलाए। बताया जाता है कि 22 फरवरी से 1 मार्च 2025 के बीच पुलिस ने 17,256 संदिग्धों की जांच की, 2,762 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज किए और 2,854 लोगों को गिरफ्तार किया।

उसी हफ्ते के दौरान, एजेंसियों ने 1.3 किलो एमडीएम, 153.5 किलो गांजा, और थोड़ी मात्रा में हेरोइन व हैश ऑयल जब्त किया। इसके बाद 11 सितंबर 2025 को पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर छापेमारी की गई, जिसमें 146 गिरफ्तारियां और 140 नए केस दर्ज हुए। एमडीएम और गांजा दोनों बरामद हुए। प्रमुख कार्रवाइयों में अगस्त 2024 में हैदराबाद में एक फार्मा यूनिट के नाम पर चल रही एमडीएम लैब का भंडाफोड़ और सितंबर 2024 में ओडिशा में गांजा की खेती चला रहे एक केरल निवासी की गिरफ्तारी शामिल थी। हालांकि, गिरफ्तारियों का पैटर्न अभी भी ठीक नहीं नजर आता है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एन-सीआरबी) के आंकड़ों के मुताबिक, 2022 में केरल में एनडीपीएस कानून के तहत हुई कुल गिरफ्तारियों में से करीब 93.7 प्रतिशत मामले निजी इस्तेमाल के थे। लगभग 26,600 गिरफ्तारियों में से केवल 1,660 तस्कर थे जबकि 24,959 लोग कम मात्रा में ड्रग्स रखने वाले उपभोक्ता थे।

नशे के नेटवर्क इस कानून का फायदा उठाते हैं और वे माल को व्यावसायिक मात्रा की सीमा से कम-कम बाँट देते हैं (जैसे 0.5 ग्राम एमडीएम से कम या 1 किलो गांजा से कम) ताकि गिरफ्तारी होने पर जमानत मिल सके और सजा से बचा जा सके। पुलिस अब फॉलो-अप छापों के जरिए इन छोटी मात्राओं को जोड़कर बड़े केस तैयार कर रही है और सरकार से कम मात्रा की परिभाषा पर पुनर्विचार की मांग कर रही है। नाबालिगों और पहली बार पकड़े गए लोगों के मामलों में अधिकारियों के पास कुछ विवेकाधिकार भी होता है। उदाहरण के लिए, 2023 में कोच्चि के एक हॉस्टल में कुछ छात्रों को थोड़ी मात्रा में ड्रग्स के साथ पकड़ा गया था। पुलिस ने उन पर केस दर्ज नहीं किया बल्कि निगरानी में रखा। रिपोर्टों के अनुसार, राज्य में हर साल हजारों लोगों को एनडीपीएस के तहत सजाएं दी जाती हैं लेकिन इनमें अधिकतर छोटे विक्रेता और उपभोक्ता ही होते हैं।प्रवर्तन एजेंसियां खासकर एमडीएम और मेथामफेटामाइन जैसे सिंथेटिक ड्रग्स और बड़े सप्लाई नेटवर्क पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं। हालांकि, हैरानी की बात यह है कि 590 किलोमीटर लंबे तट की निगरानी के लिए फिलहाल सिर्फ एक कोस्ट गार्ड पोत ही उपलब्ध है। राज्य अब स्कैनर, ड्रोन और साइबर मॉनिटरिंग सिस्टम में निवेश कर रहा है ताकि तस्करी और डार्कनेट पर हो रही डील्स पर नजर रखी जा सके। चिंता की बात यह है कि राज्य में नशामुक्ति की क्षमता मांग के अनुपात में बहुत कम है।

इजराइल और ...

बंधकों के बदले इजराइल 250 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा और 1,700 बंदियों को सौंप देगा। इसी बीच इजराइल पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और राष्ट्रपति आइजैक हर्जोग ने रेड कार्पेट स्वागत किया। राष्ट्रपति हर्जोग ने कहा, ब्लेस्ड आर द पीसमेकर्स। इजराइल आपका बहुत प्यार और कृतज्ञता के साथ स्वागत करता है। हमारे बंधकों को घर वापस लाने के लिए आपने जो कुछ भी किया है, उसके लिए धन्यवाद। हमारे क्षेत्र में भविष्य को लेकर आपकी प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद। ईश्वर इजराइल का भला करे। ईश्वर अमेरिका का भला करे। डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइली संसद को भी संबोधित किया। इजराइली संसद के स्पीकर ने उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए समर्थन देने की बात कही। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा युद्ध समाप्त करने और बंधकों की रिहाई में भूमिका के लिए ट्रंप की तारीफ की और उन्हें इजराइल-प्राइज के लिए नामांकित किया।

इजराइल और गाजा के बीच शांति समझौता करने के लिए इजराइल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया है। ट्रंप यह सम्मान पाने वाले पहले गैर इजराइली नागरिक हैं। इजराइली संसद को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अंधेरे और कैद में दो खौफनाक साल बिताने के बाद 20 बहादुर बंधक अब अपने परिवारों के पास वापस लौट रहे हैं। ट्रंप ने दोहराया, हमने आठ महीनों में आठ युद्ध निपटाए हैं, जिनमें यह भी शामिल है। ट्रंप ने कहा, अगर हम जंग में उतरते हैं, तो हम इसे ऐसे जीतेंगे जैसा पहले कभी किसी ने नहीं जीता। ट्रंप ने कहा, यह इजराइल और पूरी दुनिया के लिए एक अद्भुत सफलता है कि इन सभी देशों ने शांति के साझेदार के रूप में मिलकर काम किया। उन्होंने आगे कहा, आने वाली पीढ़ियां इसे उस क्षण के रूप में याद रखेंगी, जब सब कुछ बदलना शुरू हुआ।इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बंधकों की रिहाई को लेकर ट्रंप की सराहना की। नेतन्याहू ने नेसेट (इजराइली संसद) में अपने भाषण में ट्रंप की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, ट्रंप के प्रस्ताव ने हमास के साथ युद्ध खत्म कर दिया। नेतन्याहू ने कहा कि ट्रंप का प्रस्ताव युद्ध को समाप्त कर चुका है और हमारे सभी लक्ष्य पूरे हो गए हैं। मैं इस शांति के प्रति प्रतिबद्ध हूं। नेतन्याहू ने कहा, डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस में इजराइल के सबसे बड़े मित्र रहे हैं। नेसेट को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप, हम आपका यहां स्वागत करते हैं ताकि हम आपको उस महत्वपूर्ण नेतृत्व के लिए धन्यवाद दे सकें, जो आपने उस प्रस्ताव को लेकर दिखाया, जिसे पूरी दुनिया का समर्थन मिला। यह वह प्रस्ताव है जो हमारे सभी बंधकों को घर वापस ला रहा है। यह वह प्रस्ताव है जो हमारे सभी उद्देश्यों को पूरा करते हुए युद्ध को समाप्त कर रहा है। नेतन्याहू ने कहा, मैंने अब तक कई अमेरिकी राष्ट्रपतियों को देखा है, लेकिन मैंने कभी किसी को इतनी तेजी और निर्णायक तरीके से दुनिया को बदलते नहीं देखा, जैसा कि हमारे मित्र राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप ने किया है। नेतन्याहू ने ट्रंप को इजराइल के सर्वोच्च सम्मान इजराइल-प्राइज के लिए नामांकित किया है।

इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने पुष्टि की कि नेतन्याहू मिस्र में होने वाले सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे। उनके कार्यालय ने एक बयान में कहा, प्रधानमंत्री नेतन्याहू को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने आज मिस्र में हो रहे सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति ट्रंप को उनके निमंत्रण के लिए धन्यवाद दिया, लेकिन कहा कि वह त्यौहार के शुरू के नजदीक होने की वजह से सम्मेलन में भाग नहीं ले पाएंगे।

देश तोड़ना चाहती...

द्रविड़ राजनीति की शुरुआत ब्रिटिश भारत में 20 नवंबर 1916 को मद्रास के विक्टोरिया पब्लिक हॉल में जस्टिस पार्टी के गठन के साथ हुई, जिसे सी नटेसा मुदलियार ने टीएम नायर और पी. थेगरया चेट्टी के साथ मिलकर बनाया था।

पूर्व केंद्रीय मंत्री, राजनयिक और लेखक मणिशंकर अय्यर ने कहा कि सनातन धर्म पर डीएमके के रुख को लेकर अनावश्यक हंगामा देश को बेहद खतरनाक स्थिति में ले जा सकता है। डीएमके के सनातन विरोधी रुख में कुछ भी नया नहीं है, सिवाय इसके कि देश में अब प्रधानमंत्री के रूप में सनातन धर्म में आस्था रखने वाला व्यक्ति है। डीएमके वही कह रही है जो वह पिछले कई सालों से कहती आ रही है। अय्यर ने कहा, इसी वजह से मेरे पिता को चेन्नई छोड़कर लाहौर में बसना पड़ा, क्योंकि उन्हें लगा कि वहां नौकरी मिलने की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने कहा, अगर द्रविड़ों को उकसाया जाता रहा, तो देश का पूर्व, पश्चिम और दक्षिण ख़तरे में पड़ जाएगा। इसके अलावा, अगर केंद्र सरकार दक्षिण भारतीयों पर हिंदी थोपने पर अड़ी रही, तो इससे दक्षिण, पूर्व और उत्तर भी ख़तरे में पड़ जाएंगे।

जम्मू-कश्मीर पर अपनाई गई नीति पर सवाल उठाते हुए अय्यर ने कहा कि राज्य के साथ 5 अगस्त, 2019 के बाद से अब तक प्रदर्शित की जा रही नीति से कहीं अधिक विचार और सहानुभूति के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे डर है कि हम भारत के उत्तर में, कश्मीर में और संभवतः पंजाब में बहुत खतरनाक स्थिति में पहुंचने वाले हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि धर्मनिरपेक्षता एक ऐसा विचार है जिसमें अल्पसंख्यकों का ध्यान रखा जाता है। लेकिन अब ऐसा नहीं लगता। संसद में पिछले दिन जो हुआ, वह देश के हालात का संकेत है। उन्होंने कहा कि 20 करोड़ अल्पसंख्यक जन्मजात भारतीय हैं, और उनके साथ वैसा व्यवहार नहीं किया जा रहा जैसा होना चाहिए। उन्होंने कहा, भारत को एकजुट करना हम सभी के लिए सबसे बड़ा काम है।

जम्मू-कश्मीर भारत ...

कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के पीड़ित लोगों के न्याय के लिए किए जा रहे संघर्ष से मुंह मोड़ लिया है, जिससे इतिहास और मुस्लिम उम्माह, दोनों के साथ अन्याय हो रहा है।

वहीं, अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मुत्तकी ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के संघर्ष पर भी खुलकर अपनी बात रखी। मुत्तकी ने कहा कि अफगानिस्तान ने पाकिस्तान की ओर से हुई गोलीबारी का जवाब दिया और अपनी सीमाओं की रक्षा की। उन्होंने बताया कि हालिया संघर्ष में दर्जनों लोग मारे गए हैं, लेकिन अब स्थिति नियंत्रण में है। मुत्तकी ने कहा कि अगर पाकिस्तान शांति नहीं चाहता, तो अफगानिस्तान के पास अन्य विकल्प भी हैं। उन्होंने साफ किया कि अफगानिस्तान अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करेगा और अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी के खिलाफ नहीं होने देगा।वहीं, पाकिस्तान की तरफ से लगातार यह आरोप लगाया जा रहा है कि अफगानिस्तान में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादी छिपे हैं, लेकिन मुत्तकी ने इसे सिरे से नकार दिया। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा 2400 किलोमीटर लंबी है, जिसे इतिहास में न चंगेज खान नियंत्रित कर सका, न अंग्रेज। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर पाकिस्तान के पास इतनी बड़ी सेना और खुफिया एजेंसियां हैं, तो वह अपने देश में आतंक को क्यों नहीं रोक पा रहा?

भारत ने इस पूरे घटनाक्रम को अपने लिए सकारात्मक बताया है। भारत का कहना है कि यह बयान दिखाता है कि भारत और अफगानिस्तान दोनों पड़ोसी हैं और साझा सीमाएं रखते हैं, क्योंकि पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर (पीओके) की सीमा अफगानिस्तान से लगती है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत अफगानिस्तान की शांति, स्थिरता और विकास का शुभचिंतक है। इस तरह तालिबान की यह नई स्थिति न सिर्फ पाकिस्तान के लिए कूटनीतिक झटका है, बल्कि दक्षिण एशिया की राजनीति में एक बड़ा संकेत भी है कि तालिबान अब भारत के साथ नजदीकियां बढ़ा रहा है और पाकिस्तान से उसका रिश्ता पहले से कहीं ज्यादा तनावपूर्ण होता जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने...

टीवीके के सचिव आधव अर्जुना ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इससे पहले मद्रास हाईकोर्ट ने एसआईटी का गठन किया था, जिसे टीवीके ने चुनौती दी थी। भगदड़ के तुरंत बाद विवाद और आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए थे। करूर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर टीवीके के करूर (उत्तर) जिला सचिव माधियाझगन, जनरल सेक्रेटरी बसी आनंद, और ज्वाइंट जनरल सेक्रेटरी सीटीआर निर्मल कुमार के खिलाफ हत्या, हत्या का प्रयास, और अन्य की जान जोखिम में डालना जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। पुलिस का कहना है कि भगदड़ में कोई खुफिया चूक नहीं हुई। रैली में विजय देर से पहुंचे, और लोग कई घंटे से इंतजार कर रहे थे।पुलिस अधिकारियों ने आयोजकों से कहा था कि विजय की विशेष रैली बस को निर्धारित स्थान से कम से कम 50 मीटर पहले रोक दें। लेकिन आयोजकों ने तय जगह पर ही बस खड़ी की। पुलिस के अनुसार, 10 मिनट तक नेता बस से बाहर नहीं आए, जिससे भीड़ असंतुष्ट हो गई। लोग उन्हें देखने के लिए बेताब थे। बता दें कि, इस रैली के लिए टीवीके ने 10,000 लोगों के लिए अनुमति मांगी थी, लेकिन रैली में लगभग 25000 लोग जमा हो गए। पुलिस ने कहा कि पार्टी ने पर्याप्त पानी, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाएं नहीं कीं और अनुमति की शर्तों का पालन नहीं किया।

आईआरसीटीसी भ्रष्टाचार...

जबकि राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव पर भी साजिश और धोखाधड़ी के कई अपराधों के आरोप लगाए गए हैं। लालू प्रसाद यादव, राबड़ी यादव और तेजस्वी यादव तीनों ने आरोपों को स्वीकार करने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि वो ट्रायल का सामना करेंगे।दिल्ली की कोर्ट ने आरोपियों के खिलाफ उनकी कथित भूमिका के आधार पर अलग-अलग धाराओं में आरोप तय किए थे। राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव पर धोखाधड़ी और षड्यंत्र रचने के अपराध के लिए आईपीसी की धारा 420 और 120बी के तहत आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि वे मुकदमे का सामना करेंगे। कोर्ट ने अलग-अलग धाराओं के तहत आरोप तय किए हैं। हालांकि, सभी आरोपियों पर आपराधिक षड्यंत्र रचने का आरोप है। लालू प्रसाद यादव ने खुद को निर्दोष बताया है और उनका कहना है कि वे मुकदमे का सामना करेंगे।बीती 24 सितंबर को विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी व बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, उनके बेटे व पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव सहित अन्य आरोपियों को उक्त तारीख पर पेश होने का निर्देश दिया था। अदालत ने मामले में सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद 29 मई को अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया था। यह मामला 2004 से 2009 के बीच रेल मंत्री के रूप में लालू प्रसाद यादव के कार्यकाल के दौरान आईआरसीटीसी होटलों के रखरखाव के ठेकों के आवंटन में भ्रष्टाचार के आरोपों से संबंधित है। उल्लेखनीय है कि आईआरसीटीसी घोटाले की जांच करने वाली सीबीआई ने अदालत को बताया है कि वर्ष 2004 से 2009 तक केंद्रीय रेल मंत्री रहे लालू यादव ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए निजी कंपनी सुजाता होटल्स को रांची और पुरी में आईआरसीटीसी के दो होटलों को अनुचित तरीके से ठेके दिए थे।

वोट चोरी की...

याचिकाकर्ता अपनी शिकायत वहां दर्ज कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि चुनाव प्रक्रिया या परिणामों से जुड़े मामलों में न्यायपालिका का सीधा हस्तक्षेप संभव नहीं है।

याचिकाकर्ता रोहित पांडेय ने अपनी याचिका में राहुल गांधी की 7 अगस्त 2024 को की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस का हवाला दिया था, जिसमें राहुल ने बेंगलुरु सेंट्रल में मतदाता सूची में हेरफेर का आरोप लगाया था। पांडेय ने दावा किया कि उन्होंने स्वतंत्र रूप से इन आरोपों की पुष्टि की और प्रथम दृष्टया साक्ष्य पाए, जो यह साबित करते हैं कि ये आरोप वैध मतों को कमजोर करने की साजिश का हिस्सा हैं। उन्होंने कोर्ट से मांग की थी कि मतदाता सूचियों का स्वतंत्र ऑडिट कराया जाए और तब तक सूचियों में कोई संशोधन न किया जाए।सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता की दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि इस तरह के मामले जनहित याचिका के दायरे में नहीं आते। कोर्ट ने यह भी माना कि याचिकाकर्ता ने पहले ही चुनाव आयोग के सामने शिकायत दर्ज की थी, लेकिन आयोग ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बावजूद कोर्ट ने चुनाव आयोग को कोई समय सीमा तय करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, हम इस याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं। याचिकाकर्ता चाहें तो चुनाव आयोग के सामने अपनी बात रख सकते हैं।राहुल गांधी और कांग्रेस ने पिछले कुछ महीनों में वोट चोरी के मुद्दे को जोर-शोर से उठाया था। खासकर बेंगलुरु सेंट्रल में मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा था। इन आरोपों ने सियासी हलकों में हलचल मचा दी थी, जिसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से राहुल गांधी के आरोपों की एसआईटी जांच की संभावना खत्म हो गई है। अब याचिकाकर्ता के पास एकमात्र रास्ता चुनाव आयोग के सामने अपनी शिकायत को और मजबूती से रखने का है।

पीएम के हस्तक्षेप से ...

64 विधानसभा सीटों पर जहां पार्टी तीसरे या उससे नीचे स्थान पर रही, उसे जीत के अंतर से ज्यादा वोट मिले। इन सीटों में से चिराग की पार्टी ने 27 सीटों पर जदयू को सीधे तौर पर नुकसान पहुंचाया, जहां वह दूसरे स्थान पर रही।

भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, लोजपा (रामविलास) को अभी भी अपनी योग्यता से ज्यादा सीटें मिली हैं। हम शुरू में पार्टी के लिए 20 से ज़्यादा सीटों के पक्ष में नहीं थे। फिर इसे बढ़ा कर 23 और फिर 26 कर दिया गया क्योंकि चिराग लगातार दबाव बना रहे थे। गठबंधन को मजबूत और एकजुट बनाए रखने के लिए, हम 29 सीटों पर सहमत हुए हैं। चिराग पासवान ने बहुत जोर लगाया। चूंकि वह केंद्र में एक प्रमुख सहयोगी हैं, इसलिए हमें उनकी मांगें माननी पड़ीं। लोजपा ने 40 सीटों से शुरुआत की, फिर 35 और अंततः 29 सीटों पर समझौता कर लिया। प्रधानमंत्री के फोन के बाद मांझी छह सीटों पर राजी हो गए। बताया जा रहा है कि उन्होंने भविष्य में एक एमएलसी पद की मांग की है। संजय झा ने बताया, महत्वपूर्ण बात यह है कि एनडीए पहले आगे बढ़ रहा है जबकि महागठबंधन सीटों को लेकर माथापच्ची कर रहा है। यह दर्शाता है कि हम एकजुट हैं।

आरएलएम ने छह सीटों पर सहमति जताई, क्योंकि उसे आश्वासन दिया गया था कि उपेंद्र कुशवाहा को अगले अप्रैल में कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी राज्यसभा सीट दी जाएगी। आरएलएम महुआ, उजियारपुर, सासाराम, दिनारा, मधुबनी और बाजपट्टी सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा, हमने देखा कि कैसे उपेंद्र कुशवाहा (जिन्होंने एक अन्य छोटे गठबंधन में चुनाव लड़ा था) ने पिछली बार एनडीए को प्रभावित किया था, खासकर शाहाबाद और मगध क्षेत्र में। लोजपा (रामविलास) की तरह कुशवाहा भी हमारे लिए एक महत्वपूर्ण सहयोगी हैं।यह पहली बार था जब भाजपा ने सहयोगियों के साथ चर्चा का नेतृत्व किया, जबकि जदयू ने स्पष्ट कर दिया था कि वह छोटे सहयोगियों के साथ बातचीत से दूर रहेगी। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली पार्टी ने गठबंधन में खुद को बड़ा भाई स्थापित करने के लिए भाजपा से एक सीट ज्यादा मांगी थी। पार्टी का तर्क था कि पिछले साल लोकसभा चुनावों में उसका स्ट्राइक रेट भाजपा से थोड़ा बेहतर था (उसने 16 में से 12 सीटें जीती थीं, जबकि भाजपा ने 17 सीटों पर चुनाव लड़कर 12 सीटें जीती थीं)। भाजपा ने जदयू की मांग से असहमति जताते हुए कहा कि 2020 में जदयू को मिली 43 सीटें उसकी 74 सीटों से काफ़ी कम थीं। अंत में नीतीश के नेतृत्व वाली पार्टी ने सीट-बंटवारे के फ़ॉर्मूले पर सहमति जता दी। सीटों के इस बंटवारे में नए सदस्यों या अप्रत्याशित उम्मीदवारों के लिए कोई जगह नहीं बची है, जिससे संभवतः मुकेश सहनी की वीआईपी की एनडीए में वापसी की संभावना भी खत्म हो गई है।बिहार चुनाव के लिए एनडीए ने सीटों का बंटवारा तो कर लिया, लेकिन यह सवाल कायम है कि पिछले विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक सीट जीतने वाली लोजपा को 29 सीटें कैसे मिल गईं? यह सवाल ज्यादा जरूरी इसलिए भी है क्योंकि पिछले चुनाव में मांझी की हिंदुस्तान आवाम मोर्चा ने एनडीए के लिए चार सीटें जीती थीं, लेकिन उन्हें इस बार एक सीट और कम दी गई है। ऐसे में चिराग पर इतना विश्वास क्यों दिखाया गया?बिहार में दलित वोटबैंक काफी अहम माने जाते हैं, वहां भी बात जब चिराग पासवान की आती है तो उनकी पकड़ी दुसाध समुदाय में सबसे ज्यादा है। चिराग के पिता रामविलास पासवान ने इसी दुसाध समुदाय को सशक्त कर बिहार की राजनीति में अपनी अलग जगह बनाई थी। 2023 की जातिगत जनगणना बताती है कि बिहार में दुसाध समुदाय की आबादी 5.31 फीसदी के आसपास है, इन्हें 70 से 80 लाख माना जा सकता है। दलित समुदाय में दुसाध को सबसे प्रभावशाली जाति के रूप में देखा जाता है। हाजीपुर, समस्तीपुर, वैशाली, मुजफ्फरपुर, और गया कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां पर दुसाध समुदाय हार-जीत तय कर जाते हैं। बिहार की 20 से 25 सीटें ऐसी हैं जहां पर दुसाध समुदाय की सीधी भागीदारी है और बिना उनके समर्थन किसी भी प्रत्याशी का जीतना मुश्किल है। इसके अलावा 70 से 80 सीटों पर भी दुसाध समुदाय अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हैं। इसी वोटबैंक के दम पर चिराग पासवान अपनी पार्टी के लिए ज्यादा सीटें भी मांग रहे थे। यहां भी हाजीपुर, लालगंज, महनार, रोसड़ा, वारिसनगर, हसनपुर सीट इस वोट बैंक के लिहाज से ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है।चिराग पासवान ने पिछले विधानसभा चुनाव में बगावत करते हुए 137 सीटों अपने उम्मीदवार उतारे थे। वे खुद को मोदी का हनुमान तो बता रहे थे, लेकिन नीतीश कुमार के साथ उनका तालमेल नहीं बैठ रहा था। इस वजह से उन्होंने उन सीटों पर खास फोकस रखा जहां पर जदयू को नुकसान पहुंच सकता था। चुनावी परिणाम बता रहे हैं कि पिछले विधानसभा चुनाव में चिराग की पार्टी ने सीट सिर्फ एक जीती, लेकिन जदयू को कई सीटों पर भारी नुकसान दिया। पिछले विधानसभा चुनाव में तो चिराग पासवान की पार्टी ने जदयू को नुकसान पहुंचाया, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने 100 फीसदी स्ट्राइक रेट के साथ सभी 5 सीटों पर जीत दर्ज की। पासवान समुदाय से होने के बावजूद चिराग ने खुद को किसी एक जाति तक सीमित नहीं रखा है, वे जातियों की ज्यादा बात भी नहीं करते हैं। उनके मुद्दे तो बिहारी अस्मिता, रोजगार, कानून व्यवस्था हैं। ऐसे में मुद्दों की राजनीति करने में विश्वास रखने वाले चिराग खुद को सिर्फ एक वोटबैंक तक सीमित नहीं रखना चाहते हैं।इस चुनाव में उन्होंने बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट का नारा दिया है। वे हर जनसभा में बिहार के विकास, उद्योग और रोजगार को प्राथमिकता दे रहे हैं। वे युवा वोटरों को अपनी ओर आकर्षित करने की कोशिश में लगे हैं। यह वही वोटबैंक जिस पर तेजस्वी यादव की भी खास नजर है। बिहार के युवाओं पर चिराग पासवान का अच्छा प्रभाव है। एनडीए नेतृत्व इस प्रभाव के सियासी प्रतिफल को अच्छी तरह समझ रहा है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 14 अक्टूबर, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

भारतीय श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान में हिंदी चेतना मास पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 13 अक्तूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में 14 सितंबर - 13 अक्तूबर, 2025 के दौरान आयोजित हिंदी चेतना मास समारोह के अंतर्गत हिंदी में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिनमें वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक, शोध अध्येता आदि ने बड़े-ही उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया। इसके अलावा उक्त चेतना मास के दौरान हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया तथा हिंदी में हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने हिंदी में हस्ताक्षर करके कार्यक्रम को सफल बनाया।

संस्थान में दि.13 अक्तूबर 2025 को हिंदी चेतना मास के दौरान आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं हेतु पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् गान से हुआ। तत्पश्चात डॉ. जिनु जेकब, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी, हिंदी कक्ष ने समारोह में उपस्थित पदाधिकारियों का स्वागत किया तथा संस्थान में 2024-2025 के दौरान संपन्न राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी गतिविधियों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) ने हिंदी चेतना मास के दौरान आयोजित विविध कार्यक्रमों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी सहभागियों, निर्णायकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक ने संस्थान में राजाभाषा कार्यान्वयन को प्रोत्साहन प्रदान करने हेतु श्रीमती ऋतु दलाल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा श्री शेख रुकमान, वित्त एवं लेखा अधिकारी को वार्षिक नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए। तत्पश्चात उन्होंने प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं सहभागियों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र तथा निर्णायकों को स्मृति चिह्न प्रदान किए।

डॉ. तारा सत्यवती ने अपने संबोधन में कहा कि हमें राजभाषा हिंदी में ज्यादा से ज्यादा कार्य करना चाहिए, क्योंकि हमें हमारे प्रयोक्ता वर्ग अर्थात किसान तक पहुंचने में हिंदी तथा स्थानीय भाषाएं ही साथ दे सकती है। हिंदी हमारी राजभाषा है और हमारे दैनंदिन उसमें कार्य करते हुए उसे अपेक्षित गौरव प्रदान करना हमारा दायित्व है।

अतः सभी से मेरा निवेदन है कि वे बोलचाल, लेखन आदि में हिंदी का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करें और संस्थान में हिंदी को नई ऊंचाइयां प्रदान करें। अंत में डॉ. महेश कुमार के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन, तत्पश्चात राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ। संस्थान में संपन्न पूरे हिंदी चेतना मास समारोह के कार्यक्रमों का संचालन एवं समन्वय डॉ. सी तारा सत्यवती के दिशा-निर्देश में डॉ. जिनु जेकब तथा डॉ. महेश कुमार के द्वारा किया गया।

नराकास (उपक्रम) के तत्वावधान में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' प्रतियोगिता आयोजित

विकसित भारत में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' अत्यंत महत्वपूर्ण हैं : मुरलीधर

हैदराबाद, 13 अक्टूर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम), हैदराबाद-सिकंदराबाद के तत्वावधान में समिति के समन्वय कार्यालय इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रश्नमंच' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में सी मुरलीधर, कार्यपालक निदेशक (मा.सं.), मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सम्माननीय अतिथियों द्वारा दीप प्रदीप्तन के पश्चात् नराकास (उपक्रम) के सदस्य-सचिव डॉ. राजनारायण अवस्थी ने समिति की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। सी मुरलीधर, कार्यपालक निदेशक (मा.सं.) ने सभी प्रतिभागियों की सफलता की शुभकामना की तथा कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में अपने संगठन का प्रतिनिधित्व करना स्वयं में विजेता का प्रतीक है। इस प्रतियोगिता में दीपांक बिष्ट सहायक (जीएम/एनअ-ेसी), रेलटेल ने प्रथम; वेणु बाबू, प्रबंधक, मिधानि ने द्वितीय तथा एन. वेंकट साई, पर्यवेक्षक, भारत सरकार टकसाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए ईसीआईएल प्रबंधन ने विशेष रूप से प्रशंसा की। नवलकिशोर सिंह, प्रबंधक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, विशेष पर्यवेक्षक के रूप में आमंत्रित थे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में नराकास समन्वय कार्यालय के अजहर सुल्तान, डॉ. सीएच. अम्बेडकर तथा वी. कनका श्री महालक्ष्मी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। प्रतियोगिता का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

सीएसआईआर-आईआईसीटी में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आगाज

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सीएसआईआर-भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी), हैदराबाद में दि. 13-14 अक्टूबर, 2025 तक सीएसआईआर-आईआईसीटी, तारनाका, हैदराबाद में फ्रंटियर्स इन सस्टेनेबल ऑर्गेनिक सिंथेसिस एंड केमिकल बायोलॉजी (एफएस ओएससीबी-2025) पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है।

हाल के वर्षों में, रासायनिक विज्ञान में स्थिरता की खोज ने वैश्विक स्तर पर जबरदस्त ध्यान आकर्षित किया है। हरित और पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकियों पर बढ़ते जोर के साथ, दुनिया भर के रसायनज्ञ ऐसी नवीन रणनीतियों को डिजाइन करने का प्रयास कर रहे हैं जो दक्षता को अधिकतम करते हुए पर्यावरणीय प्रभाव को कम करती हैं।

इस प्रकार सस्टेनेबल ऑर्गेनिक सिंथेसिस और केमिकल बायोलॉजी प्रमुख अंतःविषय क्षेत्रों के रूप में उभरे हैं, जो पारंपरिक कार्बनिक रसायन विज्ञान को आधुनिक जीवन विज्ञान के साथ जोड़कर कुशल, परमाणु-किफायती और पर्यावरण-अनुकूल प्रक्रियाएं विकसित करते हैं। ये प्रगति नए अणुओं, सामग्रियों और दवाओं की खोज के लिए महत्वपूर्ण हैं जो हरित रसायन विज्ञान और स्थिरता के सिद्धांतों के अनुरूप हैं।

एफएसओएससीबी -2025 संगोष्ठी वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और उद्योग जगत के पेशेवरों के लिए सस्टेनेबल सिंथेसिस और केमिकल बायोलॉजी में हालिया प्रगति और उभरते रुझानों पर चर्चा करने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय मंच के रूप में काम करेगी। इस आयोजन में जर्मनी, अमेरिका, सिंगापुर और फ्रांस के प्रख्यात वक्ताओं द्वारा व्याख्यान दिए जाएंगे, जो अपने-अपने क्षेत्रों में अग्रणी हैं। विशेष रूप से, विश्व प्रसिद्ध कार्बनिक रसायनज्ञ प्रो. फिल एस. बारान एक विशेष व्याख्यान देंगे; यह भारत में उनका पहला वैज्ञानिक व्याख्यान होगा।

इस संगोष्ठी का उद्घाटन सीएसआईआर के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया गया, जिसमें समारोह की अध्यक्षता सीएसआईआर-आईआईसीटी के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी ने की। इसका केंद्रीय विषय ऑर्गेनिक सिंथेसिस और केमिकल बायोलॉजी में टिकाऊ दृष्टिकोणों पर केंद्रित है, जिसमें हरित रसायन विज्ञान, एसिमेट्रिक सिंथेसिस, उत्प्रेरण (catalysis), और प्राकृतिक उत्पाद-प्रेरित परिवर्तनों पर प्रकाश डाला गया है।

संगोष्ठी के संयोजक, सीएसआईआर-आईआईसीटी के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. सीएच. राजी रेड्डी ने सभी उद्योग प्रायोजकों को उनके उदार समर्थन और भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने यह भी बताया कि इस मेगा इवेंट में भारत और विदेश से 500 से अधिक प्रतिनिधियों के भाग लेने की उम्मीद है। वैज्ञानिक कार्यक्रम में प्लेनरी और आमंत्रित व्याख्यान, और 120 से अधिक पोस्टर प्रस्तुतियाँ शामिल हैं, जो मुख्य रूप से युवा शोधकर्ताओं और छात्रों द्वारा दी जाएंगी। इन उन्नत टिकाऊ प्रथाओं के बारे में जानने के लिए विभिन्न दवा कंपनियों के 100 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

अकादमिक और उद्योग जगत के विशेषज्ञों और शुरुआती करियर के वैज्ञानिकों को एक साथ लाकर, एफएसओएससीबी -2025 का उद्देश्य अंतःविषय सहयोग, विचारों के आदान-प्रदान और टिकाऊ रसायन विज्ञान में नवाचार को बढ़ावा देना है-जो फार्मास्यूटिकल्स, सामग्री और रासायनिक विज्ञान में पर्यावरण की दृष्टि से जिम्मेदार प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेगा।

इन्फ्रा मार्केट और एनएस पटेल एजेंसीज की एएसी ब्लॉक्स डीलर्स मीट सम्पन्न

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। इन्फ्रा मार्केट और एन.एस. पटेल एजेंसीज द्वारा आयोजित एएसी ब्लॉक्स डीलर्स मीट नामपल्ली स्थित क्वालिटी इन रेजीडेंसी में उत्साहपूर्वक संपन्न हुई। इस अवसर पर टॉप डीलर्स अवॉर्ड भी वितरित किए गए।कार्यक्रम में इन्फ्रा मार्केट के ए.वी.पी. (सेल्स, दक्षिण) संजय दंतोड़िया और डीजीएम (सेल्स, तेलंगाना) उमेश अर्केल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।संजय दंतोड़िया ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि एन.एस. पटेल एजेंसी के सहयोग से इन्फ्रा मार्केट का अग्रणी ब्रांड एएसी ब्लॉक हैदराबाद बाजार में शीर्ष पर पहुंचने में सफल रहा है। उन्होंने बताया कि कंपनी बिल्डिंग प्लेट और एएसी ब्लॉक श्रेणी में देशभर में द्वितीय स्थान पर है और लक्ष्य है कि आने वाले समय में देश की मार्केट लीडर बने। उन्होंने डीलर्स से सेल्स बढ़ाने और चल रही स्कीमों का लाभ उठाने का आग्रह किया।

उमेश अर्केल ने कहा कि तेलंगाना में एएसी ब्लॉक की शुरुआत जून 2024 में हुई थी, और आज यह ब्रांड प्रदेश में सबसे अधिक लोकप्रिय हो चुका है। उन्होंने कहा कि इस सफलता के पीछे कंपनी के प्रतिनिधियों और डीलरों का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने एन.एस. पटेल एजेंसी के सहयोग के लिए विशेष आभार जताया और सभी से ब्रांड को राष्ट्रीय स्तर पर सुदृढ़ बनाने का आह्वान किया।

एन.एस. पटेल एजेंसी के प्रबंध निदेशक जसमत पटेल ने कहा कि इन्फ्रा मार्केट में व्यापार गुणवत्ता केंद्रित है, न कि केवल मूल्य पर। कंपनी की दस फैक्ट्रियाँ स्थापित हैं और यह डीलरों को सुविधाजनक दामों पर उत्पाद उपलब्ध करा रही है। उन्होंने बताया कि आज देश की 29 अग्रणी कंपनियों के बीच एन.एस.पी. ने नई ऊँचाइयों को छुआ है और वर्तमान में 400 से अधिक डीलरों का नेटवर्क स्थापित किया है। उन्होंने बताया कि एन.एस.पी. डीलरों को परिवार का सदस्य मानकर कई आकर्षक योजनाएँ चला रही है, जिनमें इस अवसर पर 25 डीलरों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

एजेंसी के निदेशक रामकृष्ण पटेल ने बताया कि 1982 में नानजी भाई पटेल द्वारा पटेल एंड कंपनी की स्थापना भवन निर्माण सामग्री के वितरण चैनल के रूप में की गई थी जिसे जसमत पटेल ने 400 से अधिक डीलरों तक विस्तारित किया। कंपनी ने नए उत्पादों की शुरुआत कर भारत में एस्बेस्टस शीट और वी-बोर्ड के सबसे बड़े वितरक के रूप में पहचान बनाई। हैदराबाद और आर.आर. ज़िले में दस हजार से अधिक परियोजनाएँ एन.एस.पी. द्वारा पूरी की जा चुकी हैं।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में एन.एस.पी. ने इंफ्रा मार्केट के एएसी ब्लॉक का वितरण कार्य प्रारंभ किया और मात्र चार महीनों में हैदराबाद में सबसे अधिक बिकने वाला एएसी ब्लॉक वितरक बन गया।

पुरस्कारों में प्रथम पुरस्कार: पटेल एंड कंपनी - हर्षित पटेल, द्वितीय पुरस्कार: भैया इंटरप्राइजेज - शिवशंकर और तृतीय पुरस्कार: मेट्रो सेल्स डिपो - मोहम्मद मोइज भाई को प्राप्त हुआ।इसके साथ ही एम.एम. ट्रेडर्स, हेडा एसोसिएट, श्री लता स्टील्स, भरत ट्रेडर्स, नेशनल ट्रेडर्स, समीर ट्रेडर्स, श्री धनलक्ष्मी इंडस्ट्रीज, स्टैंडर्ड स्टील एंड सीमेंट, श्री साई कुमार सीमेंट ब्रिक्स, उदय एंड कंपनी, कार्तिकेय स्टील एंड सीमेंट, वैष्णवी ट्रेडर्स, ओम पटेल एंड कंपनी, बी.आर. पटेल एंड कंपनी, लक्की पेंट्स एंड हार्डवेयर, फाइन सेनेटरी एजेंसीज आदि को भी अवॉर्ड दिए गए।समारोह में हिंदी और तेलुगु फिल्मों के गीतों पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी दी गईं, जिससे कार्यक्रम में उत्साह और उल्लास का वातावरण बना रहा।

राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार और नामपल्ली में अन्नदान सेवा सम्पन्न

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में जारी नियमित अन्नदान सेवा के तहत सोमवार को बेगम बाजार स्थित भूदेवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस सेवा कार्य में जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, रवि अग्रवाल, राजेश सर योगा, गोविंद राम पचेरीया, लता गोयल, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल और आशीष सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।इसी तरह नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के पास पिलर नंबर 1265-ए पर भी अन्नदान सेवा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनिता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, संजय गोयल, कैलाश चंद्र केडिया, निर्मला केडिया, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, नंदकिशोर अग्रवाल, ई-जगन (चंपापेट), रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, सुरेश डालमिया, गुरवीर सिंह और रवि शर्मा सहित अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित थे।

राधे राधे ग्रुप द्वारा संचालित यह सतत अन्नदान सेवा समाजसेवा और भक्ति भाव का श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

बधर माताजी का वार्षिकोत्सव 30 को

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री बधर माता माहेश्वरी सेवा समिति की मासिक बैठक चैतन्यपुरी निवासी हनुमानदास सोमानी के आवास पर संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष राजेश सोमानी ने की। बैठक में हैदराबाद में इस वर्ष कुलदेवी बधर माता के 16वें वार्षिक जागरण के आयोजन पर विस्तृत चर्चा की गई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बधर माता अध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक सेवा ट्रस्ट, ताना गाँव के सहसचिव गोविंद सोमानी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक वर्ष बधर माता धाम, ताना गाँव में गोपाष्टमी के अवसर पर माता परिवार का दीपावली स्नेह मिलन तथा अन्नकूट महोत्सव मनाया जाता है। इस पावन अवसर पर संपूर्ण भारतवर्ष से भक्तगण कार्यक्रम में सहभागी होने हेतु पधारते हैं।

इस वर्ष यह महोत्सव 30 अक्टूबर को आयोजित किया जा रहा है। उसी दिन सायं 5:30 बजे ट्रस्ट की वार्षिक बैठक होगी तथा रात्रि में भजन संध्या का भव्य आयोजन किया जाएगा। अगले दिन 31 अक्टूबर को प्रातःकाल हवन और अन्नकूट प्रसादी का आयोजन होगा। हैदराबाद से लगभग 20 से 25 भक्तों का समूह समिति के उपाध्यक्ष रमेश मर्दा के नेतृत्व में इस महोत्सव में सहभागी होगा।भक्तों को कार्यक्रम की सूचना व्हाट्सएप संदेशों के माध्यम से भेजी गई है। बैठक में राजेश सोमानी, गोविंद सोमानी, विष्णु मर्दा, राजगोपाल मर्दा, श्यामसुन्दर सोमानी, राधेश्याम सोमानी, रामगोपाल मर्दा और हनुमानदास सोमानी उपस्थित रहे।

बटाला पंजाबी एसोसिएशन का दिवाली मिलन आयोजित

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बटाला पंजाबी एसोसिएशन (बीपीए) ने सिकंदराबाद स्थित आला लिबर्टी में अपना पहला दिवाली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया। संस्था के अध्यक्ष अनीश अग्रवाल एवं संस्थापक/सचिव श्री सचिन गोयल ने कार्यक्रम के दौरान सभी गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में कार्यकारी समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे और दिवाली के शुभ अवसर पर परस्पर शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया गया।

अग्रवाल समाज घांसीबाजार झूला शाखा की मासिक बैठक सम्पन्न

अन्नकूट प्रसाद का आयोजन 28 दिसंबर को

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। घांसीबाजार स्थित श्री राणी सती दादी जी के मंदिर में अग्रवाल समाज घांसीबाजार झूला शाखा की मासिक बैठक शाखाध्यक्ष अनिल धरसूवाला की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया गया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अन्नकूट प्रसाद का आयोजन 28 दिसंबर, रविवार को किया जाएगा।शाखा द्वारा प्रतिमाह अमावस्या के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाने वाला अन्नदान महादान कार्यक्रम पिछले 15 वर्षों से अनवरत और निर्बाध रूप से जारी है। इस कार्यक्रम की जिम्मेदारी वर्तमान उपाध्यक्ष शिव भगवान अग्रवाल बॉयवाला को सौंपी गई है, जिनके सह-सहयोगी के रूप में कमल किशोर अग्रवाल, मनोज कुमार मीत्तल, यश अग्रवाल तथा महिला समिति की ओर से शर्मीला अग्रवाल कार्यरत रहेंगी।

महाराजा श्री अग्रसेन जी की जयंती के अवसर पर चलाए गए सदस्यता अभियान के अंतर्गत संयोजक शशीकांत अग्रवाल व योगेन्द्र कटारुका के नेतृत्व में अल्प समय में ही सदस्यों की संख्या 915 तक पहुँचा दी गई थी। यह अभियान आगे भी जारी रहेगा, जिसके अंतर्गत शाखा के सभी सदस्यों एवं उनके परिवारजनों को निशुल्क सदस्य बनाया जाएगा। सभी से अनुरोध किया गया कि इस अवसर का भरपूर लाभ उठाएँ।

बैठक के अंत में शाखा के निवर्तमान अध्यक्ष गोविंद राम पचेरिया, मानद मंत्री हरिनारायण अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य सज्जन कुमार अग्रवाल बॉयवाला, महेश कुमार कानोड़िया, शीव कुमार जाखणी वाला, मनोज पचेरिया, श्याम सुन्दर अग्रवाल, अशोक अग्रवाल सौलानावाला, राधा अग्रवाल एवं मनोज अग्रवाल गौशालावाला सहित सभी आगंतुक सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए बैठक का समापन किया गया।

अंतरिक्षजी महातीर्थ शिरपुर की पावन यात्रा सम्पन्न

हैदराबाद, 13 अक्टूबर 2025 (शुभ लाभ ब्यूरो)। प.पू.अभिनंदनसागरश्रीजी म.सा. आदि ठाणा-05 एवं प. पू. भावरत्नाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा-08 की मंगलमयी छत्रछाया व आशीर्वाद से संघवी निखिल निर्मल कोठारी, कमलाबाई छगनलाल कोठारी ने श्री पार्श्वनाथ जैन मंडल के सभी सदस्यों को अंतरिक्षजी महातीर्थ, शिरपुर की पावन यात्रा कराई।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में जैनरत्न रमेश पी. तातेड ने बताया कि इस यात्रा में सभी श्रद्धालुओं ने परमात्मा के दर्शन, पूजन एवं आराधना का पुण्य लाभ प्राप्त किया। यात्रा में आदित कोठारी, नितिन मेहता, रितेश तातेड, प्रीतेश मेहता, अरुण मेहता, हसमुख हरण, मनीष परमार, शालीन दोषी, तपन तातेड, विराग सिंघवी, बंटी मेहता, निकेश जैन, विवेक ओस्तवाल, अर्पण जैन, केतन मेहता, लविश जैन, चेतन जैन, जीयांश, जिनय, एतांश, ऋषभ, तत्व दांतवड़िया, तीर्थराज, हरित, तीर्थ, आदेश, कृष, वीरेन, मानविक, धीर, दिशान सहित अनेक श्रद्धालुजनों ने भाग लेकर धर्म, भक्ति और एकता का अनुपम संदेश दिया।

संघाध्यक्ष संघवी निर्मल कोठारी, मंत्री सुधीर आर. कोठारी एवं समस्त ट्रस्ट मंडल के साथ मंडल के अध्यक्ष विक्रम भंडारी ने कोठारी परिवार का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी धार्मिक यात्राएँ समाज में सौहार्द, समर्पण और धार्मिक भावनाओं को दृढ़ करती हैं।

उत्तर भारतीय प्रवासियों द्वारा छठ पूजा की तैयारी जोरों पर

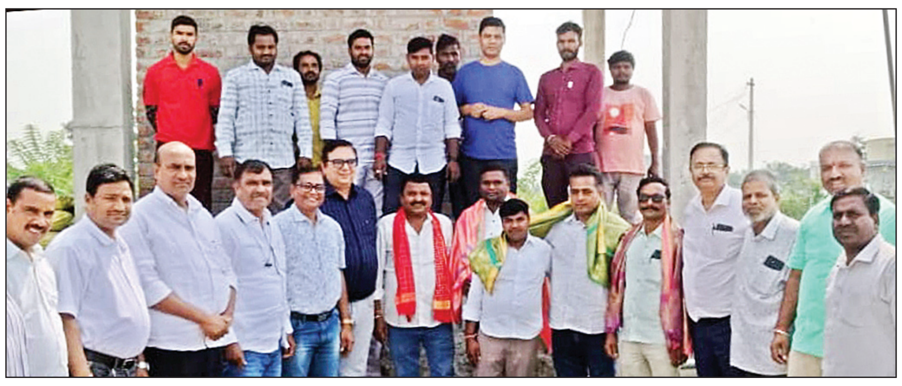

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बिहार एसोसिएशन हैदराबाद के कार्यकर्ता शहर के विभिन्न क्षेत्रों में महापर्व छठ की तैयारी में जुट गए हैं। छठ घाटों की सफाई एवं साज-सज्जा का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। एसोसिएशन के महासचिव प्रभास कुमार ने बताया कि महापर्व छठ के आयोजन पर संस्था द्वारा राज्य के माननीय मुख्यमंत्री श्री रेवंत रेड्डी जी को आमंत्रित किया गया है।बिहार एसोसिएशन हैदराबाद राज्य के प्रशासनिक विभाग एवं ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के सहयोग से शहर के सभी क्षेत्रों में अपने कर्मठ सदस्यों की सहायता से छठ घाटों का सौंदर्यीकरण कार्य प्रारंभ कर चुका है। प्रमुख छठ स्थलों - टैंक बॉन्ड, उप्पल छठ घाट, एलबी नगर, काटे दान, मियांपुर, अयोध्या नगर, सुभाष नगर आदि स्थानों पर तैयारियाँ पूरे उत्साह के साथ जारी हैं।

एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार ने बताया कि संस्था द्वारा शमशाबाद एवं टैंक बॉन्ड पर बैठक आयोजित कर चल रही तैयारियों की समीक्षा की गई। इसी दौरान संगठन की कार्यकारिणी मंडल ने शमशाबाद क्षेत्र में सूर्य मंदिर निर्माण हेतु 51,000 की राशि से सहयोग प्रदान किया।एसोसिएशन के अध्यक्ष हरेराम सिंह ने बताया कि राज्य सरकार के प्रशासनिक विभागों एवं प्रत्येक क्षेत्र के नगरपालिका निगमों से संस्था को पूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि बिहार एसोसिएशन हैदराबाद राज्य सरकार के सहयोग से सभी प्रशासनिक दिशानिर्देशों का पालन करते हुए व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को अधिकतम सुविधाएँ प्रदान करने के लिए प्रयासरत है।बैठक में बिहार फाउंडेशन चैप्टर के चेयरमैन श्री मानवेंद्र मिश्रा, एसोसिएशन मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार यादव सहित कार्यकारिणी के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर सम्पन्न

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल मानव सेवा मंच के प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल ने विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी कि मंच का 195वां निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर श्रीनगर कॉलोनी शाखा, तेलंगाना में आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ भारत माता और श्री अग्रसेन महाराज जी की पूजा-अर्चना के साथ हुआ, जिसका संचालन स्वास्थ्य शिविर के प्रयोजक श्री नथमल नरेन्द्र गोयल और श्री नरेन्द्र कुमार गोयल ने किया।

शिविर में मंच के प्रधान संयोजक विनोद अग्रवाल, संयोजक विष्णु गुप्ता, उमाशंकर गोयनका, प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल, सह संयोजक डॉ कपिल बलदेव, अजय गुप्ता, संजय गुप्ता, श्रीनगर कॉलोनी शाखा के उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य राहुल सिंघल, भारत विकास परिषद के श्री शिवाराम कृष्णा, सनत नगर लोढा शाखा के केस मेम्बर श्री सुभाष अग्रवाल, और समाजसेवी श्री सुरेश शर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही, जिससे शिविर को सफलता मिली।

शिविर में स्वरुप आई केयर सेंटर, अबिडस और बंजारा हिल्स के नेत्र विशेषज्ञों ने नेत्र परीक्षण कर समस्याओं का निदान किया। दो रोगियों को मोतियाबिंद के लिए चिन्हित किया गया, जिनका निशुल्क ऑपरेशन स्वरुप आई केयर सेंटर, अबिडस हैदराबाद में किया जाएगा। क्राउन डेंटल क्लिनिक, अमीरपेट के डॉ कपिल बलदेव ने दंत रोगियों को सेवाएँ प्रदान कीं, वहीं वासवी फिजियोथैरेपी और रिहैबिलिटेशन सेंटर, लकड़ी का पुल के डॉ पी रवि के नेतृत्व में फिजियोथैरेपी सेवाएँ उपलब्ध कराई गईं।

इस शिविर में कुल 105 स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य जांच सेवाओं का लाभ उठाया। स्कूल की प्रबंधन समिति और कर्मियों का सहयोग अत्यंत सराहनीय रहा। समापन अवसर पर मंच के प्रधान संयोजक विनोद अग्रवाल ने सभी सहयोगी पक्षों का आभार व्यक्त किया।

शेखावाटी कला, संस्कृति एवं इतिहास शोध संस्थान की ओर से समाज सेवा, कला और संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सपना गुप्ता को सम्मानित किया गया। संस्थान के अध्यक्ष रामानंद शर्मा ने पुरूषोत्तम कंडेल और देहाती विश्वनाथ की उपस्थिति में शैफरोन ऑफिस में यह पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर शैफरोन डायरेक्टर विमल कुमार गुप्ता भी उपस्थित रहे।

दिवाली आणा कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन भवन, रामकोट में नरपत अमीचंद झोटा द्वारा पारंपरिक दिवाली आणा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया।

जैनरत्न रमेश पी. तातेड द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर पर नरपत झोटा, नेमीचंद झोटा, लक्ष्मण झोटा, महेंद्र झोटा, गौतम झोटा, दिलीप झोटा, चंपालालजी भंडारी, रिकबचंदजी जैन, जैन रत्न रमेश पी. तातेड, अशोक जैन, मुकेश चौहान और पुष्पक जैन सहित समस्त झोटा परिवार एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और आकर्षक सजावट के बीच यह कार्यक्रम हर्षोल्लास एवं मंगलमय वातावरण में संपन्न हुआ।

अग्रवाल समाज दोमलगुडा शाखा का मासिक मेल-मिलाप कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना की दोमलगुडा शाखा द्वारा होटल प्लेटीनम में मासिक मेल-मिलाप कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर शाखा के पदाधिकारी, सदस्य एवं अग्र महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम में सामाजिक सद्भाव, पारिवारिक एकजुटता और संगठन की सक्रियता पर चर्चाएं हुईं तथा आपसी परिचय और सौहार्द का वातावरण बना रहा।

मेडचल में डॉक्टर की लापरवाही से मरीज की मौत, परिजनों का प्रदर्शन हिंसक हुआ

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मेडचल जिले के कीसरा क्षेत्र स्थित नितिन अस्पताल में रविवार देर रात कथित चिकित्सकीय लापरवाही के कारण एक व्यक्ति की मौत के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया और डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए तोड़फोड़ की। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान यदाद्री जिले के पगिडीपल्ली गाँव निवासी महेश यादव के रूप में की गई है, जो बोडराई त्योहार के अवसर पर कीसरा में अपने रिश्तेदारों से मिलने आया था। रविवार शाम उसकी तबीयत अचानक बिगड़ने पर परिजन उसे इलाज के लिए नितिन अस्पताल लेकर पहुँचे।परिवार के सदस्यों का आरोप है कि डॉक्टरों ने इंजेक्शन लगाने के तुरंत बाद उचित उपचार नहीं किया, जिससे महेश की स्थिति तेजी से बिगड़ती गई। डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए नगरम के विजय अस्पताल रेफर किया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मृत्यु हो गई।इस अप्रत्याशित मौत से गुस्साए परिजन बड़ी संख्या में अस्पताल के बाहर इकट्ठे हो गए और नारेबाजी करते हुए डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। आक्रोशित भीड़ ने अस्पताल परिसर में मौजूद फर्नीचर, एसी और अन्य उपकरणों को नुकसान पहुँचाया। सूचना पाकर कीसरा थाने की पुलिस मौके पर पहुँची और स्थिति को नियंत्रित किया। प्रदर्शन के चलते क्षेत्र में करीब एक किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। पुलिस अधिकारियों के समझाने के बाद स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हुई। फिलहाल पुलिस ने मामले की जाँच शुरू कर दी है और शिकायत के आधार पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इलाके में हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं।

संगारेड्डी में पोलियो ड्रॉप्स पीने के बाद तीन माह के शिशु की मौत

अधिकारियों ने टीके पर संदेह को किया खारिज

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। संगारेड्डी जिले के कांगटी मंडल में रविवार को पोलियो ड्रॉप्स पिलाए जाने के कुछ घंटों बाद तीन महीने के शिशु की दुखद मौत हो गई। इस घटना के बाद परिवार में मातम का माहौल है जबकि स्वास्थ्य विभाग ने प्राथमिक जाँच के बाद टीकाकरण से किसी भी प्रकार का संबंध होने से इंकार किया है।

परिवार के अनुसार, पोलियो ड्रॉप्स पिलाने के करीब 20 मिनट बाद ही शिशु को उल्टियाँ होने लगीं और उसकी तबीयत तेजी से बिगड़ती गई। बच्चे की माँ ने बताया, जब हम घर लौटे, तो बच्चे को लगातार उल्टियाँ हो रही थीं। वह दूध नहीं पी रहा था और लगातार रो रहा था। कुछ ही देर में उसके हाथ-पैर सूज गए। परिजन तत्काल उसे अस्पताल लेकर पहुँचे, जहाँ डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार यह मौत श्वासावरोध (asphyxia) के कारण हुई है, और इसका पोलियो ड्रॉप्स से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने बताया कि बच्चे को घर लौटने के बाद बोतल का दूध पिलाया गया था, जो सम्भवत: जटिलता का कारण बना।

ड्यूटी पर मौजूद आशा कार्यकर्ता ने माता-पिता को सलाह दी थी कि बच्चे को तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कांगटी ले जाया जाए, लेकिन परिवार उसे दोपहर करीब 2 बजे एक निजी चिकित्सक के पास ले गया, जहाँ स्थिति गंभीर हो चुकी थी।

अधिकारियों के अनुसार, जिस बूथ पर बच्चे को पोलियो ड्रॉप्स पिलाए गए, वहाँ कुल 108 बच्चों को वही टीका दिया गया और किसी अन्य बच्चे में कोई प्रतिकूल प्रतिक्रिया दर्ज नहीं हुई।

राज्य सरकार की ओर से वर्तमान में हैदराबाद, संगारेड्डी, रंगारेड्डी, मेडचल, हनमकोंडा और वारंगल जिलों में पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए विशेष पल्स पोलियो अभियान चलाया जा रहा है। रविवार, 12 अक्तूबर तक 16,35,432 बच्चों को पोलियो की दवा दी जा चुकी है, जो कुल लक्ष्य का लगभग 94.4 प्रतिशत है। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान अगले दो दिनों तक और जारी रहेगा।

भावसार विजन इंडिया हैदराबाद ने दशहरा स्नेह मिलन मनाया

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भावसार विजन इंडिया हैदराबाद क्षेत्र-104 द्वारा दशहरा स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन श्री दत्तात्रेय स्वामी मंदिर, कुरुवा पुरम तथा मान्यमकोंडा श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में किया गया।

इस अवसर पर डॉ. प्रशांत नीमकर, मोहन राव देवथ राज, श्री प्रवीण पतंगे, अश्विनी पतंगे, राकेश घनाते, घनश्याम पतंगे, अर्चना बास्तुकर, श्री शशिकांत पिस्से, श्री शंकर आसतुकर (मंत्री) एवं शीतल नीमकर (अध्यक्षा) सहित कई सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे। समिति ने कहा कि उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों के समर्थन और प्रोत्साहन ने इस उत्सव को और भी विशेष एवं यादगार बना दिया।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,28,730/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,78,580/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

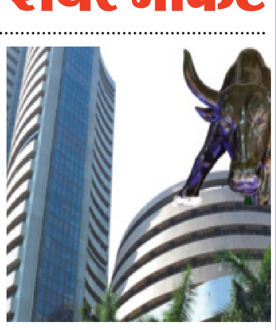

बीएसई : 82,327.05 -173.77 -0.21% ↓

एनएसई :25,227.35 -58.00 (-0.23%) ↓

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, HEMA SREE is legally wedded spouse of Army No.JC 732765F Sub Chenna Kesavulu Reddy P R/o. Vill: Narayana Reddy Palle Post:Venuthana Palle, Teh:Puthala Pattu, Dist:Chittor, Andhra Pradesh, 517112 have changed my name from HEMA SREE to HEMASREE KALAVAKUNTA vide affidavit dt:13/10/2025 before C.V.N Rama Krishna, Advocate and notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME & DOB

I, KAVITA is legally wedded spouse of Army No. JC 731523M SUB /H LT BAL RAM R/o. Vill:Munsari, Post:Gogameri, Teh:Bhadra, Dist:Hanumangarh, Rajasthan, 335504 have changed my name from KAVITA to KAVITA DEVI and Date of birth 20/09/1976 to 05/09/1976 vide affidavit dt:13/10/2025 before C.V.N Rama Krishna, Advocate and notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME

I, Service No. JC 734484K Sub GUJJU SATYA NARAYANA REDDY, Resident of 1-36, Boyapalem Village, Gambheeram Tehsil, Anandapuram Mandal, Boyapalem Post office, Visakhapatnam District, Andhra Pradesh-531163 that my wife name is to be changed from P VASANTHI to GUJJU VASANTHI vide affidavit dt:11-10-2025 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

विकास कार्यों में तेजी लाई जाए : वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि जिले में चल रहे विकास कार्यों में तेजी लाकर उन्हें जल्द से जल्द पूरा किया जाए। सोमवार को जिला केंद्र स्थित एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन के सभाकक्ष में पंचायत राज अभियांत्रिकी, सड़क एवं भवन निर्माण, आदिम जाति कल्याण विभाग के अभियांत्रिकी अधिकारियों और जिला अपर कलेक्टर (स्थानीय संस्थाएँ) दीपक तिवारी के साथ विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

इस अवसर पर बोलते हुए, जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले में पंचायत राज अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत सड़कों, पुलियों, ग्राम पंचायत भवनों, आंगनवाड़ी केंद्रों, सरकारी स्कूलों में चल रहे विकास कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए। साथ ही, पेयजल आपूर्ति, बालिका शौचालयों, चारदीवारी, अतिरिक्त कक्षों के निर्माण और भवनों की मरम्मत के कार्य समयबद्ध रूप से संपन्न किए जाएँ।

कलेक्टर धोत्रे ने जिले में निर्माणाधीन इंदिराम्मा महिला शक्ति भवन का कार्य दिसंबर तक पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क एवं भवन विभाग के अधीन चल रही परियोजनाओं में गति लाकर, संबंधित अधिकारियों एवं इंजीनियरिंग टीमों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य शीघ्र पूर्ण किए जाएँ। आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित विकास योजनाओं की प्रगति पर भी विशेष ध्यान देने को कहा।

उन्होंने निर्देश दिया कि हाल ही में हुई भारी वर्षा से क्षतिग्रस्त सरकारी कार्यालयों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, स्वास्थ्य उपकेंद्रों, आंगनवाड़ी भवनों तथा ग्राम पंचायत भवनों की तत्काल मरम्मत कराई जाए। सड़कों और पुलियों की मरम्मत के लिए रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। यदि विकास कार्यों में कोई स्थलीय समस्या उत्पन्न हो, तो संबंधित तहसीलदारों के साथ समन्वय कर शीघ्र समाधान निकाला जाए।

कलेक्टर ने कहा कि वर्षा ऋतु समाप्त होने के बाद भी कार्यों की गति बनी रहनी चाहिए। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत स्वीकृत रसोईघरों और बालिका शौचालयों के निर्माण कार्यों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों से आपसी समन्वय के माध्यम से कार्य निष्पादन करने का आग्रह किया ताकि जिले के विकास कार्य तेजी से पूरे हो सकें।

इस बैठक में जिला ग्राम्य विकास अधिकारी दत्ता राव, जिला कल्याण अधिकारी भास्कर, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी लक्ष्मीनारायण, जिला आदिवासी विकास अधिकारी रमादेवी, जिला पंचायत अधिकारी भिक्षापति, मंडल परिषद विकास अधिकारी, मंडल शिक्षा अधिकारी तथा संबंधित विभागों के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कांग्रेस सरकार जनता से किया वादा पूरा करे : दुर्गम चिन्नैया

मंचेरियाल, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिला बेल्लमपल्ली के पूर्व विधायक दुर्गम चिन्नैया ने मांग की है कि कांग्रेस द्वारा जनता को दिए गए बकाया का तुरंत भुगतान किया जाए। रविवार को मंचेरियल जिले के कासिपेटा मंडल के देवापुर में बीआरएस के तत्वावधान में कांग्रेस के बकाया कार्ड वितरित किए गए। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी ने लोगों को चुनाव में दिए गए छह वादों को लागू न करके की गई धोखाधड़ी के बारे में बताया।

पूर्व विधायक दुर्गम चिन्नैया ने संबोधित करते हुए कहा कि चुनावी वादे के अनुसार कांग्रेस पार्टी के 22 महीने के शासन के दौरान के बकाया का तुरंत भुगतान किया जाना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि उनके उन कांग्रेस नेताओं को पद से हटा देना चाहिए जो वोट के लिए उनके घर आते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि बीआरएस किसी भी आगामी चुनाव में जीतता है, तो वे लोगों की ओर से लड़ेंगे और सरकार द्वारा किए गए वादों को लागू करेंगे।

इस कार्यक्रम में बीआरएस मंडल के अध्यक्ष बोल्लू रमना रेड्डी, गोंडी वेंकट रमना, पूर्व एमपीटीसी कोंडाबाथुला रामचंदर, एग्गी सत्तैया, पूर्व उपसरपंच बोइनी तिरुपति, दंडवेनी चंदू, कैलाश, गोन रवि, अटकापुरम रमेश, कसाडी भुमन्ना, सुधीर, सुधाकर रेड्डी, जदी रामचंदर, कुमारी शेखर, दुर्गम सागर, पेंड्राम हनुमंथु, कोमुरैया, मंगा श्रीकांत, अफजल, संजीव और अन्य नेता उपस्थित थे।

छह अनाथ बच्चों की मदद के लिए आगे आए सामाजिक कार्यकर्ता

आसिफाबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो) । लिंगापुर मंडल के मोदीगुडा गाँव के कनक भीमराव का हाल ही में बीमारी से निधन हो गया। उनकी पत्नी का दो साल पहले ही निधन हो चुका था, जिससे उनके छह बच्चे पूरी तरह से अनाथ हो गए। सोशल मीडिया के माध्यम से इस दुखद घटना के प्रकाश में आने के बाद कई सामाजिक कार्यकर्ताओं ने संवेदना व्यक्त की और बच्चों की मदद के लिए आगे आए।

आज सामाजिक कार्यकर्ता मोदीगुडा पहुँचे और बच्चों से मुलाकात कर उन्हें हिम्मत दी। उन्होंने 67,000 रुपये (साठ हज़ार रुपये) की नकद सहायता, कपड़े और अन्य आवश्यक सामान प्रदान किए।धन संग्रहकर्ताओं में समाजशास्त्री चाहकती श्याम राव, मादा पच्ची अर्जुन, सिदम रामचंद्र और मदवी भारत भूषण शामिल थे। उन्होंने कहा कि बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए सरकार और सामाजिक दानदाताओं को आगे आने की ज़रूरत है।इस राहत कार्यक्रम के आयोजन में अथराम भुजंगा राव, मेसराम शेखर, कनक भुचिराम, कनक वेंकटेश्वर राव, अत्रम चोक्का राव, अत्रम धर्म राव, चाहकती संजीव, आदिवासी नेता मेश्राम बधीराव, सिदाम जगन्नाथ राव, मेश्राम गोविंदराव, एड. अमृता राव, कनक ज्योतिराम, मदवी भारत भूषण, जुगनक धर्मेंद्र, मदवी तुलसीराम, ग्रामीण मेश्राम गोविंदराव, कोटनाका पावु, मारुस्कोला जुगाड़ी राव, सैनिक राव, रामचंदर और अन्य लोग शामिल रहे।

ग्राम पटेल देवारी महाजन (पूर्व सरपंच, एमपीटीसी) समेत उपस्थित जनों ने सरकार और दानदाताओं से अपील की कि वे इन छह बच्चों को सुरक्षित जीवन, अच्छी शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य प्रदान करने के लिए आगे आएं।

टास्क फोर्स पुलिस ने पोकर खेलते 8 लोगों को पकड़ा

आसिफाबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिला पुलिस अधीक्षक कांतिलाल पाटिल (आईपीएस) ने चेतावनी दी है कि अवैध गतिविधियों का आयोजन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला एसपी कांतिलाल पाटिल (आईपीएस) के आदेश पर जिला टास्क फोर्स पुलिस ने अवैध गतिविधियों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है।

इसी क्रम में, टास्क फोर्स के एसआई कंधुरी राजू और उनकी टीम ने कल आधी रात को सिरपुर (टी) मंडल के लोनावेली गाँव में छापा मारा। छापे के दौरान अलूरी प्रकाश के घर के परिसर में पोकर खेलते हुए 8 लोगों को पकड़ा गया। टीम ने मौके से 17,670 रुपये नकद और 52 पोकर कार्ड ज़ब्त किए।

गिरफ्तार किए गए लोगों में- बेंडारी श्रीनिवास पुत्र कारू, पियर्सगुला लाचन्ना पुत्र राजन्ना, बोड्डू रवि पुत्र शंकर, अलूरी किशोर पुत्र रूशी, डोंगरे रूपलाल पुत्र पिशी, तेकुला शंकर पुत्र नानी, बुद्ध स्वप्निल पुत्र बालकिशन और भोनागिरी नवीन पुत्र केदारी शामिल है।

पकड़े गए सभी 8 लोगों को गिरफ्तार कर सिरपुर (टी) थाने में मामला दर्ज किया गया।

भागने वाले लोग: पुलाजाले अनिल पुत्र भगवान, निवासी ड्ड लोनावेली और जुनारी प्रशांत पुत्र अंजैया।

इन दोनों भागने वालों और घर के मालिक अलूरी प्रकाश (पुत्र नानैया, निवासी - लोनावेली) के खिलाफ सिरपुर (टी) पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है तथा जाँच जारी है।

जिला पुलिस अधीक्षक कांतिलाल पाटिल (आईपीएस) ने कहा कि जुआ और पोकर जैसी अवैध गतिविधियाँ समाज पर बुरा प्रभाव डालती हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि यदि किसी स्थान पर ऐसी अवैध गतिविधियों की जानकारी मिले, तो तुरंत निकटतम पुलिस स्टेशन में सूचित करें, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 100 पर कॉल करें या 8712670551 पर जानकारी दें।

इस छापेमारी में टास्क फोर्स के एसआई कंधुरी राजू, हेड कांस्टेबल महमूद, कांस्टेबल विजय, रमेश और होमगार्ड शेखर शामिल थे।

कोमा में पड़े करीमनगर के इंजीनियर को सऊदी अरब से हैदराबाद वापस लाया गया

मंचेरियाल, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पिछले 40 दिनों से कोमा में रहे खाड़ी प्रवासी लोकिनी कृष्णमूर्ति को सऊदी अरब के रियाद से हैदराबाद लाने की व्यवस्था की गई है। कृष्णमूर्ति को मेडिकल स्टाफ की निगरानी में सऊदी एयरलाइंस की उड़ान से रवाना किया गया। उनकी पत्नी अश्विनी भी उनके साथ हैं। उनके हैदराबाद पहुंचने की उम्मीद है, जिसके बाद उन्हें डेक्कन अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा।एल्काटुर्थी मंडल के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर कृष्णमूर्ति को स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं हुईं और 23 जुलाई को वे बेहोश हो गए। उन्हें रियाद के एसएमसी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने पुष्टि की कि उच्च रक्तचाप के कारण मस्तिष्क में तंत्रिका क्षति के कारण वे कोमा में हैं। उनकी हालत बेहद गंभीर बनी हुई है, जिसके लिए उन्हें दीर्घकालिक न्यूरोक्रिटिकल देखभाल और पुनर्वास की आवश्यकता है।9 सितंबर को उनके पिता सुरैया ने हैदराबाद में मुख्यमंत्री प्रवासी प्रजावाणी कार्यक्रम में एक ज्ञापन प्रस्तुत किया, जिसमें कृष्णमूर्ति को शहर में स्थानांतरित करने में सहायता का अनुरोध किया गया। सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए, पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं परिवहन मंत्री पूनम प्रभाकर ने स्थानांतरण की सुविधा के लिए सऊदी अरब स्थित भारतीय दूतावास से समन्वय किया।इस कदम का समन्वय एनआरआई सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष मंदा भीम रेड्डी और ग्लोबल तेलंगाना फोरम सऊदी अध्यक्ष मोहम्मद जब्बार द्वारा किया गया, जिससे मरीज का हैदराबाद तक सुरक्षित परिवहन सुनिश्चित हुआ।

कांग्रेस सरकार अगले तीन वर्षों में किए गए हर वादे को पूरा करेगी

मंचेरियाल, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सरकार बने दो साल हो गए हैं। कांग्रेस मंडल अध्यक्ष रत्नम प्रदीप ने कहा कि अभी तीन साल बाकी हैं और किए गए हर वादे को पूरा किया जाएगा। उन्होंने सोमवार को मंचेरियाल जिले के कासिपेटा मंडल के कोंडापुर यापा में मंडल कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित एक बैठक में यह बात कही।उन्होंने कहा कि आगामी स्थानीय चुनावों में कांग्रेस पार्टी सभी सीटें जीतेगी। उन्होंने कहा कि आप जिस भी गांव में जाएं, इंदिराम्मा का घर वहां जरूर होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता से किया गया हर वादा पूरा किया जाएगा।उन्होंने कहा कि सरकार पर लगाए गए आरोपों और आलोचनाओं पर विश्वास नहीं किया जाना चाहिए। इस कार्यक्रम में एटीएमए के अध्यक्ष रौतु सत्ताय्या, महासचिव मैदाम रमेश, एससी अध्यक्ष गो-लेटी स्वामी, दुर्गम प्रवीण और अन्य लोग शामिल हुए।

चेन्नूर में किसान की आत्महत्या से मचा हड़कंप !

मंचेरियाल, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो) । मंचेरियाल जिला के चेन्नूर कस्बे के महांकालीवाड़ा में सोमवार को एक 60 वर्षीय किसान ने कथित तौर पर बढ़ते कृषि ऋण को चुकाने में असमर्थता के कारण आत्महत्या कर ली। यह घटना चेन्नूर विधानसभा क्षेत्र में हुई, जिसका प्रतिनिधित्व श्रम मंत्री विवेक वेंकटस्वामी करते हैं।परिजनों और पुलिस के अनुसार, गडाला मोंडी नामक किसान ने कस्बे के पास एक नाले के पास कीटनाशक पी लिया। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। परिवार के सदस्यों ने पत्रकारों को बताया कि बार-बार फसल बर्बाद होने के कारण मोंडी गंभीर मानसिक तनाव में थे। उन्होंने बताया कि वह कपास और धान की खेती के लिए लिए गए कर्ज को चुकाने में असमर्थता से परेशान थे। इस बीच स्थानीय किसानों ने याद दिलाया कि विवेक वेंकटस्वामी ने चुनावों के दौरान वादा किया था कि अगर वे चुनाव जीतते हैं तो गोदावरी नदी पर बाढ़ रोकने के लिए एक दीवार बनवाएँगे। किसानों ने मंत्री बनने के बाद भी इस मुद्दे को सुलझाने में विफल रहने के लिए उनकी आलोचना की। बार-बार हो रहे नुकसान से परेशान किसानों ने सवाल उठाया कि सरकार को कार्रवाई करने से पहले और कितनी जानें गंवानी पड़ेंगी। उन्होंने फसल के नुकसान के लिए मुआवजे की मांग की और कहा कि वे पहले से ही अपनी उपज पर प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों के प्रभाव से जूझ रहे हैं।

जनसेवा कार्यक्रम के अंतर्गत जिला पुलिस अधीक्षक ने शिकायतकर्ताओं से शिकायतें प्राप्त की

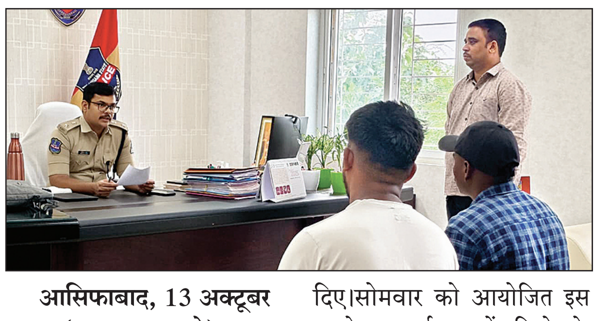

आसिफाबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोमुराम भीम, आसिफाबाद जिला पुलिस कार्यालय में आज जिला पुलिस अधीक्षक कांतिलाल पाटिल (आईपीएस) ने जनसेवा कार्यक्रम के अंतर्गत शिकायतकर्ताओं की समस्याएँ सुनीं और संबंधित अधिकारियों को कानून के अनुसार उनके समाधान हेतु आवश्यक सुझाव दिए।सोमवार को आयोजित इस जनसेवा कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए शिकायतकर्ताओं ने अपनी शिकायतें प्रस्तुत कीं। जिला पुलिस अधीक्षक ने मौके पर ही संबंधित क्षेत्र निरीक्षकों से फ़ोन पर बात कर समस्याओं की स्थिति के बारे में जानकारी ली और उनके त्वरित समाधान के लिए निर्देश दिए।जिला पुलिस अधीक्षक कांतिलाल पाटिल (आईपीएस) ने बताया कि जिला पुलिस विभाग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लोग बिना किसी भय या दबाव के, और बिना किसी तीसरे पक्ष की भागीदारी के, स्वेच्छा से पुलिस सेवाओं का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग नागरिकों के करीब आते हुए कानून के अनुरूप उनकी समस्याओं का समाधान करने, शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए तत्पर है। उन्होंने यह भी बताया कि वे हर सोमवार को प्रजावाणी (जनसेवा) कार्यक्रम के माध्यम से जनता की शिकायतें सीधे प्राप्त कर रहे हैं और प्रत्येक मामले का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

वनिता वक्कू फाउंडेशन ने बालिका शिक्षा को दिया संबल

देवी की वार्षिक फीस की उठाई जिम्मेदारी

मंचेरियाल, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालिकाओं को जन्म लेने दो, उन्हें जीने दो, उन्हें पढ़ने दो, उन्हें बढ़ने दो-इसी संदेश के साथ 2022 में स्थापित वनिता वक्कू फाउंडेशन बालिकाओं के संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। संस्था प्रतिवर्ष राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करती है।

इस वर्ष, सरस्वती शिशु मंदिर में पढ़ने वाली छठी कक्षा की बालिका देवी की आर्थिक स्थिति को देखते हुए संस्था के सह-संस्थापकों ने उसकी वार्षिक फीस के लिए 10,000 की सहायता प्रदान की। यह जानकारी संस्था की अध्यक्ष तल्लापेल्ली कविता ने दी, जिसे सुनीता कुर्मा ने सार्वजनिक रूप से साझा किया।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों को मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही, संस्था ने इस नेक कार्य में योगदान देने वाले सभी दानदाताओं का आभार व्यक्त किया। वनिता वक्कू फाउंडेशन का यह प्रयास बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम है।

फाइलेरिया नियंत्रण पर कार्यक्रम का शुभारंभ

मंचेरियाल, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल मंडल के रल्लापेट में फाइलेरिया नियंत्रण पर टास एक कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. अनीता ने इस अवसर पर कहा कि यह कार्यक्रम आज, 13 तारीख से जिला में शुरू किया गया है। जिका के प्रभावित मंडलों में 20 टीमों द्वारा फाइलेरिया के निदान के लिए त्वरित परीक्षण किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत भाग लेने वाली टीमों की समीक्षा की गई है।

जिला के चिकित्सा अधिकारियों और पैरामेडिकल कर्मचारियों को लोगों के साथ समन्वय करना चाहिए और उन्हें पहले से सूचित करना चाहिए, साथ ही दैनिक आधार पर उनका विवरण प्रदान करना चाहिए।

साथ ही, लोगों को मलेरिया, डेंगू, चिकन पॉक्स और फाइलेरिया जैसी कीट जनित बीमारियों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। डॉ. अनीता ने यह भी निर्देश दिए कि विशेष रूप से बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं, छोटे बच्चों और यौन संचारित रोगों से ग्रस्त लोगों के लिए सावधानियां बरती जाएं। इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में डॉ. शिवप्रताप, डॉ. अनिल, कार्यक्रम अधिकारी और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, स्वास्थ्य कार्यकर्ता संतोष, मलेरिया तकनीकी पर्यवेक्षक बुक्का वेंकटेश्वर, जिला मास मीडिया अधिकारी और रल्लापेट के ग्रामीणों ने भाग लिया।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कल्याणकारी छात्रावासों की व्यवस्था में होगा बड़ा बदलाव

-मुख्यमंत्री ने जवाबदेही, पोषण और स्वास्थ्य निगरानी पर दिया जोर
-अब तकनीक से होगी भोजन की गुणवत्ता की निगरानी
-छात्रों के स्वास्थ्य पर रखी जाएगी पैनी नजर

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को विभिन्न कल्याण विभागों के कामकाज की समीक्षा की और अधिकारियों को राज्य भर के कल्याणकारी छात्रावासों में स्थितियों को सुधारने पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया।

उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने संपूर्ण और अद्यतन डेटा बनाए रखकर कल्याणकारी छात्रावासों के प्रबंधन में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने निगरानी और उपस्थिति ट्रैकिंग को बढ़ाने के लिए छात्रों, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को फेस रिकग्निशन सिस्टम के तहत लाने का निर्देश दिया।

रेवंत रेड्डी ने भोजन की गुणवत्ता की निगरानी के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग का भी आह्वान किया और यह सुनिश्चित करने को कहा कि छात्रों को उचित पोषक तत्वों के साथ पौष्टिक भोजन मिले। उन्होंने अधिकारियों से यह सत्यापित करने के लिए कहा कि छात्रावास के छात्रों को दिए जाने वाले कपड़े और किताबें ठीक से वितरित किए जा रहे हैं या नहीं।बुनियादी ढांचे के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री ने विभागों को छात्रावासों की स्थिति पर ऑनलाइन डेटा को नियमित रूप से अपडेट करने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी अपनाने का निर्देश दिया।उन्होंने आगे इस बात पर जोर दिया कि छात्रावासों को आस-पास के मेडिकल कॉलेजों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों से जोड़कर छात्रों की स्वास्थ्य स्थिति की बारीकी से निगरानी की जानी चाहिए, और अधिकारियों को नियमित स्वास्थ्य जांच करने का निर्देश दिया।एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने कल्याणकारी छात्रावासों के सुचारू कामकाज और समय पर आवंटन सुनिश्चित करने के लिए ग्रीन चैनल के माध्यम से मासिक धन उपलब्ध कराने की एक कार्य योजना तैयार करने का भी आदेश दिया।

जुबली हिल्स उपचुनाव: पहले दिन 11 नामांकन दाखिल

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी होने के बाद, आज नामांकन दाखिल करने के पहले दिन दस उम्मीदवारों ने 11 सेट में नामांकन पत्र दाखिल किए।इन नामांकनों में पंजीकृत दलों के दो उम्मीदवार और आठ निर्दलीय उम्मीदवार शामिल हैं। तेलंगाना पुनर्निर्माण समिति की ओर से पूसा श्रीनिवास ने पर्चा भरा, जबकि नवतरम पार्टी का प्रतिनिधित्व अरवापल्ली श्रीनिवास राव ने किया।

निर्दलीय उम्मीदवारों में सिलिवेरु श्रीकांत, पेसरकायला परीक्षित रेड्डी, चालिका चंद्र शेखर, सपावथ सुमन, वेमुला विक्रम रेड्डी, इब्राहिम खान, सैयद मुस्तफा हुसैन और सलमान खान शामिल थे।

अधिसूचना से पहले, जिला निर्वाचन अधिकारी आर.वी. कर्णन ने रिटर्निंग ऑफिसर और सहायक रिटर्निंग ऑफिसर के साथ तैयारियों की समीक्षा के लिए शेखपेट तहसीलदार कार्यालय स्थित रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय का दौरा किया। उन्होंने उन्हें यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि नामांकन प्रक्रिया सुचारू रूप से चले और सभी व्यवस्थाएं ईसीआई के नियमों के अनुरूप हों।

डीईओ ने जुबली हिल्स में मतदाता जोड़ने के आरोपों पर दी सफाई

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला निर्वाचन अधिकारी आर.वी. कर्णन ने जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में मतदाता जोड़ने में अनियमितताओं का आरोप लगाने वाली हालिया मीडिया और सोशल मीडिया रिपोर्टों के संबंध में एक स्पष्टीकरण जारी किया है।कई रिपोर्टों में व्यक्तिगत पतों पर असामान्य रूप से बड़ी संख्या में पंजीकृत मतदाताओं की ओर इशारा किया गया था, जैसे कि: मकान नंबर 8-3-231/बी/118 - 50 मतदाता, मकान नंबर 8-3-231/बी/119 - 10 मतदाता, मकान नंबर 8-3-231/बी/164 - 8 मतदाता, मकान नंबर 8-3-231/बी/160 - 43 मतदाताजांच के बाद, डीईओ ने स्पष्ट किया कि ये नाम पहले से ही 2023 तेलंगाना विधानसभा और 2024 लोकसभा चुनावों की अंतिम मतदाता सूचियों का हिस्सा थे, और इन पतों पर कोई नया नामांकन नहीं किया गया है।

अधिक संख्या में मतदाताओं का कारण एक ही मकान नंबर पर कई आवासों का होना बताया गया, जिनमें बहु-मंजिला इमारतें और फ्लैट शामिल हैं, जैसे कि मकान नंबर 8-3-231/बी/118 में तीन मंजिल और एक पेंटहाउस है, और मकान नंबर 8-3-231/बी/160 में 15 फ्लैट हैं।कर्णन ने इस बात पर जोर दिया कि 2023 के बाद से मतदाताओं की संख्या में कोई बदलाव नहीं हुआ है, और इन पतों पर नए मतदाताओं के नामांकन के आरोप पूरी तरह से झूठे हैं।

पूरन कुमार की आत्महत्या पर तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री ने जताया शोक, परिवार से की मुलाकात

हैदराबाद/चंडीगढ़, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने सोमवार को हरियाणा के वरिष्ठ दलित आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार के घर पहुंचकर उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी और आश्वासन दिया कि तेलंगाना सरकार इस कठिन घड़ी में उनके साथ खड़ी है।तेलंगाना उपमुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, विक्रमार्क ने चंडीगढ़ में कुमार की पत्नी, वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अमनीत पी. कुमार (हरियाणा सरकार में कार्यरत) और अन्य परिवारजनों से भेंट कर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने इस दुखद घटना के कारणों की जानकारी ली और परिवार का हौसला बढ़ाया।52 वर्षीय वाई. पूरन कुमार, 2001 बैच के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी थे। उन्होंने 7 अक्तूबर को चंडीगढ़ के सेक्टर-11 स्थित अपने निवास पर कथित रूप से आत्महत्या कर ली थी।विक्रमार्क ने यात्रा के दौरान कुमार की पत्नी और परिवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री श्री रेवंत रेड्डी से फोन पर भी बात कराई। मुख्यमंत्री ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए पूर्ण सहयोग और सहायता का आश्वासन दिया।

उपमुख्यमंत्री ने हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी से भी भेंट की और आग्रह किया कि सुसाइड नोट की विषय-वस्तु के आधार पर दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध, चाहे उनका पद कोई भी हो, निष्पक्ष और सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए ताकि परिवार को न्याय मिल सके।विक्रमार्क ने कहा, पूरन कुमार एक असाधारण और प्रतिभाशाली अधिकारी थे - उस्मानिया विश्वविद्यालय (हैदराबाद) से इंजीनियरिंग स्नातक और आईआईएम अहमदाबाद के पूर्व छात्र। यह अत्यंत दुखद है कि जाति-आधारित भेदभाव और वरिष्ठ अधिकारियों के उत्पीड़न ने उन्हें आत्महत्या के लिए विवश कर दिया। उनका सुसाइड नोट मृत्यु पूर्व बयान के रूप में माना जाना चाहिए।उन्होंने यह भी कहा कि घटना के कई दिन बीत जाने के बावजूद संबंधित प्राधिकरणों द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ पत्रकार कोंडा लक्ष्मा रेड्डी का निधन, मुख्यमंत्री ने जताया शोक

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। चेवेल्ला के पूर्व विधायक और न्यूज़ एंड सर्विसेज सिंडिकेट (NSS) के प्रबंध निदेशक कोंडा लक्ष्मा रेड्डी का आज सुबह यहाँ एक कॉर्पोरेट अस्पताल में उम्र संबंधी बीमारियों का इलाज कराते समय निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे।लक्ष्मा रेड्डी, अविभाजित आंध्र प्रदेश के पूर्व उप-मुख्यमंत्री कोंडा वेंकट रंगा रेड्डी के पोते थे और उनका कांग्रेस पार्टी से लंबा जुड़ाव रहा तथा उन्होंने कई प्रमुख पदों पर कार्य किया।उन्होंने आंध्र प्रदेश खेल परिषद के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया।उन्होंने 1999 और 2014 में हैदराबाद लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा, लेकिन दोनों ही अवसरों पर असफल रहे।उन्होंने 1980 में स्थानीय समाचार एजेंसी एनएसएस की स्थापना की, जिसने कई नवोदित पत्रकारों के लिए एक मंच के रूप में काम किया।उन्होंने हैदराबाद प्रेस क्लब के अध्यक्ष, जर्नलिस्ट्स कोऑपरेटिव हाउसिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष और संयुक्त आंध्र प्रदेश वर्किंग जर्नलिस्ट्स यूनियन की कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में भी कार्य किया।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने चेवेल्ला के पूर्व विधायक कोंडा लक्ष्मा रेड्डी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया।एक संदेश में, मुख्यमंत्री ने एनएसएस न्यूज़ एजेंसी के संस्थापक, विधायक, प्रेस क्लब और जुबली हिल्स जर्नलिस्ट कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी के अध्यक्ष के रूप में लक्ष्मा रेड्डी की सेवाओं को याद किया। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।तेलंगाना मीडिया अकादमी के अध्यक्ष के. श्रीनिवास रेड्डी, इंडियन जर्नलिस्ट्स यूनियन के सचिव वाई. नरेंद्र रेड्डी, तेलंगाना यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के अध्यक्ष के. विरहत अली और महासचिव राम नारायण ने कोंडा लक्ष्मा रेड्डी के निधन पर अपनी संवेदना व्यक्त की।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31°
न्यूनतम : 21°

सूर्यपेट को मिलेगा देवाडुला और एसआरएसपी का पानी : उत्तम कुमार रेड्डी

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार सूर्यपेट जिले को देवाडुला लिफ्ट सिंचाई योजना और श्रीरामसागर परियोजना (एसआरएसपी) से पानी की आपूर्ति के लिए प्रस्ताव तैयार कर रही है। यह घोषणा सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने सोमवार को की।

नए डीसीसी अध्यक्ष की नियुक्ति पर पार्टी कार्यकर्ताओं से प्रतिक्रिया लेने के लिए सूर्यपेट में आयोजित कांग्रेस पार्टी की जिला-स्तरीय विस्तारित बैठक में बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार जिले में एसआरएसपी जल आपूर्ति को सुव्यवस्थित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने बताया कि एसआरएसपी जलाशय की क्षमता, जो मूल रूप से 112 टीएमसी थी, गाद जमने के कारण घटकर 80 टीएमसी रह गई है, जिससे निचले प्रवाह पर असर पड़ रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए, सरकार पूरी क्षमता बहाल करने और निर्बाध सिंचाई जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए गाद निकालने का काम करने और क्षतिग्रस्त नहरों और लाइनिंग की मरम्मत करने की योजना बना रही है।

उत्तम कुमार रेड्डी ने इस क्षेत्र में एसआरएसपी फेज-2 का पानी लाने का श्रेय दिवंगत कांग्रेस नेता रामरेड्डी दामोदर रेड्डी को दिया और सूर्यपेट के लिए एसआरएसपी पानी की मांग को लेकर कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'रक्तर्पणम' आंदोलन को याद किया।

उनके योगदान का सम्मान करने के लिए, सरकार ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की मंजूरी से एसआरएसपी फेज-2 का नाम दामोदर रेड्डी के नाम पर रखने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार सिंचाई, सड़कों और बुनियादी ढांचे सहित सूर्यपेट के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

उन्होंने उल्लेख किया कि राष्ट्रीय राजमार्ग का छह-लेन का बनना और जिले के लिए एक नई रेलवे लाइन की मंजूरी कांग्रेस सरकार की प्रमुख उपलब्धियों में से थीं।

कृषि के मोर्चे पर, मंत्री ने कहा कि राज्य में 148.3 लाख मीट्रिक टन धान की ऐतिहासिक पैदावार दर्ज की गई, और सरकार 24,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर 80 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद करेगी, जिसके लिए खरीफ धान की खरीद के लिए सभी व्यवस्थाएं कर ली गई हैं।

तेलंगाना सरकार सम्मक्का सारलम्मा मंदिर विकास पर 251 करोड़ खर्च करेगी

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार मुलुगु जिले के मेडाराम में स्थित सम्मक्का सारलम्मा मंदिर के विकास के लिए 251 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। यह मंदिर एक प्रमुख तीर्थ स्थल है जहां लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। राजस्व एवं वारंगल प्रभारी मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने आज यह जानकारी दी।

मंत्री रेड्डी ने पंचायत राज मंत्री धनसारी अनसूया सीताक्का के साथ मंदिर में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों के साथ प्रगति का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की हालिया यात्रा के दौरान 101 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई थी, जिसमें से 71 करोड़ रुपये के टेंडर जारी किए गए हैं। सरकार पहले स्वीकृत 150 करोड़ रुपये के अलावा चरणबद्ध तरीके से मंदिर को स्थायी आधार पर विकसित करने की योजना बना रही है।

मंत्रियों ने कहा कि इन फंड्स का उपयोग मंदिर परिसर में सुधार करने, सड़कों का निर्माण करने और आदिवासी तथा गैर-आदिवासी दोनों भक्तों के लिए सुविधाएं बढ़ाने में किया जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि बाढ़ के पानी से कोई नुकसान न हो। मंत्री रेड्डी ने कलेक्टर और एसपी को निर्देश दिया कि वे 50 दिनों के भीतर व्यवस्थित तरीके से कार्य पूरा करें। मंत्री सीताक्का व्यक्तिगत रूप से इस परियोजना की निगरानी करेंगी।अधिकारियों ने बताया कि पिछली बार मेडाराम मेले में एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए थे, और विकास पहलों के साथ इस साल यह संख्या दोगुनी होने की उम्मीद है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में सांसद बलराम नायक और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।मंदिर विकास योजना के तहत श्रद्धालुओं के लिए बेहतर आवास सुविधाएं, स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल की व्यवस्था और बेहतर परिवहन सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। सरकार का उद्देश्य इस ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल को एक आधुनिक तीर्थ केंद्र के रूप में विकसित करना है, जहां श्रद्धालुओं को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों।

सैदाबाद बाल गृह में पर्यवेक्षक द्वारा 10 वर्षीय बालक का यौन उत्पीड़न, आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 13 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सैदाबाद स्थित सरकारी बाल गृह में कार्यरत एक पर्यवेक्षक द्वारा 10 वर्षीय बालक के साथ कथित रूप से यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, आरोपी ने इस वर्ष मई से कई बार बालक के साथ दुष्कर्म किया। दशहरा की छुट्टियों में बालक जब घर लौटा, तो उसने अपने माता-पिता को घटना की पूरी जानकारी दी।लड़के की माँ की शिकायत पर 11 अक्टूबर को पुलिस ने बाल गृह के सुपरवाइजर के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया।एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपी ने गृह में अन्य बच्चों के साथ भी कोई अनुचित कृत्य तो नहीं किया। पुलिस ने कहा कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

शुभ लाभ
का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/-
Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..........
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10X10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.